रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● रांची, गुरुवार 19 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 161 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जोहार साथियों,

झामुमो-कांग्रेस के ठगबंधन की इस भ्रष्ट और जन विरोधी सरकार ने झारखंड की जनता को खून के आंसू रोने पर मजबूर कर दिया है। दलाल-माफिया और भ्रष्ट अफसर, घुसपैठियों के तुष्टिकरण में लीन परिवारवादी ताकतों के साथ मिलकर हमारी **रोटी-बेटी-माटी** की लूट मचा रहे हैं। प्रत्येक प्रदेशवासी के दिल में परिवर्तन की लहर गूंज उठी है। जन-आकांक्षाओं की आश बनकर भाजपा, परिवर्तन रैली के जरिए हर प्रखंड, हर घर, हर परिवार तक पहुंचेगी। हम हर एक झारखंडवासी को आश्वस्त करते हैं कि **रोटी-बेटी-माटी** को बचाने का

एक ही विकल्प है, भाजपा

आईए साथ जुड़ें, यात्रा को यशस्वी बनाएं और परिवर्तन का हिस्सा बनें।

जोहार साथियों,

हागा ओडो मीसी को नेन JMM ओडो काँग्रेस अ चकाओ ओडो भ्रष्ट जन विरोधी सरकार दो अबु झारखण्ड रेन जनता को के खून रेया आंसू राआ तेह मजबूर के बुअऐ दलाल ओडो माफिया ओडो भ्रष्ट अफसर को आबुआ **रोटी-बेटी-ओडो** आबुआ झारखंड रेया हसा को रेजबुआ को सोबेन परदेसवासी कोआ दिल रे परिवर्तन रेया लहर गुंजाओ तना आबुआ जरूरत रेया आशा बायी केते भाजपा परिवर्तन रैली ते मीसा केते हर प्रखंड ओडो सोबेन ओडाह सोबेन परिवार तोक बु तेबाआया आबुआ भाजपा पार्टी हर एक झारखंडवासी को भरोसा ओमाकोतनाऐ ची **रोटी-बेटी-ओडो** आबुआ हासा को बचाव लगीद **आबुआ मीयदगे विकल्प मेनाह भाजपा ऐनाते**

हीजुपे सोबेन जोडाओनपे ऐनाते यात्रा बु सफल बु बाइया ओडो परिवर्तन रेया हिस्सा बु बाइना

जोहार संगियारो,

झामुमो आरा कांग्रेस गही ठगबंधन ही भ्रष्ट आरा आलार गही विरोधी सरकार झारखंड ता आलार ही खेंस ही ख़ंजलखो चींखता गे लाचार नंजकी रई। दलाल आरा माफिया और भ्रष्ट अफसर ही तुष्टिकरण नू लीन एडपंता परिवारवादी ताकतन मिलाबआ की एम्हाय **असमा- कूके ख़द्द - ख़जेन** बच्चा लग्गार। हुर्मि प्रदेश वासी ही जिया नू बदलारआ गे लहरे चोआ लगकी रई। आलार गही आसरा ही आस बनआ की भाजपा परिवर्तन रैली ही माध्यम ती हुर्मी प्रखण्ड, आरा एड़पा, आरा एड़पनता आलार हेदे अंड़सो। एम होर्मा ओंटा झारखंडी आलारिन भरोसा चीऽदम की **असमा - कुके ख़द्द - ख़ज्जेन** बछाबआ गे **ओंटे केला आसरा रई, आद ही के भाजपा।**

बारआ होर्मे संगे मनोत की यात्रा रुपी डहरेन दव कमओत बदलरका हिस्सा बनओत।

न सहेंगे, न कहेंगे, बदल के रहेंगे

(बाबूलाल मरांडी)

भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश

तीन हफ्ते का प्रशिक्षण : राज्य भर के महिला थानों में तैनात किया जाएगा प्रशिक्षित आरक्षियों को

46 निर्भया शक्ति महिला आरक्षियों को मिल रही ट्रेनिंग

वरीय संवाददाता। रांची

सीआईडी के बैनर तले 46 निर्भया शक्ति महिला आरक्षियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है. मंगलवार को महिला आरक्षियों की ट्रेनिंग आईटीएस होटवार में शुरू हुई. द्वितीय बैच की 46 निर्भया शक्ति महिला आरक्षियों के तीन सप्ताह के ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन झालसा की सदस्य सचिव रंजना अस्थाना और सीआईडी आईजी असीम विक्रांत मिंज ने किया.

प्रशिक्षण के दौरान संबोधित करते अधिकारी.

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने सलाह दी थी : बता दें कि हाईकोर्ट झारखंड के चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की सलाह पर तत्कालीन सीआईडी डीजी और डीजीपी झारखंड अनुराग गुप्ता द्वारा महिला थाना में निर्भया शक्ति महिला आरक्षियों को प्रतिनियुक्त करने का निर्णय लिया गया था. इन प्रशिक्षित महिला कर्मियों को झारखंड के सभी महिला थाना में प्रतिनियुक्त किया जाएगा, जो महिला एवं बच्चों के विरुद्ध हो रहे अपराधिक कांडों में पुलिस अनुसंधान में सहायता करेंगी. उन्हें वैज्ञानिक अनुसंधान, कानून, नर्सिंग, मनोविज्ञान, सॉफ्ट स्किल साइबर जैसे विषयों में प्रशिक्षण दिया जाएगा.

38 महिला थाना में प्रतिनियुक्ति की जा चुकी है : प्रथम बैच की 45 निर्भया शक्ति महिला आरक्षियों को राज्य के 38 महिला थाना में प्रतिनियुक्त किया जा चुका है. इन महिला आरक्षियों को प्रशिक्षण दिया गया है कि पीड़ित पक्ष जब थाना आये, तो वह उनको शुरुआती प्राथमिक चिकित्सा देने से लेकर मनोवैज्ञानिक सलाह देते हुए अदालत में ट्रायल तक साथ में रहें. महिला एवं बच्चों के विरुद्ध हो रही लैंगिक हिंसा विशेष कर पॉक्सो और जेजे एक्ट जैसे कानून के संबंध में विशेष रूप से उन्हें जानकारी दी गयी है.

दिव्यांगजनों का धरना 174वें दिन भी जारी रहा

रांची। 15 सूत्री मांग को लेकर दिव्यांगजनों का राजभवन के समक्ष 174 दिन भी प्रदर्शन जारी रहा. प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश चौहान ने कहा कि सरकार ने 2019 में घोषणा की थी कि सरकार बनेगी तो दिव्यांगजनों की पेंशन 1000 से बढ़ाकर 2500 रुपये की जाएगी. लेकिन राशि अभी तक नहीं बढ़ायी गयी है. सरकार मंईयां योजना चला रही है. इसमें 18 साल से 50 साल तक की महिलाओं को प्रत्येक महीने एक हजार रुपये दिए जा रहे हैं. ये योजना चालू कर राज्य सरकार अपना वोट बैंक बना रही है. मंईयां योजना से दिव्यांग जनों का अपमान किया जा रहा है, क्योंकि मंईयां योजना और दिव्यांगजनों की राशि एक है.

सुन चंपा, सुन तारा... ई बबुआ तो हईए है मेरा-तेरा राजदुलारा

संजय सिंह

बड़की पार्टिया में हाल में एगो नेताजी घुसियाए हैं. कहाए के तो टाईगर कहलाते हैं, राजदुलारा बेटवा के राजनीतिक विरासत सौंपे लगी अकबकाइल हैं. कइसे बेटा जी के राजनीति करावल जाए, एकरे में अझुराइल हैं. बड़की पार्टिया ऊ टाईगर कहावे वाला नेताजी के पहिले से ही होमटास्क देले हैं. पुरनका होमवा में से दु-चार गो संहतिया के फरियावे के जिम्मेवारी भी नेताजी जी पर. बड़की पार्टिया वाला लोग कोल्हान में तीर-धनुषवा के धार कुंद करेला बेचैन है. ऊ लोग चाहते हैं कि चाहे जईसे भी तीर धनुषवा के तोड़-फोड़ कर दीहल जाए. लेकिन नेताजी तो पहिले अपना राजदुलरवा के सेट करे लगी नजर गड़ाईले हैं. राजदुलरवा के लिए कौन सीटवा फिट बईठेगा, ओकरे में दिमाग लगाईले हैं. कभी-कभी ई सोंच के भी अकबका जा रहे हैं कि कहीं बड़की पार्टियावाला लोग बेटाजी के दगा तो न दे देगा. वईसे उनकी पार्टिया में ई गीत जरूर गुनगुनाईल जा रहिस है- सुन चंपा, सुन तारा... कोई जीता- कोई हारा...ई बबुआ तो है तेरा राजदुलारा. वईसे भी बड़की पार्टिया के बड़का-बड़का नेताजी लोगन ई चंपा जी का उपयोग पुरनकी पार्टिया के पोस्टमार्टम करावे ला कर रहे हैं. चंपा जी भी आजकल खुल कर खेल रहिन है. पुरनकी पार्टिया पर निशाना साधे से तनिको न चूक रहे हैं. बड़की पार्टियावाला लोग ई चंपा जी से चाहते हैं कि ऊ ज्यादा से ज्यादा पुरनकी पार्टिया के छीछालेदर कईले रहें. आदिवासी समाज में तीर-धनुष के आउट करावे ला चंपा जी के भरपूर उपयोग कईले हैं. लेकिन चंपा जी का तो पूछिए मत, उ तो आजकल बेटाजी-बेटाजी कईले हैं. गीत गईले हैं, चंदा है तू, सूरज है तू, तू मेरी आंखों का तारा है तू. अब चंपा जी जबसे अपन कोल्हान और संथाल इलाका में कमल खिलावे के ठेके लेले हैं, तब से तनिका ज्यादा एक्टिव हैं. पुरनकी पार्टियावाला लोग के भी कमल खिलावे ला बुलाइले हैं. लेकिन पेंच पंस रहीस है बेटा जी को लेकर. पुरनकी तीर-धनष पार्टिया में जो लोग उनके चेहेते हुआ करते थे, ऊ लोग कमल खिलावे लगी चंपा जी चक्कर में फंसेंगे कि नहीं, ये तो वक्त बताएगा, लेकिन पुरनका साथी लोग इन्हें चक्कर में जरूर डाल सकता है. अब देखिए न कोल्हान के पूर्वी में एगो इलाका कभी नक्सलियों के खौफ से कुछ ज्यादा ही खौफजदा था. ऊ इलाका के पहाड़ी में एगो हरियर कीमती पत्थर मिलता है. ऊ पत्थरवा ढेरे कीमती है, जेकरा खरीदे ला राजस्थान से भी कारोबारी लोग पहुंच जाता है. ऊहां वाले नेताजी भी चंपा जी करीबी हैं, लेकिन चंपा जी के बेटु राजा भी ऊहे इलाका में ढेरे दिन से नजर गड़ाईले हैं. अब पप्पा जी के लिए परेशानी हो गई है कि पुत्र मोह में पुरनका दोस्त से दोस्ती तोड़ें कि बेटा जी लगी कहीं और ठिकाना देखें. वईसे चंपा जी बेटा जी को अपना बगले में रखना चाहते हैं, ताकि ऊ इनका कंट्रोल में रहे. चंपा महोदय को भरोसा है उनका पुरनका यार भी कमल खिलावे ला आइबे करेगा, तो बेटवा लगी कही औरे देखल जाए. वईसे चंपा जी अपन और तीन गो पुरनका साथी लोग के कमल खिलावे ला लावे लगी घुसुर-फुसुर कईले हैं. लेकिन जेकरा-जेकरा से संपर्क कईले हैं, ऊ लोग आइए जाएगा ई कहल नहीं जा सकता है. लेकिन चंपा जी जिम्मेवारिया ले लीहिन हैं, तो पूरा करेला एड़ी-चोटी के जोर भी लगाईबे करेंगे. सो लगल हैं, लेकिन ध्यान दु देने लगाईले हैं. सबसे ज्यादा फोकस बेटा जी के जगह धराए पर है. काहें कि चंपा जी के कभी-कभी लगे लगा है कि कहीं बड़की पार्टिया उनका उपयोग कर फेंक न दे. लेकिन चचा चंपा भी पुराना मंझल राजनीति के चकल्लसबाज खिलाड़ी हैं. तू डाल-डाल, तो मैं पात-पातवाला खेला में भी माहिर हैं, देखिए आगे-आगे होता है क्या. बेटाजी के सेट करावे पारते हैं, तीर-धनुष वाला साथी लोगन के कमल खिलावे ला लावे पारते हैं या साइड धरा दीगल जाते हैं. वईसे बड़की पार्टिया के उम्मीद पर केतना खरा उतरते हैं अंकिल चंपा...ई तो आनेवाला समय ही बताएगा. देखना ई दिलचस्प होगा कि बड़की पार्टिया अंकिल के साथ यूज एंड थ्रो गेम खेलती है या अंकिले पार्टिया के यूज करके थ्रो करते हैं. जय हो चंपा, जय हो चंपा अंकिल की.

चुनावी चकल्लस

आंदोलन के मूड में झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ भी आंदोलन के मूड में है. संघ की हुई आमसभा में प्रीमियर सेवा के पुनर्गठन की मांग उठी. साथ ही गैर प्रशासनिक सेवा के अफसरों को उपसमाहर्ता के पद के समकक्ष लाने के निर्णय पर विरोध जताया गया. गैर सेवा के अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में इंडक्शन को लेकर निर्धारित अधिकतम 15 फीसदी की सीमा को ही नियमित कोटा मानने पर नाराजगी जाहिर की गई.

एक महीने के अंदर विभागीय कार्यवाही हो पूर्ण : संघ की अध्यक्ष रंजीता हेंब्रम ने कहा कि संघ की शक्ति एकता में ही निहित है. हर परिस्थिति में हमें एकजुट रहना है. प्रशासनिक सेवा के पुनर्गठन, समयबद्ध प्रोन्नति, राज्य सेवा के अफसर के खिलाफ विभागीय कार्यवाही को एक साल के अंदर पूरा करने के साथ अन्य लंबित मामलों को सरकार के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया. साथ ही बिहार के तर्ज पर झारखंड प्रशासनिक सेवा के पुनर्गठन मॉडल को किसी भी कीमत में स्वीकार नहीं करने की बात कही. साथ ही कहा कि झारखंड प्रशासनिक सेवा के पुनर्गठन के ड्राफ्ट को सार्वजनिक करते हुए राज्य सेवा के अफसरों से भी मंतव्य लिया जाना चाहिए.

कल से शुरू हो जाएगा भाजपा के फायर ब्रांड नेताओं का झारखंड दौरा

करवट ले रही झारखंड की सियासी फिजा

- भोगनाडीह से गृह मंत्री अमित शाह करेंगे परिवर्तन यात्रा की शुरुआत
- 22 सितंबर को नितिन गडकरी आएंगे झारखंड

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में सियासी फिजा तेजी से करवट ले रही है. एक ओर झामुमो ने आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के जरिये जनता तक अपनी पैठ बना रही है. सरकार की उपलब्धियों से जन जन को अवगत करा रही है. वहीं बीजेपी परिवर्तन यात्रा के जरीए अपनी ताकत दिखाएगी. प्रदेश में 20 सितंबर से बीजेपी की परिवर्तन यात्रा शुरू होगी. इसका समापन दो अक्टूबर को होगा. इसकी शुरुआत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भोगनाडीह से करेंगे. यात्रा के जरिये हेमंत सरकार से पांच साल का हिसाब मांगा जाएगा. यह परिवर्तन यात्रा छह सांगठनिक प्रमंडलों में होगी, जो सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, परिवर्तन यात्रा में भाजपा के 50 टॉप लीडर होंगे शामिल होंगे.

कौन-कब आएंगे झारखंड

- 20 सितंबर को अमित शाह आएंगे झारखंड
- 21 सितंबर को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ झारखंड आएंगे
- 22 सितंबर को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी झारखंड आएंगे
- 23 सितंबर को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी झारखंड आएंगी
- 24 सितंबर को मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव आएंगे
- 24 सितंबर को छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय आएंगे
- 28 सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आएंगे

भाजपा के सभी नेताओं ने बदले प्रोफाइल पिक्चर

भाजपा की परिवर्तन यात्रा : ना सहेंगे, न कहेंगे, बदल के रहेंगे

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड भाजपा परिवर्तन यात्रा शुरू करने वाली है. इसे लेकर पार्टी ने बुधवार से सोशल मीडिया पर अभियान शुरू किया है. इसके तहत पार्टी के सभी नेताओं ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से अपनी तस्वीरों को हटा लिया है. नेताओं ने अपने प्रोफाइल में परिवर्तन यात्रा का लोगो लगाया है. साथ ही नारा लिखा है- ना सहेंगे, न केहेंगे, बदल के रहेंगे. इसके साथ ही भाजपा नेताओं ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल में एक बैनर भी जारी किया है. जिसमें घोषणा पत्र पर सुझाव अभियान शुरू करने की बात लिखा है. साथ ही नारा दिया है- आपका सुझाव लाएगा झारखंड में बदलाव. इसके साथ ही पार्टी ने एक वाट्सएप नंबर भी जारी किया है, जिस पर मैसेज के जरिये कोई भी व्यक्ति अपना सुझाव दे सकते हैं. एक क्यूआर कोड भी है, जिसे स्कैन करके झारखंड भाजपा का पोर्टल खुलता है. इसमें सुझाव को लेकर एक संदेश दर्ज है.

भाजपा का परचा बांटो अभियान शुरू

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अभी से ही पूरी ताकत झोंक दी है. झारखंड भाजपा की तरफ से राज्य के 81 विधानसभा क्षेत्रों में परचों का वितरण किया जा रहा है. परचा मिला क्या? में बताया जा रहा है कि कैसे पिछले पांच सालों में राज्य के लोगों को कुछ भी नहीं मिला. इससे पहले झारखंड भाजपा ने अखबारों में लगातार यही विज्ञापन जारी किया था. अब चौक-चाराहों और गांवों में परचे बांटे जा रहे हैं. जिसके जवाब में हेमंत सरकार ने भी देखा क्या ? से जवाब दिया था.

योजनाओं की जानकारी दी गयी है: झारखंड भाजपा द्वारा जिस परचे का वितरण किया जा रहा है, उसमें केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी है. साथ ही बताया गया है कि झारखंड में कितने लोगों, कितने परिवारों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है. सामाजिक कल्याण, आदिवासी, महिला सशक्तिकरण से लेकर युवाओं के लिए योजनाओं का परचे में जिक्र किया गया है.

भाजपा के टॉप लीडर करेंगे शिरकत : इस परिवर्तन यात्रा में भाजपा के टॉप लीडर शिरकत करेंगे. इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी शिरकत करेंगे.

कोर्ट की खबरें

फेयर माइंस को दी गयी 272 एकड़ भूमि में 26 एकड़ जमीन जंगल-झाड़ नेचर की

- बंदोबस्त अभिलेख में प्लॉट की किस्म जंगल झाड़ दर्ज है

विधि संवाददाता। रांची

भूमि अधिग्रहण विस्थापन एवं पुनर्वास किसान समिति ने हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है.दायर याचिका में कहा गया है कि पलामू जिले के पड़वा राजहरा में कोल कंपनी फेयर माइंस को खनन के लिए दी गयी करीब 272 एकड़ भूमि में से 26 एकड़ भूमि जंगल-झाड़ नेचर की है. फेयर माइंस कोल ब्लॉक को राजहराकी माइंस अलॉट हुई है. दायर जनहित याचिका में बताया गया है कि 26 एकड जंगल झाड़ जमीन का खतियान फटा हुआ है. जबकि बंदोबस्त अभिलेख में प्लॉट की किस्म जंगल झाड़ दर्ज है. इससे संबंधित सभी दस्तावेज अदालत में सौंपते हुए यह मांग की गयी है कि जंगल-झाड़ की भूमि की पूरी तरह जांच करायी जाए, उसके बाद ही कोल माइंस को खनन करने की इजाजत दी जाए.

हाईकोर्ट में पीआईएल

हाईकोर्ट में खुला स्टेट बार काउंसिल का एक्सटेंशन ऑफिस

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में स्टेट बार काउंसिल के एक्सटेंशन ऑफिस का उद्घाटन मंगलवार को किया गया. मौके पर हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद समेत अन्य न्यायाधीश मौजूद रहे. स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण और उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला सहित अन्य सदस्यों ने एक्सटेंशन ऑफिस के उद्घाटन पर खुशी जाहिर की. कहा कि हाईकोर्ट में एक्सटेंशन ऑफिस खुलने से हाईकोर्ट के वकीलों को काउंसिल से जुड़े काम कराने में काफी सुविधा होगी. हाईकोर्ट के दूसरे टाइपिस्ट ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर पर एक्सटेंशन ऑफिस खोला गया है.

लोकेश चौधरी के बॉडीगार्ड की जमानत याचिका खारिज

रांची। अग्रवाल बंधुओं के हत्या के आरोपी लोकेश चौधरी के बॉडीगार्ड धर्मेंद्र तिवारी को बेल देने से झारखंड हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है. लोकेश और धर्मेंद्र तिवारी को रांची सिविल कोर्ट ने पिछले वर्ष 30 जून को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील याचिका दाखिल की थी, जिस पर सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने उसे राहत देने से इनकार करते हुए अपील याचिका खारिज कर दी. पैसों के लेनदेन में हेमंत अग्रवाल और महेंद्र अग्रवाल की हत्या गोली मार कर की गयी थी.

अग्रवाल बंधु हत्याकांड

3 लाख करोड़ की परियोजनाओं को मिली मंजूरी : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल की 100 दिन की उपलब्धियां गिनाई. कहा कि तीसरे कार्यकाल के 100 दिन की उपलब्धियां बेमिसाल हैं. 100दिन में तीन लाख करोड़ की योजनाएं स्वीकृत हुईं. देश का सम्मान दुनिया में बढ़ा. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 4 तहत 49,000 करोड़ की केंद्रीय सहायता से 25 000 अनकनेक्टेड गांव में कनेक्टिविटी के लिए 12500 किलोमीटर सड़कों और पुलों के निर्माण/अपग्रेडेशन मंजूर हुई. 50,600 करोड़ की लागत से भारत के सड़क नेटवर्क को मजबूती देना स्वीकृत हुए.

रेल लाइन की आठ नई परियोजनाओं को मिली मंजूरी : रेल यात्रा को तेज और सुविधाजनक बनाने के लिए आठ नई रेलवे लाइन प रियोजनाओं को मंजूरी मिली, जिससे 4.42 करोड़ मैन- डेज के रोजगार उत्पन्न होंगे. प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि की 17 वीं किस्त जारी की गई, जिसमें झारखंड के 30 लाख किसानों के खाते में पैसे पहुंचे. कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम का विस्तार हुआ. मौसम और जलवायु अनुकूल भारत बनाने के लिए 2000 करोड़ की मिशन मौसम को मंजूरी मिली.

राज्य की जनता हेमंत सरकार से ऊब चुकी है : अन्नपूर्णा

ब्यूरो। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर बुधवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने रांची प्रेस क्लब में प्रेस कांफ्रेंस की. इसमें उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताईं. कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिनों में 15 लाख करोड़ से ज्यादा की योजनाओं का शुभारंभ और उद्घाटन हुआ है. सरकार का ध्यान देश की इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने का है. इसलिए 3 लाख करोड़ की राशि सड़क, रेल, एयरपोर्ट, पोर्ट के विकास के लिए प्रदान किए गए हैं. वहीं झारखंड सरकार पर कटाछ करते हुए कहा राज्य की जनता वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार से ऊब चुकी है और विधानसभा चुनाव में इस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी. केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि एनडीए सरकार के 100 दिन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण लिए 49 हजार करोड़ की योजना स्वीकृत हुई है . इससे 25 हजार गांव जुड़ेंगे. मोदी सरकार किसानों के लिए किसान सम्मान निधि का लाभ 9.3 करोड़ किसानों को मिला है. सरकार ने अपने कार्यकाल के इस 100 दिनों में यूनिफाइड पेंशन स्कीम की सौगात दी है. प्रधानमंत्री आवास योजना के नए चरण के लिए 3 करोड़ आवास की स्वीकृति दी गयी है.

ओडिशा के चीफ सेक्रेट्री को संजय सेठ ने लिखा पत्र

रांची। इंजीनियरिंग के छात्र मौत के मामले में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ओडिशा के चीफ सेक्रेट्री को पत्र लिखा है. पत्र में उन्होंने अभिषेक की मौत की उच्च स्तरीय जांच का आग्रह किया है. साथ ही कहा है कि इस मामले में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से भी जांच और कार्रवाई का भी आग्रह किया है.

आरजेडी

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटा राजद

28 को चतरा व 29 को पलामू में होगा कार्यकर्ता सम्मेलन

संवाददाता। रांची

राजद ने झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के उद्देश्य से जिला व विधानसभा स्तर पर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. यह जानकारी प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने दी. उन्होंने बताया कि राजद ने विधानसभा क्षेत्रों को चिह्नित कर अपनी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है.

पहले चरण में 28 सितंबर को चतरा और 29 को पलामू में कार्यकर्ता सम्मेलान का आयोजन किया जा रहा है. सम्मेलन में राजद के जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव औरंगाबाद के सांसद अभय कु. कुशवाहा, राष्ट्रीय महासचिव भोला प्रसाद यादव, श्रम एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता सहित कई विधायक एवं पार्टी के नेता व संगठन पदाधिकारी हिस्सा लेंगे और कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स देने के साथ ही साथ बूथ स्तर पर कमेटी का गठन करने का जानकारी देंगे. कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान विधानसभा क्षेत्र स्तर पर संगठन की स्थिति, संभावित प्रत्याशियों के नाम पर विचार-विमर्श किया जाएगा. कार्यकर्ताओं से संभावित प्रत्याशियों के बारे में जानकारी ली जाएगा. रायशुमारी कर पार्टी आलाकममान को अवगत कराया जाएगा.

महाचसिव कैलाश यादव ने बताया कि पिछले दिनों प्रदेश राजद कार्यालय में राष्ट्रीय महासचिव व झारखंड राजद प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव और प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव के नेतृत्व में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें जयप्रकाश यादव ने पार्टी नेताओं को जानकारी दी थी कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्र यादव का निर्देश है कि राजद जिलावार कार्यकर्ता सम्मेलन करे.

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के निर्देश पर ही प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने पहले चरण में राजद के जनाधारवाले जिते चतरा व पलामू से विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन के आयोजन की घोषणा की है. इसके बाद गोड्डा, कोडरमा सहित अन्य जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.

मांगें पूरी नहीं हुईं तो होगा आंदोलन : मोर्चा

रांची। एमएसीपी समेत शिक्षकों की महत्वपूर्ण मांगों के संबंध में झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा के सभी घटक संगठन के शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा वर्चुअल बैठक बुधवार को की गई. इसकी अध्यक्षता संयोजक विजय बहादुर सिंह ने की. मौके पर मोर्चा के प्रदेश संयोजक अमीन अहमद एवं प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार दास ने कहा कि राज्य के शिक्षकों की निम्नलिखित मांगों पर कार्य योजना बनाई गई है. मोर्चा द्वारा अविलंब निम्न मांगों को पूरा करने की मांग राज्य सरकार से की गई है. मांगें पूरी नहीं होने पर मोर्चा आंदोलन करने को बाध्य होगा. मौके पर आशुतोष कुमार, अरुण कुमार दास, अंजय अग्रवाल, राम कुमार साहू, एनामूल हक़, तौहीद आलम, गौतम बैरागी, मकसूद जफर हादी, भुवनेश्वर मुंडारी सहित रांची, रामगढ़, लोहरदगा, गुमला, गोड्डा, देवघर, खूंटी, चाईबासा, बोकारो आदि जिले कई शिक्षक प्रतिनिधि शामिल थे.

शिक्षक मोर्चा की मांग : चुनाव आचार संहिता के पूर्व राज्य कर्मियों के समान सभी कोटि के शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ त्वरित देकर राज्य सरकार के द्वारा किए गए वादे को पूरा किया जाय. शिक्षकों समेत सभी राज्यकर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना से आच्छादित किया जाय. छठे वेतन आयोग के अनुशंसा के अनुरूप उत्क्रमित वेतनमान का तय कर शिक्षकों के साथ न्याय हो. शिक्षकों की सेवानिवृति उम्र 60 वर्ष से 62 वर्ष कर विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर किया जाए.

क्लासिफाइड

SURYA NURSING COLLEGE
Affiliated by J.N.R.C. Ranchi & INC New Delhi
नर्सिंग सेक्टर में कैरियर बनाएं
ADMISSION OPEN
GNM ANM
SCHOLARSHIP FACILITY AVAILABLE
HOSTEL FOR GIRLS
CHAKRADHARPUR, W. SINGHBHUM, JH.
7004337155
9204381636

Hotel Rahul Palace
Family Restaurant
delicious dishes
Fooding & Ladging
Marriage And Party
Anniversary/Birthday Party
A/C Hall/A/C Room Classic
Home Delivery Facility
Veg
Non Veg
Contact No.
7667870045, 7209893445
NH-32, CHANDIL BAZAR

Aaither Infrastructure Pvt. Ltd.
Prop. Sharad Thakur
Harish Pandey path
Anand vihar colony
Main Road Dimna
Jamshedpur, Jharkhand - 831018

MAHAMAYA SWEETS
महामाया स्वीट्स
SHERE PUNJAB CHOWK, ADITYAPUR
शादी ब्याह, विश्वकर्मा पूजा, दुर्गा पूजा, दीपावली एवं अन्य तीज त्योहारों पर शुद्ध और स्वादिष्ट मिठाइयों के लिए पधारें।
तरूण घोष

Yashvi
RESTRO-BAR
YASHVI
RESTRO-BAR
यशवी बार एंड रेस्टोरेंट
अपोजिट गंगौर स्वीट्स कालीमाटी रोड
नियर बाय सागर होटल

MANOJ KUMAR DINESH KUMAR ENTERPRISES
Parsudih Market Near HDFC Bank
Mob. : 9234585332, 9263956400
GSTIN : 20AZCPK8472B1ZS
DISTRIBUTOR : CHAIR- NATIONAL (MUMBAI)
ALMIRAH-DIAMOND AND MODI
ADDRESS : MAIN ROAD GAINTADIH, KARANDIH, TATA NAGAR, NEAR WASHING CENTRE

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, गुरुवार 19 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 161 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	23.2	20.7
जमशेदपुर	26.1	22.6
डालटनगंज	26.6	23.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

भारत-बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट आज से › पेज 10

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,100
चांदी (किलो)	90,000

ब्रीफ खबरें

लाभार्थियों से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर थे. यहां उन्होंने कई हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया. इस दौरान मोदी केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के लाभार्थियों से मिले. उन्होंने इस योजना के बारे में उनकी राय जानी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट 'एक्स' पर लाभार्थियों से मिलने हुए एक वीडियो भी पोस्ट किया.

सेवा के लिए काम पर लौटें चिकित्सक : बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद चिकित्सकों की हड़ताल जारी है. तृणमूल कांग्रेस के सांसद और महासचिव अभिषेक बनर्जी ने धरना दे रहे चिकित्सकों से हड़ताल वापस लेने की अपील की है. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए चिकित्सकों से कहा कि सरकार ने हड़ताली चिकित्सकों की मांगें मान ली है, इसलिए उन्हें हड़ताल वापस लेने पर विचार करना चाहिए.

आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा : अठावले

पालघर। आरपीआई-ए के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने आरक्षण के मुद्दे पर राहुल गांधी अमेरिका में बीते दिनों दिये गये बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, अगर राहुल गांधी आरक्षण खत्म करने की बात कर रहे हैं, तो उनकी पार्टी खत्म हो जाएगी, लेकिन आरक्षण खत्म नहीं होगा. अगर राहुल गांधी आरक्षण खत्म करने की बात कर रहे हैं, तो उन्हें पता होना चाहिए कि हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे.

सरकारी सुविधाएं छोड़ेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल घर और गाड़ी समेत सारी सरकारी सुविधाएं छोड़ेंगे. आप सांसद संजय सिंह ने ये जानकारी दी है. उन्होंने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि केजरीवाल एक हफ्ते में घर खाली करेंगे. संजय ने यह भी कहा कि केजरीवाल की सुरक्षा को खतरा है. केजरीवाल पर कई हमले हो चुके हैं, ऐसे में दिल्ली की जनता को केजरीवाल की सुरक्षा की चिंता है. - पेज 12 भी देखें.

मोदी 3.0 में सेंसेक्स का 8% से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है. नई सरकार बनने के पहले 100 दिन में सेंसेक्स 6,300 अंक या 8.2 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है. लार्जकैप के साथ स्मॉलकैप में भी तेजी देखने को मिली है. इस दौरान बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 18 प्रतिशत का रिटर्न दिया है. समीक्षा अवधि में बीएसई आईटी और बीएसई हेल्थकेयर इंडेक्स ने 22-22 प्रतिशत का रिटर्न दिया है.

लेबनान में हजारों पेजर ब्लास्ट, 11 की मौत

लेबनान। लेबनान में हजारों पेजर ब्लास्ट होने से 11 लोग मारे गए. 4000 से ज्यादा जख्मी बताए जा रहे हैं. लेबनान को इस हमले के पीछे इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद का हाथ होने का शक है. पेजरों में धमाके मंगलवार की दोपहर को शुरू हुए. एक ही वक्त में पूरे लेबनान में हिजबुल्लाह वालों के पास जो पेजर थे, उनमें जोरदार धमाका हुआ. हालांकि इजरायल की ओर से इन पेजर विस्फोटों पर अब तक कुछ कहा नहीं गया है.

कोविंद कमेटी रिपोर्ट शीतकालीन सत्र में संसद में बिल पेश करेगी केंद्र सरकार

'वन नेशन, वन इलेक्शन' को मोदी कैबिनेट की मुहर

- कोविंद कमेटी ने मार्च महीने में राष्ट्रपति को सौंपी थी रिपोर्ट
- 32 दलों का समर्थन, 15 विरोध में, 15 ने जवाब ही नहीं दिया

1967 तक एक साथ होते थे लोस और विस चुनाव

लगातार न्यूज नेटवर्क। नई दिल्ली

'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव पर मोदी कैबिनेट ने मुहर लगा दी है. केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में बिल लाएगी. 'एक देश एक चुनाव' की संभावनाओं पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली कमेटी मार्च महीने में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी. इस रिपोर्ट में दिए गए सुझाव के मुताबिक, पहले कदम में लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने चाहिए.

कमेटी की ओर से इन सिफारिशों को लागू करने के लिए एक अलग समूह के गठन का भी सुझाव दिया गया है. इससे संसाधनों की बचत होगी और चुनावों की जटिल प्रक्रिया को भी आसान किया जा सकेगा. बुधवार को मोदी कैबिनेट की बैठक में कोविंद कमेटी रिपोर्ट पर चर्चा के बाद सैद्धांतिक तौर पर मंजूरी दे दी गई. बता दें कि मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लेकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया था. इस कमेटी की जिम्मेदारी थी कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की संभावनाओं पर रिपोर्ट दे.

'वन नेशन वन इलेक्टशन' की वकालत करते रहे हैं मोदी : प्रधानमंत्री मोदी लंबे समय से 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की वकालत करते आए हैं. स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी ने कहा था कि मैं सभी से 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के संकल्प को हासिल करने के लिए एक साथ आने का अनुरोध करता हूं. बार-बार आने वाले चुनाव देश के विकास में रुकावट उत्पन्न करते हैं. पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है. इस कार्यकाल में ही 'एक देश, एक चुनाव' लागू होगा.

जदयू और लोजपा (आर) ने समर्थन में भरी है हामी, टीडीपी की चुप्पी

केंद्र की एनडीए सरकार में सहयोगी जेडीयू और एलजेपी (आर) तो 'एक देश, एक चुनाव' के समर्थन में हामी भरी है, जबकि टीडीपी नेकोई जवाब नहीं दिया है. जेडीयू और एलजेपी (आर) का मानना है कि 'एक देश, एक चुनाव' से समय और पैसे की बचत होगी. वहीं कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, सीपीएम और बसपा समेत 15 पार्टियों ने इसका विरोध किया है. वहीं झामुमो, टीडीपी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग समेत 15 पार्टियों ने कोई जवाब नहीं दिया है.

17 सिंतबर को ही 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के मिल गए थे संकेत

रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली कमेटी ने मार्च महीने में सरकार को 18,626 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी थी. कैबिनेट की ओर से एक दिन पहले यानी 17 सितंबर को ही इसे लागू करने के संकेत मिल गये थे. गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को मोदी 3.0 सरकार के कार्यकाल के दौरान अगले पांच वर्षों के भीतर लागू किया जाएगा. शाह ने कहा था कि सरकार अपने इस कार्यकाल में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लागू करने की योजना बना रही है.

कोविंद कमेटी की सिफारिशें

- पहले चरण में लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हो.
- दूसरे चरण में आम चुनाव होने के 100 दिनों के भीतर ही स्थानीय निकाय चुनाव हो.
- देशभर में सभी चुनावों के लिए एक मतदाता सूची और एक मतदाता पहचान पत्र हो.

बिल पास होने के बाद भी इन प्रावधानों के लिए आधे राज्यों की मंजूरी जरूरी

यदि संसद के निचले और उच्च सदन यानी लोकसभा और राज्यसभा से 'वन नेशन, वन इलेक्शन' वाले बिल को मंजूरी मिल जाती है, तो फिर देश भर में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जा सकेंगे. वहीं कॉमन मतदाता सूची और एक मतदाता पहचान पत्र के लिए देश के आधे राज्यों की विधानसभाओं से प्रस्ताव भी पारित कराना होगा. इस मामले में जल्दी ही विधि आयोग की ओर से भी एक रिपोर्ट सौंपी जा सकती है.

'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लागू करने की राह इतनी आसान भी नहीं

'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर केंद्र सरकार को संविधान में संशोधन करने पड़ेंगे. इसके लिए इसे संसद में बिल के तौर पर पेश करना होगा. इसके बाद केंद्र सरकार को लोकसभा और राज्यसभा से इसे पास कराना होगा. संसद से पास होने के बाद इस बिल को 15 राज्यों की विधानसभा से भी पास कराना होगा. ये सब होने के बाद ही राष्ट्रपति इस बिल पर मुहर लगाएंगे, तब जाकर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' देशभर में लागू किया जा सकेगा.

लोस और विस चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव

कोविंद कमेटी ने सिफारिश की है कि लोकसभा और राज्यों में विधानसभा चुनाव एक साथ संपन्न होने के 100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव भी हो जाने चाहिए. इससे पूरे देश में एक निश्चित समयावधि में सभी स्तर के चुनाव संपन्न हो जाएंगे. कोविंद कमेटी ने 62 राजनीतिक पार्टियों से संपर्क किया था. इनमें से 32 ने 'एक देश, एक चुनाव' का समर्थन किया था, जबकि, 15 पार्टियां विरोध में थीं. वहीं, 15 पार्टियों ने कोई जवाब नहीं दिया था.

राजनीतिक प्रतिक्रिया

'वन नेशन, वन इलेक्शन' अहम कदम है. समिति की सिफारिशें मंजूर, इससे लोकतंत्र में सहभागिता बढ़ेगी
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री.

'वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रैक्टिकल नहीं है. ये सिर्फ इश्यू को डाइवर्ट करने के लिए है.
- मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष.

भाजपावाले चाहते हैं, देश हो या राज्य, एक ही दल राज करे : हेमंत

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिलने पर कटाक्ष किया. उन्होंने कहा कि ये लोग चाहते हैं कि देश हो या राज्य, एक ही दल राज करे. दूसरी कोई सरकार ही न रहे. इनकी मानसिकता केवल और केवल सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की और समांती विचारधारा वाली है. आप तैयार रहिएगा, एक तरफ पूंजीपतियों की यह जमात, तो दूसरी ओर गरीब, आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यकों की जमात. सीएम ने कहा कि ये लोग राज्य में गिद्ध की तरह मंडरा रहे हैं. इनके पास विकास को लेकर बात करने को कुछ नहीं है. इन लोगों ने रेल बेच दिया, स्टेशन बेच दिया, हवाई जहाज बेच दिया, एयरपोर्ट बेच दिया. जो प्लेटफॉर्म टिकट दो रुपये में मिलता था, उसकी कीमत 50 रुपये हो गई.

आज रांची आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

प्रमुख संवाददाता। रांची

- आईसीएआर के 100 साल पूरे होने पर कार्यक्रम में होंगी शामिल
- 'एक पौधा मां के नाम' कार्यक्रम की भी शुरुआत करेंगी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 सितंबर को दो दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचेंगी. यहां वे नामकुम स्थित आईसीएआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी एग्रीकल्चर) के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगी. साथ ही वहां 'एक पौधा मां के नाम' कार्यक्रम की भी शुरुआत करेंगी. कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी रहेंगे. राष्ट्रपति राजभवन में रूकेंगी. वे 20 सितंबर की दोपहर 12.30 बजे दिल्ली के रवाना होंगी.

ऐसा है राष्ट्रपति का कार्यक्रम : 19 सितंबर को शाम सात बजे राष्ट्रपति रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगी. एयरपोर्ट से वे सीधे राजभवन जाएंगी. 20 सितंबर की सुबह 10 बजे आईसीएआर के कार्यक्रम में शामिल होंगी. दोपहर 12:30 बजे कार्यक्रम स्थल से निकल कर रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगी और दिल्ली के लिए रवाना होंगी.

जीएसटी

लाया गया टैक्स चोरी रोकने के लिए, पर चोरी बढ़ती जा रही

जीएसटी को लेकर इसके इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट ने बड़ा खुलासा किया है. वित्तीय वर्ष 2023-24 में जीएसटी चोरी का आंकड़ा दो लाख करोड़ तक पहुंच गया है. चोरी का यह आंकड़ा इसके पहले की साल से दोगुणी तो है. इतना ही नहीं पिछले वित्त वर्ष में प्रतिमाह औसत 1.68 लाख करोड़ की टैक्स वसूली से 32 लाख करोड़ अधिक. यानी एक माह में सरकार जितनी जीएसटी वसूलती है, उससे अधिक साल भर में चोरी हो जा रही है. चोरी की राशि उतनी ही है जितने खर्च कर केंद्र सरकार 80 करोड़ गरीबों को पांच किलो अनाज उपलब्ध कराती है.

टिप्पणी सुरजीत सिंह

हम सबको याद है, जब एक जुलाई 2017 में जीएसटी को लाया गया था, तब हमें क्या बताया गया था. टैक्स चोरी पर रोक लगाने के लिए ऐतिहासिक कदम. अखबारों में लेख छपे- पाटलिपुत्र काल से भी बेहतरीन टैक्स व्यवस्था. एक ऐसी व्यवस्था, जिसमें एक हजार से अधिक संशोधन हो चुके हैं, जिसमें टैक्स चोरी की संख्या बढ़ती जा रही है, जिसने छोटे व्यापारियों को मुश्किल में डाल रखा है, उसकी तारीफ में ना जाने क्या-क्या बताया गया.

जीएसटी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट से पता चला है कि टैक्स चोरी करने वालों में सब शामिल हैं. सरकारी कंपनियां, बीमा कंपनियां, आईटी कंपनियां, स्टील कंपनियां, सिगरेट, बीड़ी, पान मसाला, कपड़ा, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, यानी सब तरह की कंपनियां. यहां तक कि वित्तीय कंपनियां भी टैक्स चोरी में लगा हुआ है. और सरकार का जीएसटी विभाग, तीसरी आंख, टॉल प्लाजा, सतर्कता के लिए बने विंग समेत अन्य संस्थाएं कुछ खास नहीं कर पा रही हैं.

कहने को हम डिजिटल इंडिया पर गर्व कर रहे हैं और कह रहे हैं जीएसटी पूरी तरह ऑनलाईन है. ठीक है, पर यहां तो ऑनलाईन गेम का खेल कराने वाली कंपनी हजारों करोड़ का टैक्स चुरा ले रहा है. आम लोगों के आधार नंबर और पैन नंबर का इस्तेमाल करके कागज पर कंपनियां बना ली जा रही है. इन कंपनियों के जरिये फर्जी बिल जारी कर इनपुट क्रेडिट के जरिये टैक्स चुराने का खेल मजे से चल रहा है. कुल मिलाकर जीएसटी व्यवस्था लाया तो गया था टैक्स चोरी रोकने के लिए लेकिन इसमें चोरी बढ़ती ही जा रही है. यह अलग बात है आम लोगों को पहले से ज्यादा टैक्स चुकाने पड़ रहे हैं.

झारखंड हाईकोर्ट ने महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध पर चिंता जताई, कहा

रोक लगे, नहीं तो प्रशासनिक नाकामी मानी जाएगी

विधि संवाददाता। रांची

राज्य में महिलाओं और स्कूली बच्चों समेत नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने के लिए दायर जनहित याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान गृह सचिव, नगर विकास विभाग के सचिव, महिला बाल विकास सचिव, रांची के डीसी, रांची नगर निगम के नगर आयुक्त और रांची एसएसपी कोर्ट में सशरीर उपस्थित रहे. एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद एवं जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए महिलाओं की सुरक्षा के प्रति चिंता जाहिर की. राज्य सरकार को इस दिशा में सख्त और कारगर कदम उठाने का निर्देश दिया. हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि रांची में महिलाओं के साथ अपराध और चेन छिनतई की घटनाएं बढ़ी हैं और इसपर रोक नहीं लग पा रही है. यह चिंता का विषय है. अगर इन पर रोक नहीं लगती है, तो यह जिला एवं पुलिस प्रशासन की नाकामी मानी जाएगी. अदालत ने स्कूल बसों में बच्चों के साथ, महिला शिक्षकों की ड्यूटी लगाने या महिला कंडक्टर की तैनाती करने का सुझाव भी दिया.

सभी स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक करेंगे : गृह सचिव

गृह सचिव ने अदालत को बताया कि स्कूली बच्चे सुरक्षित घर पहुंचें, इसके लिए वह सभी स्कूलों के प्रबंधन के साथ बैठक करेंगे. राज्य सरकार की ओर से सुझाव पेश करने के लिए समय देने की मांग की गयी, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने 30 सितंबर तक शपथ पत्र के माध्यम से सुझाव की जानकारी मांगी है. साथ ही सरकार को निर्देश दिया है कि हेल्पलाइन नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए.

जम्मू-कश्मीर : 24 सीटों पर 58.97% वोट

एजेंसी। जम्मू कश्मीर

विधानसभा चुनाव

अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं. पहले चरण में बुधवार को सात जिलों की 24 सीटों पर वोटिंग हुई. चुनाव आयोग द्वारा शाम पांच बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक, करीब 59 फीसदी (58.97%) वोटिंग हुई थी.

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वोटिंग संपन्न : इससे पहले राज्य की 24 विधानसभा सीटों पर सुबह सात बजे से वोटिंग शुरू हुई. इसमें कश्मीर की 16 और जम्मू की 8 सीटें शामिल हैं. वहीं, मतदान के लिए सुरक्षाबलों और एजेंसियों ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी. साथ ही चुनाव आयोग ने विस्थापित कश्मीरी पंडितों के लिए भी विशेष व्यवस्था की थी. दिल्ली, जम्मू और उधमपुर में विस्थापित कश्मीरी पंडितों के लिए विशेष मतदान केंद्र बनाए गए थे. इनमें दिल्ली में 4, जम्मू में 19 और उधमपुर में एक विशेष मतदान केंद्र बनाया गया था.

13 पार्टियों में मुकाबला : जम्मू-कश्मीर में कुल तीन चरणों में वोटिंग होनी है. पहले चरण की वोटिंग बुधवार को संपन्न हो गई. वहीं दूसरे चरण में 25 सितंबर को और तीसरे चरण में एक अक्टूबर को वोटिंग होगी. इन सभी चरणों के नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे. 90 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 13 मुख्य दलों में मुकाबला हो रहा है. क्षेत्रीय पार्टियों में पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस इस चुनाव में प्रमुखता से मैदान में है.

गडकरी का जवाब सरकार को टोल कलेक्शन के पहले और बाद में कई तरह के खर्च उठाने पड़ते हैं

हाईवे में 1900 करोड़ खर्च, टोल प्लाजा ने 8000 करोड़ वसूले

एजेंसी। नई दिल्ली

राजस्थान में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर एक टोल प्लाजा में लगभग आठ हजार करोड़ रुपये जुटा लिये गये हैं. जबकि, हाईवे बनाने में 1900 करोड़ रुपये का खर्च आया था. हाल ही में एक आरटीआई को लेकर चर्चा में यह बात सामने आयी थी, जब एक न्यूज चैनल ने जब ये सवाल केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से पूछा. गडकरी से पूछा गया कि सड़क बनाने में 1900 करोड़ रुपये लगे और टोल टैक्स के रूप में आठ हजार करोड़ रुपये क्यों वसूले गये? इस पर गडकरी का जवाब था कि टैक्स एक दिन में नहीं वसूला जाता है.

मार्च 2025 तक तीन लाख करोड़ के प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य

- दिल्ली-जयपुर हाईवे पर एक टोल प्लाजा में वसूली
- 2009 में यूपीए सरकार ने सड़क आवंटित की थी

टोल कलेक्शन के पहले और बाद में कई तरह के खर्च उठाने पड़ते हैं : केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री ने बताया कि सरकार को टोल कलेक्शन के पहले और बाद में कई तरह के खर्च उठाने पड़ते हैं. इस क्रम में उन्होंने बैंक लोन पर घर खरीदे जाने का उदाहरण दिया. रिपोर्ट के अनुसार, गडकरी ने कहा कि अगर आप कार या घर कैश में खरीदते हैं, तो इसकी कीमत 2.5 लाख रुपये होगी. अगर आप इन चीजों को 10 साल के लोन पर लेते हैं, तो इसकी कीमत 5.5 लाख से छह लाख रुपये तक हो जाती है. हर महीने ब्याज देना पड़ता है.

ठेकेदार भाग गये थे, बैंकों ने केस कर दिया था : नेशनल हाईवे-8 पर ज्यादा टोल लेने के संदर्भ में गडकरी ने बताया कि 2009 में यूपीए सरकार द्वारा सड़क आवंटित की गई थी. इस प्रोजेक्ट में 9 बैंक शामिल किये गये थे. इस सड़क को बनाने में भारी परेशानियां हुईं. उन्होंने कहा कि इसके ठेकेदार भाग गये थे. यहां तक कि बैंकों ने कोर्ट में केस कर दिया था. दिल्ली हाईकोर्ट ने स्टे ऑर्डर जारी कर दिया. बाद में हमने इस रोड पर नया डीपीआर तैयार किया.

सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण था : नितिन गडकरी के अनुसार सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण था. हम कोशिश कर रहे थे कि अगर हमें सिक्स लेन की सड़क बनानी है, तो अतिक्रमण को हटाना होगा. उन्होंने जानकारी दी कि मोदी सरकार के शुरुआती 100 दिनों में कैबिनेट ने आठ सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है. विभाग का मार्च 2025 तक तीन लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य है.

राहुल गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामला

रवनीत सिंह बिट्टू समेत चार नेताओं के खिलाफ शिकायत

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने के आरोप में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू समेत भाजपा और शिवसेना के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. जिन नेताओं के खिलाफ शिकायत दी गयी है, उनमें बिट्टू के अलावा भाजपा नेता तरविंदर मारवाह, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री रघुराज सिंह तथा शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ का नाम शामिल है. कांग्रेस के कोषाध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय अजय माकन ने बुधवार को चारों नेताओं के खिलाफ दिल्ली के तुगलक रोड थाने में शिकायत कर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है.

बिट्टू और भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन : भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ दिये गये बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. दिल्ली में बैरिकेड्स पर खड़े होकर नारे लगाये. इसके बाद प्रदर्शनकारी युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया. कांग्रेस दिल्ली प्रमुख देवेंद्र यादव ने कहा, हम राहुल गांधी के दिखाए हुए रास्ते पर चलते हुए संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं. हम भाजपा से डरने वाले नहीं हैं. झारखंड की राजधानी रांची में सहित कई राज्यों में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया.

आज और कल रांची शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, शाम पांच बजे से रात 8:30 बजे तक सभी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा

राष्ट्रपति का दौरा : छह आईपीएस सहित दो हजार जवानों की होगी तैनाती

संवाददाता। रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर 19 सितंबर की शाम रांची पहुंचेंगी. इसे लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. छह आईपीएस सहित दो हजार जवानों की तैनाती की गई है. राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर रांची शहर की यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है. 19 सितंबर को रांची में शाम पांच बजे से रात के 8:30 बजे तक आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़ कर सभी बड़ी, छोटी मालवाहक वाहनों, बसों, सवारी वाहनों का प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा.

19 और 20 सितंबर को ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव

19 सितंबर को काठीटांड की ओर जाने वाले सभी वाहन शहर से कांके की ओर से रिंग रोड होते हुए गंतव्य स्थान तक जा सकते हैं.

19 सितंबर को एचईसी गेट से लेकर अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉट लिप्स चौक तक के मार्ग का उपयोग शाम पांच बजे से रात 8:30 बजे तक कम से कम करने का निर्देश.

आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को कम समय के लिए डायवर्ट व रोका जा सकता है

20 सितंबर को रांची शहर में सुबह आठ बजे से दोपहर 12:30 बजे तक सभी बड़ी, छोटी मालवाहक वाहनों, बसों, सवारी वाहनों का प्रवेश, परिचालन वर्जित रहेगा.

20 सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़ कर अरगोड़ा चौक से कडरू पुल और कडरू पुल से मेकॉन चौक तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा..

20 सितंबर को दुर्गा सोरेन चौक से लेकर रामपुर चौक रिंग रोड तक बड़ी वाहनों, बसों ,सवारी वाहनों का प्रवेश,परिचालन वर्जित रहेगा. कार्यक्रम में भाग लेने वाले वाहनों और आकस्मिक वाहनों को छोड़ कर.

20 सितंबर को सुबह 10:00 बजे से दिन के तीन बजे तक नामकुम चौक, सदाबहार चौक, घाघरा रोड होते हुए जैप- 01 कमांडेंट आवास चौक तक सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश, परिचालन वर्जित रहेगा. आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़ कर.

20 सितंबर को जमशेदपुर और बुंडू की ओर से आने वाले सभी वाहन रिंग रोड से दाहिने लेकर टाटीसिल्वे होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे. साथ ही रांची शहर से जमशेदपुर की ओर जाने वाले सभी वाहन दुर्गा सोरेन चौक से दाहिने लेकर टाटीसिल्वे होते हुए रिंग रोड के रास्ते अपने गंतव्य तक जाएंगे.

तीन लेयर में रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

राष्ट्रपति 20 सितंबर को रांची के नामकुम स्थित इंडियन कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च के कार्यक्रम में शामिल होंगी. राष्ट्रपति का काफिला जिस मार्ग से गुजरेगा, वहां पर तीन लेयर की सुरक्षा रहेगी. राष्ट्रपति की सुरक्षा में छह आईपीएस के अलावा 10 डीएसपी, 25 इंस्पेक्टर, 20 दारोगा, दो हजार से अधिक अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है. साथ ही सुरक्षा में बम निरोधक दस्ता, जैप, आईआरबी, रैफ और जगुआर की टीम को भी तैनात किया गया. कार्यक्रम स्थल के आसपास अवैध पार्किंग वर्जित रहेगा. कार्यक्रम स्थल में सिर्फ पास युक्त लोगों को ही प्रवेश करने दिया जाएगा.

रांची के कई इलाके नो-फ्लाई जोन घोषित

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए रांची के कई ईलाकों को नो-फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है. रांची एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है. राजभवन, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची और नामकुम स्थित कार्यक्रम स्थल के आस-पास के क्षेत्रों में ड्रोन, हॉट बैलून पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगे. 19 सितंबर को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हिनू चौक,बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक से राजभवन तक और 20 सितंबर को राजभवन से अरगोड़ा चौक से कडरू होते हुए राजेंद्र चौक से सदाबहार चौक के बाद आईसीएआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी एग्रीकल्चर के 200 मीटर की परिधि को नो -फ्लाई जोन घोषित किया गया है. निषेधाज्ञा 19 और 20 सितंबर की सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक के लिए लागू रहेगी.

शहर में आज

1. पांच दिवसीय हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा का उर्स शुरू, डोरंडा मजार परिसर में दिन के 10 बजे.
2. प्रदेश कांग्रेस की बैठक, कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे.

ब्रीफ खबरें

नकद के साथ गिरफ्तार आरोपी को जमानत नहीं

रांची। एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने पटना जंक्शन पर 50 लाख नकद के साथ गिरफ्तार पतरातू के ठाकुर टोला निवासी बजरंग कुमार ठाकुर की जमानत याचिका बुधवार को खारिज कर दी है. आरोपी बजरंग को पटना जंक्शन पर आरपीएफ ने 12 अगस्त को गिरफ्तार किया था. एटीएस ने उसे 17 अगस्त को रिमांड लिया था. तब से वह जेल में है. जब्त राशि पांडे गैंग के सदस्यों के जरिये झारखंड राज्य के विभिन्न कोयला व्यापारियों और ठेकेदारों से जबरन वसूली की बतायी गयी थी. वसूली गई राशि को आरोपी पवन कुमार ठाकुर के साथ मिलकर एक व्यक्ति को देने जा रहा था.

मंत्री, एमपी-विधायकों ने संभाला मोर्चा

रांची। झामुमो की जिला स्तरीय बैठक जिला अध्यक्ष डॉ शुभेंदु महतो के अध्यक्षता में सरायकेला टाउन हॉल में बुधवार को संपन्न हुई. बैठक में मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री रामदास सोरेन, सांसद जोबा मांझी, विधायक दशरथ गागराई, सविता महतो, महासचिव विनोद पांडे समेत कई वरीय पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए. बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बंद कमरे में गुरु मंत्र दिए गए. लगभग एक घंटे तक बैठक चलने के पश्चात झामुमो महासचिव विनोद पांडे ने कहा कि इस बैठक में पंचायत प्रखंड नगर के अलावे केंद्रीय समिति सदस्यों को आमंत्रित किया गया है.

नियुक्ति पत्र बांटने के खिलाफ होगा आंदोलन

रांची। झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत राज्य कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को पुरानी विधायक क्लब में बैठक हुई. कृष्णा दयालसिंह की अध्यक्षता वाली बैठक में कहा गया कि रामगढ़ जिला में नियुक्ति पत्र बांटने के खिलाफ और पूरे राज्य में चौकीदार बहाली के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है. 23 सितंबर को झारखंड राज्य वफादार चौकीदार पंचायत के बैनर तले राज भवन के समक्ष फिर से आंदोलन शुरू किया जाएगा.

झामुमो ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का विरोध किया, भाजपा ने सराहा

अधिनायकवाद की ओर बढ़ रहा है देश : सुप्रियो भट्टाचार्य

विशेष संवाददाता। रांची

परंपरागत और आदिवासी परंपरा पर कुठाराघात

सुप्रियो ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं लोकसभा से लेकर ग्राम पंचायत हैं. लगभग 25 लाख जनप्रतिनिधि चुन कर आते हैं. उनके अधिकारों पर कुठाराघात है. झारखंड में परंपरागत शासन व्यवस्था, आदिवासी परंपरा पर कुठाराघात है. यह असंभव और अतार्किक है. संविधान में सरकार की व्यवस्थाएं वर्णित हैं. कि जिनको बहुमत मिलेगा, उनकी सरकार बनेगी. एक विपक्ष भी होगा, जो समय-समय पर सरकार की आलोचना करेगा. विपक्ष को समाप्त करने की योजना है. भाजपा निर्वाचित सरकारों को गिराती है, तोड़ती है. दलों को तोड़ती है. खरीद-फरोख्त और प्रलोभन देकर, डराकर अपने तरफ ले जाती है. मनुवादी, एकात्म मानवतावाद वाले लोग गांधी के देश को बर्बाद करने पर तुले हैं.

झामुमो ने मोदी कैबिनेट द्वारा पारित प्रस्ताव वन नेशन, वन इलेक्शन का विरोध किया है. कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी देश को अधिनायकवाद की ले जाना चाहते हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. भाजपा की मंशा तो संविधान बदलने तक की है. ये बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने बुधवार को पार्टी ऑफिस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही.

विधानसभा चुनाव में मिलेगा जवाब : उन्होंने कहा कि भाजपा को कोई नहीं बचा सकता. आज के फैसले ने तय कर दिया है कि इस देश का अगला स्वरूप क्या होने जा रहा है. देश विविधताओं से भरा है. हर राज्य का अपना-अपना पर्व होता है. राज्य के पर्वों में भी अंतर है. परीक्षाएं चलती हैं. नौकरियों की प्रक्रिया चलती हैं. न त्योहार मना पाएंगे और न परीक्षाएं देने देंगे. यह किसने कह दिया कि एक साथ वोटिंग होगी, तो प्रतिशत बढ़ जाएगा. राज्य की आकांक्षाएं और मुद्दे अलग हैं और केंद्र के मुद्दे अलग होते हैं. दोनों को एक साथ नहीं मिला सकते. विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देंगे. जिस आग को लेकर भाजपा चल रही है, वह उन्हीं को जला कर राख करेगी.

वन नेशन वन इलेक्शन का निर्णय ऐतिहासिक और दूरदर्शी : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव स्वीकृत किए जाने पर खुशी व्यक्त की है. कहा कि यह निर्णय ऐतिहासिक और दूरदर्शी सोच का परिचायक है. पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति ने जो सुझाव दिए, उसकी स्वीकृति मोदी मंत्रिमंडल में आज मिली है. यह निर्णय भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश की चुनाव प्रणाली को मजबूती प्रदान करेगा. देश में बहुमूल्य संसाधनों की बचत होगी.साथ ही विकास योजनाएं सुचारू ढंग से गतिशील बनी रहेंगी. मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आभार प्रकट किया है.

पीएम मोदी जो कहते हैं वह डेफिनेटली करते हैं : प्रतुल

- वन नेशन वन इलेक्शन चुनाव सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन भारतीय जनता पार्टी के एजेंडा में भी था. अब केंद्रीय सरकार ने इसके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. प्रतुल ने कहा वन नेशन वन इलेक्शन होने से भारी पैमाने पर समय और संसाधन की बचत होगी और विकास कार्य भी तेज होगा. पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में बनी कमेटी ने हजारों पन्ने की अपनी रिपोर्ट मार्च में ही केंद्र सरकार को सौंप दी थी. इस मुद्दे पर पूरे देश में संबंधित लोगों से समिति ने व्यापक चर्चा की गई थी. यह सत्य है कि हर समय देश में किसी न किसी राज्य में या किसी क्षेत्र में चुनाव होते रहता है. आदर्श आचार संहिता लग जाने के कारण विकास कार्य बाधित रहता है. वन नेशन वन इलेक्शन से इस समस्या का निदान हो जाएगा. वन नेशन वन इलेक्शन चुनाव की सुधार प्रक्रिया में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम साबित होगा. संभव है आने वाले सत्र में सदन में कोविंद कमिटी की रिपोर्ट को पेश करके चर्चा कराए जाने की संभावना है. यह मोदी सरकार है जो कहती है, वह वो डेफिनेटली करती है.

कांग्रेस ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव का विरोध किया

कोविंद कमेटी की रिपोर्ट संदिग्ध : कमलेश

रांची। झामुमो के बाद कांग्रेस ने भी 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव का विरोध किया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' भाजपा का चुनावी मुद्दा है. लोगों का ध्यान भटकाने के लिए यह चुनावी मुद्दा है. कोविंद कमेटी की रिपोर्ट रिपोर्ट, सिंह और मिश्रा के पेपर के दावे, पूरे तरह से संदिग्ध हैं. उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने पर देश की जीडीपी में वृद्धि होगी, सरकारी खर्च की गुणवत्ता बढ़ेगी, अपराध कम होंगे, शैक्षणिक परिणाम बेहतर होंगे, ये सारे दावे संदिग्ध हैं. क्योंकि यह केवल छह राज्य कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हरियाणा, झारखंड और ओडिशा के अध्ययन पर आधारित हैं.

जीडीपी वृद्धि को प्रभावित करने का दावा गलत : कमलेश ने कहा कि सिंह और मिश्रा के पेपर का दावा है कि विभिन्न चुनावों के बाद आर्थिक विकास दर में अंतर राज्य की जीडीपी वृद्धि को प्रभावित करता है. लेकिन यह तर्कसंगत नहीं है, क्योंकि कई कारक जीडीपी वृद्धि को प्रभावित करते हैं. लेखक सिंह और मिश्रा खुद कहते हैं कि उनके निष्कर्ष अन्य राज्यों या अवधि पर लागू नहीं हो सकते, इसलिए इन अस्थायी निष्कर्षों पर नीति बनाना अनुचित है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने हमारा देश में पंचायती राज है. मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद, पार्षद, सभी का चुनाव एक साथ कराना संभव नहीं है. उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस की यही मानसिकता रही है कि किसी भी तरह से संविधान एवं आरक्षण को खत्म कर दें.

सीएम के खिलाफ शिकायत पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

विधि संवाददाता। रांची

खान विभाग के मंत्री रहते सीएम हेमंत सोरेन द्वारा अपने रिश्तेदारों को औद्योगिक क्षेत्र में जमीन उपलब्ध कराने के मामले में हाईकोर्ट ने सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है. अदालत ने सरकार से यह बताने को कहा है कि प्रार्थी सुनील महतो के प्राथमिकी दर्ज करने के लिए दिये गये आवेदन पर क्या कार्रवाई की गयी है? प्रार्थी ने एसीबी में हेमंत सोरेन पर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है. प्रार्थी ने याचिका में कहा है कि हेमंत सोरेन ने लीज आवंटन में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन व साली सरला मुर्मू को जियाडा के इंडस्ट्रियल एरिया चान्हो में 11 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई, जिसके खिलाफ हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन एवं उनकी साली सरला मुर्मू के खिलाफ मैंने एसीबी में ऑनलाइन और ऑफलाइन शिकायत दर्ज करवाई. लेकिन वहां अब तक इनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है.

दुमका : एनएचएम के अनुबंधकर्मियों के ईपीएफ का पैसा नहीं हुआ जमा, आक्रोश

संवाददाता। रांची

एक ओर जहां ईपीएफ कर्मियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिये कर्मियों के मानदेय से विभाग द्वारा राशि की कटौती कर कर्मी के ईपीएफ पासबुक में जमा की जाती है, वहीं दुमका जिले के स्वास्थ्य विभाग अंतरर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में कार्यरत अनुबंध कर्मियों का लगभग 32 से 42 माह का ईपीएफ अंशदान रकम जमा नहीं हुआ है, जबकि राशि कर्मियों के मानदेय से काट ली गई है. यह रकम अनुबंध कर्मियों के मानदेय से प्रत्येक माह दुमका जिले के 10 ब्लॉक के प्रखंड लेखा प्रबंधक द्वारा कटौती कर सिविल सर्जन कार्यालय में जमा किया गया है. अधिकतर यह बकाया वर्ष 2016 से वर्ष 2022 के बीच का है. कर्मचारी बकाया अंशदान के लिये करीब दो वर्ष से सिविल सर्जन कार्यालय, दुमका का चक्कर लगा रहे हैं. सिविल सर्जन डॉ बच्चा सिंह द्वारा कुछ महीने पूर्व इस विषय पर कहा गया था कि एक एएनएम का आधार कार्ड में जन्म तिथि गड़बड़ है, उसका जन्म तिथि सुधरते ही बकाया भेज दिया जायेगा. कुल बकाया कर्मचारी अंशदान लगभग तीन/चार करोड़ के आसपास होगा. प्रखंड स्तर पर मानदेय से प्रत्येक माह प्रखंड लेखा प्रबंधक द्वारा राशि कटौती कर सिविल सर्जन कार्यालय में जमा किया जाता है, जहां से ईपीएफ पासबुक में जमा किया जाता है.

राहुल गांधी पर टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी

अलबर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन करते कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता.

संवाददाता। रांची

केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू व महाराष्ट्र के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा नेता विपक्ष राहुल गांधी पर की गई अमर्यादित टिप्पणी और बयानों के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस में खासा रोष है. प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो के नेतृत्व में मंगलवार को राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू व महाराष्ट्र के विधायक संजय गायकवाड़ के विरोध में प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया. शहर के अल्बर्ट एक्का चौक पर आयोजित प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम से पूर्व रांची महानगर व जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस भवन से रोषपूर्ण मार्च निकाला.

पीएम और गृह मंत्री के इशारे पर राहुल गांधी की छवि खराब की जा रही है : कमलेश : अध्यक्ष केशव महतो ने कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए जिसके परिवार के सदस्यों ने बलिदान दिया है, वैसे व्यक्ति के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी कुंठित मानसिकता से ग्रसित व्यक्ति ही कर सकते हैं. राहुल गांधी की लोकप्रियता से भाजपा नेतृत्व इस कदर कुंठा का शिकार हो गया है कि आतंकवादी बोलने और जीभ काट कर लानेवालों को पूरा प्रश्रय दे रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर राहुल गांधी की नकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जा रही है. संविधान का भक्षण करने की मंशा रखने वाले भाजपा के लोगों को राहुल गांधी द्वारा देश की आबादी के अनुसार जनता को अधिकार देने की मांग करना गले से नहीं उतर रहा है.

कमलेश ने आगे कहा कि राजनीतिक शुचिता को तार-तार करने वाले ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. अगर प्रधानमंत्री में तनिक भी नैतिकता बची है, तो रवनीत बिट्टू को बर्खास्त करके गिरफ्तार किया जाए और महाराष्ट्र के शिवसेना विधायक के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर अविलंब गिरफ्तार किया जाए. कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को राहुल गांधी के समाज के निचले तबके,आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रतिनिधियों से मिलकर उनकी समस्याओं को जानने की कोशिश करना कचोटता है.

राहुल गांधी पर टिप्पणी मामले में कांग्रेस ने कोतवाली थाने में दर्ज कराई शिकायत : राहुल गांधी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करनेवाले दिल्ली के पूर्व विधायक सह भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह, केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय गायकवाड़ के खिलाफ रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ कुमार राजा ने बुधवार को कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है.डॉ कुमार राजा का कहना है कि डॉ कुमार राजा का ये भी कहना है कि राहुल गांधी निरंतर गरीब, दलित पिछड़े, शोषितों-वंचितों सहित हर वर्ग के लोगों के हक व अधिकार के लिए सड़क से संसद तक अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं. उनकी लोकप्रियता से घबरा कर भाजपा के तीनों नेताओं ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर भाजपा के इशारे पर अभद्र एवं अमर्यादित टिप्पणी की है, जिससे पूरा देश गुस्से में है. उनका बयान देश विरोधी है. इसलिए ऐसे लोगों पर कानूनसम्मत कार्रवाई करने की जरूरत है.राहुल गांधी के साथ पूरा देश खड़ा है और हमेशा रहेगा.

देश में तानाशाही चरम पर : डॉ रामेश्वर उरांव

कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि राहुल के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी और धमकी देने से यह साबित हो गया कि तानाशाही इस देश में चरम पर है और जनता के हक की आवाज उठाना गुनाह है. केंद्रीय मंत्री के पद पर बैठे मंत्रियों के बिगड़े बोल से स्पष्ट है कि मोदी जी का अपने मंत्रियों पर कोई नियंत्रण नहीं है. लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्थिति को देखकर और आने वाले विधानसभा चुनाव में निश्चित हार को देखते हुए भाजपा नेता मानसिक संतुलन खो चुके हैं और बयानों व बिगड़े बोल से चर्चा में रहना चाहते हैं. महाराष्ट्र सरकार और भाजपा नेतृत्व को दोनों नेताओं पर अविलंब कार्रवाई करनी चाहिए.

सकारात्मक पहल सीएम के आश्वासन से दूर हुईं दुस्वारियां, एसडीओ ने दी पूजा की अनुमति

पुराने विधानसभा मैदान में धूमधाम से मनेगा दुर्गोत्सव

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आश्वासन से श्रीराम लला पूजा समिति की सारी दुस्वारियां दूर हो गयी हैं. पुराना विधानसभा मैदान, धुर्वा में प्रशासन से अनुमति नहीं लिए जाने के कारण पंडाल निर्माण का कार्य रोक दिया गया था. इसको लेकर मंगलवार को रांची जिला दुर्गा पूजा समिति का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला. उन्हें वस्तु स्थिति की जानकारी दी. साथ ही दुर्गा पूजा आयोजन की अनुमति मांगी. राज्य सरकार और जिला प्रशासन से सहयोग की अपील की. हेमंत सोरेन ने आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन का पूरा सहयोग मिलेगा. जिला प्रशासन और पूजा आयोजन समिति समन्वय बना कर शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में पूजा संपन्न कराना सुनिश्चित करें. कभी-कभी प्रशासन और पूजा समिति के आपसी समन्वय और तालमेल की कमी से समस्याएं उत्पन्न होती हैं. इसका खास ख्याल रखा जाना चाहिए. सीएम ने समिति के सदस्यों से कहा कि दुर्गा पूजा आयोजन के साथ-साथ हम सभी को पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देने चाहिए. आने वाले समय में मिल-जुलकर प्रतिमा विसर्जन की एक ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिससे जलाशयों की स्वच्छता के साथ आस्था की गरिमा भी बची रहे. रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के संवाददाता सम्मेलन में मुख्य संरक्षक मुनचुन राय ने सीएम हेमंत सोरेन का आभार जताया.

सीएम हेमंत सोरेन को मां दुर्गा की प्रतिमा भेंट करते पूजा समिति के सदस्य.

मुख्यमंत्री को भेंट की मां दुर्गा की प्रतिमा

प्रतिनिधिमंडल में शामिल रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने सीएम को मां दुर्गा की प्रतिमा भेंट की. चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया. साथ ही उन्हें सपरिवार दुर्गोत्सव के दौरान पूजा पंडालों के भ्रमण का आमंत्रण दिया. मुख्यमंत्री ने सदस्यों को पूजा की शुभकामनाएं दी. सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य विनोद पांडेय, पूजा समिति के अध्यक्ष विक्की यादव, मुख्य संरक्षक मुनचुन राय, अशोक पुरोहित मनोज पांडे, अशोक चौधरी, आलोक कुमार, राजेश गुप्ता, राजेश ठाकुर, कुंदन सिंह, राजेंद्र सिंह आदि मौके पर मौजूद थे.

संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए पहल करेगी भारत सरकार

हो समाज की भाषा और संस्कृति के संरक्षण के लिए मोदी सरकार संकल्पित: हिमंता

संवाददाता। रांची

असम सरकार के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा ने हो समाज के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. हिमंता ने बताया कि झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम में रहने वाले आदिवासी "हो" समाज के परिवारजनों की कई वर्षों से मांग थी कि "हो" भाषा (वारंग क्षिति लिपि) को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए. इस संदर्भ में, आदिवासी "हो" समाज युवा महासभा और अखिल भारतीय हो भाषा एक्शन कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की.

हिमंता ने बताया कि गृह मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बात सुनी और आश्वासन दिया कि भारत सरकार उनकी इस मांग पर विचार करेगी. मोदी सरकार देश के हर समाज की संस्कृति को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है. झारखंड में 18 लाख, उड़ीसा में 14 लाख, असम में 7 लाख, छत्तीसगढ़ में 50 हजार जबकि अन्य जगहों पर लगभग 1 लाख लोग हो भाषा बोलते हैं.

झारखंड में 'हो' भाषा की पढ़ाई प्राथमिक स्तर से हो

हिमंता ने कहा कि झारखंड राज्य में हो भाषा को प्राथमिक से लेकर विश्व विद्यालय तक पढ़ाई जाती है. कोल्हान, रांची, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में इसकी पढ़ाई होती है. इस भाषा का प्रयोग आदिवासी और गैर आदिवासी दोनों समुदाय के लोग करते हैं. झारखंड में हो भाषा को द्वितीय राजभाषा में शामिल किया गया है. इस भाषा के आधार पर नियुक्ति भी हुई है. हो भाषा के विद्वानों को पद्मश्री सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान
अधिकतम 23.7°
न्यूनतम 21.4°

रांची, गुरुवार 19 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 161

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

... और भव्य होता गया दुर्गोत्सव

राजधानी में साल दर साल बढ़ती गई पूजा समितियों की संख्या

राजन बॉबी। रांची

राजधानी में दुर्गोत्सव की शुरुआत, वैसे तो वर्ष 1839 में हुई थी. रातू किले में मां की प्रतिमा स्थापित कर नेम-निष्ठा से बड़े पैमाने पर पहली बार पूजा की गयी थी. इसके बाद 1882 में जिला स्कूल मैदान में दुर्गोत्सव मनाया गया. फिर वर्ष 1883 से दुर्गाबाड़ी में बंगाली रीति-रिवाज से पूजा की शुरुआत हुई, जो आज भी बदस्तूर जारी है. वर्ष 1965 के बाद से पंडालों की संख्या में इजाफा होने लगा. वर्ष 1975 तक पूरे शहर में सौ से ज्यादा विविध पूजा समितियां बडे-छोटे रूप में पूजा करने लगी.

झारखंड गठन के बाद दुर्गोत्सव का स्वरूप बड़ा हो गया : झारखंड गठन के बाद दुर्गोत्सव का स्वरूप और बड़ा हो गया. कई समितियों के बीच प्रतिमा, पंडाल और लाइटिंग को लेकर प्रतियोगिता शुरू हो गयी. इससे शहर का दुर्गोत्सव और भी अधिक भव्य होता चला गया. वर्तमान समय में हर ओर वृहत रूप में पूजा की जा रही है. अब तो दुर्गा पूजा के दौरान मनोहारी प्रतिमाएं, विभिन्न स्वरूपों को जीवंत करता आकर्षक पंडाल और लाइटिंग से पूरा शहर दमक उठता है. विभिन्न मंदिरों के साथ गली-कूचों से लेकर चौक-चौराहों तक 175 से भी ज्यादा स्थानों पर मां की प्रतिमा स्थापित कर धूमधाम से पूजा की जा रही है. यही कारण है कि आस-पास के जिलों के साथ-साथ बंगाल, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से भी श्रद्धालु पूजा घूमने आते हैं. अष्टमी और नवमी पर तो मानो भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है. विजयदशमी के दिन भी बड़ी संख्या में दर्शनार्थी घूमने और मोरहाबादी मैदान में रावण दहण कार्यक्रम देखने के लिए निकलते हैं.

अब सात दिन रहती है पूजा की धूम

दुर्गोत्सव का उल्लास पहले चार दिन ही रहता था, लेकिन वर्ष 2010 के बाद सात दिन तक पूजा की धूम रहती है. ज्यादातर पंडालों के पट पंचमी तिथि को ही आम भक्तों के लिए खोल दिए जाते हैं. विजयदशमी के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है. इस बार भी कई पूजा पंडालों के पट पंचमी और षष्ठी के दिन ही खोल दिए जाएंगे. मौसम के बदलते मिजाज को ध्यान में रख, तय समय पर काम पूरा करने के लिए कारीगर और शिल्पकार रात-दिन काम में जुटे हैं.

ज्यादातर पूजा समितियां 1965 से 75 के दशक की हैं. इस बीच दर्जनों पूजा समिति गठित की गयी थी, जो आज भी बड़े पैमाने पर पूजा कर रही हैं. राजधानी बनने के बाद विभिन्न मोहल्लो में भी मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जा रही है. - **अशोक पुरोहित, रांची जिला दुर्गा पूजा समिति.**

राजधानी बनने के बाद भले ही गली-मुहल्लों में भी पूजा होने लगी है, लेकिन आज भी बड़े रूप में पूजा करने वाली समितियां पुरानी ही हैं. मोरहाबादी, कोकर, बरियातू, बूटी मोड़, रेलवे स्टेशन, हरमू रोड, कचहरी रोड, पंच मंदिर, बकरी बाजार, मेन रोड आदि की पूजा का वर्तमान में अलग आकर्षण रहता है. डोरंडा और धुर्वा क्षेत्र में भी कमोबेश यही स्थिति है. - **डॉ अजित सहाय**

वर्ष 1965 से अबतक यहां रहती आई है दुर्गा पूजा की धूम

आरआर स्पोर्टिंग क्लब- रातू रोड, सत्य अमर लोक-हरमू रोड, शक्ति स्रोत संघ- गाड़ीखाना, भारतीय युवक संघ- बकरी बाजार, राजस्थान मित्र मंडल-सेवा सदन पथ, यूथ क्लब- महावीर चौक, संग्राम क्लब- कचहरी रोड, बिहार क्लब- कचहरी रोड, कोकर दुर्गा पूजा समिति, चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति- मेन रोड, रेलवे कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति, महावीर मंदिर, थड़पखना, कला संगम, ढिबरी पट्टी, काली मंदिर- रातू रोड, चर्च रोड दुर्गा पूजा समिति, बड़ा तालाब दुर्गा पूजा समिति, गीतांजली क्लब-मोरहाबादी, नवयुवक संघ- नामकुम, अरगोड़ा दुर्गा पूजा समिति, ओसीसी क्लब- बांग्ला स्कूल, सांस्कृतिक कला संगम त्रिकोण हवन कुंड- सुभाष चौक, ज्योति संगम क्लब- मारवाड़ी स्कूल, देशप्रिय क्लब- थड़पखना, विशाल क्लब-मल्लाह टोली, नेताजी नगर- कांटा टोली, पंच मंदिर- हरमू, हरिजन दुर्गा पूजा समिति- कर्बला चौक, श्रीमहाशक्ति दुर्गा पूजा समिति- बूटी मोड़, शिवसेना क्लब- लकड़ी टाड़ रातू रोड, प्रगति प्रतीक क्लब- किशोरगंज, नवयुवक संघ-चुटिया, स्वर्णजयंती क्लब- बरियातू हाउसिंग, मां भवानी युवा क्लब दुर्गा पूजा समिति, विश्वनाथ शिव मंदिर-पिस्का मोड़, नायक चौक दुर्गा पूजा समिति, बांध गाड़ी दुर्गा पूजा समिति, वीणा पाणि क्लब, दुर्गा पूजा समिति-डोरंडा, बंगाली मंडप पूजा समिति- हिनू, बिहारी क्लब दुर्गा पूजा समिति- हिनू, दुर्गा पूजा समिति कन्या पाठशाला- डोरंडा, दुर्गा पूजा समिति योद्धा मंदिर- मणि टोला डोरंडा, दुर्गा पूजा समिति- छप्पन सेठ डोरंडा, भवानीपुर दुर्गा पूजा समिति- डोरंडा, दुर्गा पूजा समिति, जेएमजे स्कूल डोरंडा, मेकन दुर्गा पूजा समिति, दुर्गा पूजा समिति नॉर्थ ऑफिस पाड़ा- डोरंडा सहित धुर्वा के विभिन्न इलाको में भी बड़े रूप में दुर्गा पूजा मनायी जा रही है.

दुर्गोत्सव एक नजर में

- **वर्ष 1839–** रातू किले में पहली बार बड़े पैमाने पर हुई दुर्गापूजा
- **वर्ष 1882–** रांची जिला स्कूल मैदान में प्रारंभ हुआ दुर्गापूजा महोत्सव
- **वर्ष 1883–** दुर्गाबाड़ी रांची में बंगाली रीति रिवाज से हुई पूजा की शुरुआत
- **वर्ष 1965–** पंडालों की संख्या में हुई बढ़ोतरी
- **वर्ष 1975–** रांची शहर में सौ से अधिक पूजा समितियों का गठन और पूजा

ब्रीफ खबरें

राज्य सेवा के छह अफसर अपर सचिव रैंक में प्रोन्नत

रांची। राज्य प्रशासनिक सेवा के छह अफसरों को अपर सचिव रैंक में प्रोन्नति दी गई है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है. प्रोन्नति पाने वाले में ज्योत्सना सिंह, अवध नारायण प्रसाद, गिरिजा शंकर प्रसाद, अरूण कुमार सिंह, नागेंद्र पासवान और अशोक कुमार दास शामिल हैं.

प्रोजेक्ट भवन में कल होगी कैबिनेट की बैठक

रांची। हेमंत सोरेन सरकार कैबिनेट की बैठक 20 सितंबर शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में होगी. यह बैठक शाम चार बजे से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी. इस बैठक में कैबिनेट द्वारा कई अहम प्रस्तावों की मंजूरी प्रदान की जाएगी.

20 सितंबर को अमित शाह झारखंड आएंगे

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 सितंबर को झारखंड आएंगे. साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में स्वतंत्रता सेनानी सिदो-कान्हू की जन्मस्थली पर दिन के 12 बजे श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. दोपहर 12:30 बजे पुलिस लाइन मैदान से 'संथाल परगना परिवर्तन यात्रा' का शुभारंभ करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे. इसके बाद में तीन बजे गिरिडीह जिले के जमुआ स्थित झारखंड धाम के लिए प्रस्थान करेंगे. यहां 3:30 बजे से परिवर्तन महासभा को संबोधित करेंगे.

सीएम और राज्यपाल को मांग पत्र सौंपा

रांची। जयप्रकाश जनता दल की प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष सुबोध कुमार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा. साथ ही इस पर जल्द सकारात्मक पहल का आग्रह किया. प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि हमारी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो पूरे प्रदेश में लोकतांत्रिक तरीके से धरना, प्रदर्शन और भूख हड़ताल करेंगे.

सरकार आपके द्वार कार्यकम : सीएम ने दुमका और जामताड़ा को 875 करोड़ की सौगात दी

जनता ने भाजपा को छह इंच छोटा कर दिया : हेमंत सोरेन

विशेष संवाददाता। रांची/जामताड़ा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को जामताड़ा जिले के कुंडहित प्रखंड अंतर्गत धनुकडीह मैदान में आयोजित 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने दुमका एवं जामताड़ा जिले को लगभग 875 करोड़ रुपए की सौगात दी. इसके अलावा कई विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया. इस मौके पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, इरफान अंसारी, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो, सांसद नलिन सोरेन सहित कई गणमान्य उपस्थित थे.

हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर प्रहार किया. उन्होंने कहा कि अभी ये लोग संप्रादयिक दंगा फैलाने में लगे हैं. कल से ये लोग गांव-गांव घूमेंगे और कहेंगे कि हिंदू खतरे में हैं. हिंदू-मुस्लिम करेंगे, आदिवासी-गैर आदिवासी करेंगे और हमलोगों को आपस में लड़वाएंगे. ये लोग ऐसा जहर बोते हैं, जो संप्रादायिक सौहार्द्र को बिगाड़ता और तनाव फैलाता है.

सीएम ने कहा कि अभी दो-तीन महीने में राज्य में चुनाव होने वाला है. ये लोग पूरे देश में संप्रादायिक तनाव फैलाने का प्रयास करते रहते हैं. लोकसभा चुनाव में भी पूरे देश में संप्रादायिक तनाव फैला दिया. प्रधानमंत्री लगातार हिंदू- मुस्लिम करते रहे. नतीजा ये हुआ कि देश की जनता ने भाजपा को छह इंच छोटा कर दिया. आज ये सरकार बनाने के लिए बैशाखी का सहारा लिए हुए हैं.

जामताड़ा में कुंडहित प्रखंड स्थित धनुकडीह मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते सीएम हेमंत सोरेन.

सीएम बोले

- हिंदु-मुस्लिम करने वाले लोग राज्य में गिद्ध की तरह मंडरा रहे हैं

दुमका व जामताड़ा को योजनाओं की सौगात

सीएम हेमंत सोरेन ने दुमका व जामताड़ा जिले को लगभग 875 करोड़ रुपये की सौगात दी. वहां विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास व दोनों जिलों के 4,77,715 लाभुकों के बीच लगभग 30697.5 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटी. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जामताड़ा जिले के 263734 लाभुकों के बीच 710 करोड़ 57 लाख 23 हजार रुपये की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास व परिसंपत्तियों का वितरण किया. वहीं दुमका जिल के कुल 213981 लाभुकों के बीच 164 करोड़ 99 लाख रुपये की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास व परिसंपत्तियों का वितरण किया. इसमें जामताड़ा जिला अंतर्गत 40428.98 लाख रुपये की 275 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास व दुमका जिला अंतर्गत 95.74 लाख रुपये की 23 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया गया. मौके पर लाभुकों के बीच 66 एकड़ भूमि का वनपट्टा भी वितरण किया गया.

लोस की तरह विस में भी सीख देने की जरूरत : सीएम

सीएम ने कहा कि भाजपावालों को लोकसभा चुनाव में जो सीख मिली है. अब इन्हें विधानसभा में सीख विधानसभा में भी देने की जरूरत है. ये लोग जहां झगड़ा करते हैं, वहीं इनकी राजनीतिक रोटी पकती है. ये गुजरात की जमात झारखंड, बिहार में संप्रादायिक सौहार्द्र कैसे बिगड़े, उसी में लगे रहते हैं. इनके पास नेता नहीं है, तो अगल-बगल के राज्यों से नेता बुलाते हैं.

राज्य का हक मांगा, तो झूठे केस में जेल में डाला

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के कामों से बावजूद विपक्ष के पेट में दर्द होने लगा है. हमें दो साल तक परेशान किया. झूठा आरोप लगा कर जेल भेज दिया. सरकार काम करे, तो ईडी-सीबीआई को लगा कर रोड़ा लगाने लगे. राज्य का हक और अधिकार मांगा, तो झूठा केस बना कर जेल में डाल दिया. हेमंत ने कहा कि केंद्र सरकार ने कोयला का एक लाख 36 करोड़ रुपये का बकाया अभी तक नहीं दिया है. अगर उसका ब्याज ही दे देते, तो झारखंड के विकास की रफ्तार में कई गुणा की तेजी आती.

हर योजना में हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया

हेमंत ने कहा कि सब चीज में झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है. इन्होंने राशन देने में भी हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया. आवास देने के लिए हमलोग भारत सरकार के पास नाक रगड़ते रहे, लेकिन नहीं दिया. तब हमने फैसला किया कि हम अबुआ आवास देंगे. आने वाला पांच साल के अंदर सभी गरीबों को अबुआ आवास मिलेगा. अभी चुनाव आया है, तो भारत सरकार ने डेढ़ लाख लोगों को पैसा स्वीकृत किया है.

मील का पत्थर साबित होगी मंईयां सम्मान योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पूरे राज्य का दौरा कर रहा हूं. हम जानना चाहते हैं कि हमने जो वादा किया था कि हमारी सरकार गांव से चलने वाली सरकार है, तो वह गांव से चल रही है कि नहीं. मंईयां सम्मान योजना इस राज्य की आधी आबादी के लिए ऐसा कदम है, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होने जा रहा है. जो विपक्ष 20 सालों में नहीं कर पाया, उससे ज्यादा काम हमने पांच साल में कर दिया है.

भुवनेश्वर में रांची के छात्र की मौत मामले में ओडिशा के राज्यपाल ने मुख्य सचिव को दिया आदेश, कहा

त्वरित व निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करें : रघुवर दास

संवाददाता। रांची

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने भुवनेश्वर स्थित 'शिक्षा ओ अनुसंधान यूनिवर्सिटी' में रांची के डोरंडा निवासी इंजीनियरिंग के छात्र अभिषेक रवि की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत मामले की जांच का आदेश दिया है. अभिषेक के पिता अनूपचंद राम ने राज्यपाल रघुवर दास को पत्र लिख कर आरोप लगाया है कि उनके बेटे की इंस्टीट्यूट में रैगिंग के दौरान हत्या की गई है, लेकिन कॉलेज प्रबंधन इसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश कर रहा है.

राज्यपाल रघुवर दास ने दिवंगत छात्र के पिता की शिकायत को गंभीरता से लिया है. उन्होंने इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर जांच कराने का आदेश दिया है. इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई होगी. रघुवर दास ने 'एक्स' पर कहा कि ''झारखंड के बेटे और इंजीनियरिंग के होनहार छात्र अभिषेक रवि की पिछले दिनों भुवनेश्वर के कॉलेज में दुखद मृत्यु हो गई थी. उनके पिता अनूपचंद राम ने इस संबंध में मुझे पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया था. इस मामले को मैं व्यक्तिगत रूप से देख रहा हूं. मैंने मुख्य सचिव को पत्र भेजकर इस संबंध में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करने को कहा है. उन्होंने कहा कि मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी.

मृतक के पिता बोले-

10 सितंबर को कराया था बेटे का एडमिशन

रांची के डोरंडा निवासी अनूपचंद राम ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे अभिषेक रवि का एडमिशन भुवनेश्वर स्थित आईटीईआर 'शिक्षा ओ अनुसंधान यूनिवर्सिटी' में 10 सितंबर को कराया था. उसे

- पिता ने रैगिंग के दौरान बेटे की हत्या का लगाया आरोप

अभिषेक रवि (फाइल).

वहां न्यू हॉस्टल-7 में कमरा नंबर 408 आवंटित किया गया था. रांची लौटने के बाद 11 सितंबर को उनकी अपने बेटे से फोन पर बात हुई थी, लेकिन 12 सितंबर को उसके मोबाइल पर कई बार कॉल करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद 13 सितंबर को हॉस्टल सुपरिटेंडेंट ने फोन कर उन्हें सूचना दी कि अभिषेक सीढ़ी से गिर कर जख्मी हो गया है. उन्हें तुरंत भुवनेश्वर आने को कहा गया. इसके कुछ ही घंटे बाद दूसरी बार फोन आया, जिसमें उसकी मृत्यु की सूचना दी गई.

अभिषेक ने की थी रैगिंग की शिकायत, कार्रवाई नहीं हुई : अनूपचंद राम का कहना है कि उनके बेटे के साथ रैगिंग की गई थी, जिसकी शिकायत उसने मोबाइल के जरिए पुलिस को की थी. इसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई. भुवनेश्वर पहुंचने पर उन्हें इन बातों का पता चला. अभिषेक के शरीर पर चोट के कई निशान भी पाए गए. घटनास्थल और अभिषेक के कमरे की स्थितियां भी संदिग्ध पाई गईं.

फायर सर्विस के 3892 आवेदन रिजेक्ट, 339 को एनओसी देने की चल रही प्रक्रिया

कंपनियों-संस्थाओं के 19604 आवेदन रिजेक्ट

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम के तहत विभिन्न विभागों ने कंपनियों और संस्थाओं के 19604 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए. सबसे अधिक आवेदन श्रम विभाग, फायर सर्विस और झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने रिजेक्ट किए हैं. फायर सर्विस के तहत 3892 आवेदन रिजेक्ट किए गए. श्रम विभाग ने 6807, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 6602 और झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने 1376 आवेदन रिजेक्ट किए हैं.

5,729 आवेदनों को क्लीयरेंस देने की चल रही प्रक्रिया : 5,729 आवेदनों को क्लीयरेंस देने की प्रक्रिया चल रही है. इनमें फायर सर्विस के 339, श्रम विभाग के 2130, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 1212 और झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के 605 आवेदन शामिल हैं.

6807

श्रम विभाग ने और प्रदूषण बोर्ड ने 6602 आवेदन रिजेक्ट किए

किस विभाग ने कितने आवेदन रिजेक्ट हुए

विभाग	जेक्ट आवेदन
फायर सर्विस	3892
कॉमर्शियल टैक्स	577
श्रम विभाग	6807
प्रदूषण बोर्ड	6602
जियाडा	01
जेबीवीएनएल	1376
भू-राजस्व	11
जल संसाधन	09
नगर विकास	33
ऊर्जा विकास	12
कृषि विभाग	323
खाद्य आपूर्ति	27
रांची नगर निगम	07
स्वास्थ्य विभाग	02
जुसको	06
गृह विभाग	01

किस विभाग में कितने आवेदन प्रक्रियाधीन

विभाग	प्रक्रियाधीन आवेदन
उद्योग	71
फायर सर्विस	339
कॉमर्शियल टैक्स	32
श्रम विभाग	2180
प्रदूषण बोर्ड	1212
जियाडा	47
जेबीवीएनएल	605
भू राजस्व	01
जलसंसाधन	27
नगर विकास	105
ऊर्जा	776
कृषि	02
पथ निर्माण	253
रांची नगर निगम	60
जेएफडीसीएल	10

जवाहर नवोदय में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

अब 23 तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता। रांची/बहरागोड़ा

देशभर के जवाहर नवोदय विद्यालयों में कक्षा 6 में नामांकन के लिए वर्ष 2024 में होने वाली चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 23 सितंबर तक बढ़ा दी गई है. यह जानकारी जवाहर नवोदय विद्यालय पूर्वी सिंहभूम के प्राचार्य डॉ जनार्दन सिंह ने दी. उन्होंने कहा कि अभिभावकों की मांग को देखते हुए नवोदय विद्यालय समिति ने चयन परीक्षा के माध्यम से कक्षा 6 में नामांकन हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की तिथि 23 सितंबर तक विस्तारित कर दिया है. पहले यह 16 जुलाई से 16 सितंबर तक निर्धारित था. चयन परीक्षा 18 जनवरी 2025 को होगी. विदित हो कि तमिलनाडु को छोड़कर पूरे देश के प्रत्येक जिले में कम से कम एक जवाहर नवोदय विद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया है. जहां छठी कक्षा से 12वीं तक की पढ़ाई छात्रावास में रहकर करनी पड़ती है और जहां रहना ,खाना, दैनिक सामग्री इत्यादि निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है .

प्रवेश के लिए योग्यता : वह अभ्यर्थी जो सत्र 2023-24 के दौरान पूर्वी सिंहभूम के किसी सरकारी अथवा सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5 में पढ़ रहा हो तथा पूरे सत्र की पढ़ाई करके सरकारी अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय से तीसरी एवं चौथी कक्षा भी उत्तीर्ण हो. अभ्यर्थी का जन्मदिन 1 मई 2013 और 31 जुलाई 2015 (दोनों तिथियों) के बीच हो ,आवेदन करने के लिए योग्य है.

आरक्षण : प्राचार्य डॉ सिंह ने कहा कि वर्ष 2024 में होने वाली परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए 75% स्थान ग्रामीण उम्मीदवारों के लिए जबकि एक तिहाई स्थान लड़कियों के लिए आरक्षित होगा. साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांगों के लिए भारत सरकार के वर्तमान नियम लागू होंगे.

प्रक्रिया

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन दो चरणों में पूरे किए जाएंगे . प्रथम चरण में राज्य ,जिला, ब्लाक ,स्कूल का नाम जिसमें अभ्यर्थी पांचवीं में पढ़ रहा है, अभ्यर्थी का नाम, अभिभावक का मोबाइल नंबर ,अभ्यर्थी की जन्म तिथि आदि सूचनाएं भरने के बाद अभिभावक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त होगा . इस यूजर आईडी और पासवर्ड उपयोग कर दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी जिसमें अभ्यर्थी का फोटो, हस्ताक्षर ,माता-पिता का हस्ताक्षर , विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा जारी कक्षा 5वीं में पढ़ने का प्रमाण पत्र वेबसाइट पर अपलोड करना है . साथ ही अभ्यर्थी से संबंधित निजी सूचनाएं देनी है . सफलतापूर्वक अपलोड करने के बाद प्रिंट आउट प्राप्त करना है उसे सुरक्षित रखना है . रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट www.nvsadmissionclassix.in अथवा www.navodaya.gov.in है.

ब्रीफ खबरें

पीएम मोदी का 74 वां जन्मदिन मनाया गया

सिल्ली/मुरी। भारत के येस्शावी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 74 वां जन्मदिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर भाजपा सिल्ली मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा सिल्ली सरकारी अस्पताल में मरीजों के बीच फल का वितरण किया . सिंगपुर नर्सिंग होम में भी डॉक्टर रमणेश प्रसाद के यहां भी केक काटकर जन्मदिन मनाया . इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष अंबुज रजक, महामंत्री शिवलाल महतो, हरिहर महतो, उपाध्यक्ष कंचन सोनार, सुधीर साहू साथ में मंत्री कृष्ण सागर दुबे, राजेश राय, भरत महतो, मंडल के मीडिया प्रभारी अमित महतो, प्रभारी जितेंद्र सिंह पटेल आदि उपस्थित थे.

जिकरा फॉल में डूबे युवक का शव बरामद

बुढ़मू। प्रखंड के जिकरा फॉल में 15 सितंबर को डूबे युवक आर्यन उरांव का शव तीन दिनों बाद मंगलवार को बरामद किया गया. शव फॉल के पानी की गहराई से ऊपर झाड़ियों में आ गया था. बुढ़मू पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. रविवार को रांची के आईटीआई के पास रहने वाला युवक आर्यन उरांव अपने अन्य आठ दोस्तों के साथ जिकरा फॉल घूमने आया था, जहां सेल्फी लेने के क्रम में वह फॉल के गहरे पानी में गिरने से उसकी मौत हो गई थी. तीन दिनों से लगातार बारिश के कारण उसका शव नहीं निकाला जा सका था.

मांडर में घर गिरने से वृद्धा की मौत

मांडर। बांसजाड़ी गांव में कच्चा घर गिरने से उसके मलबे में दबकर 70 वर्षीय रसूलन खातून की मौत हो गई. घटना सोमवार की देररात लगभग दो बजे की है. रसूलन खातून घर में सो रही थी इसी बीच अचानक उसके घर की दीवार गिर गई. जबतक पड़ोसी उसे बाहर निकालते वह दम तोड़ चुकी थी. लगातार बारिश से मांडर और चान्हो प्रखंड के विभिन्न गांव में 100 से भी अधिक कच्चे मकान गिर गए हैं.

एक सप्ताह में एक ही दुकान से दो बार चोरी

नामकुम। थाना क्षेत्र के सिदरौल जोड़ा मंदिर स्थित मां भवानी ज्वेलर्स में चोरों ने छह दिन के अंदर चोरों ने दूसरी बार चोरी की घटना को अंजाम दिया है. चोरों ने दीवार काटकर लगभग साढ़े तीन लाख रुपये का जेवरात चुरा लिया. इस मामले में पीड़ित दुकानदार गुड्डू सोनी ने बताया कि मंगलवार की रात दुकान में 50 ग्राम सोने का जेवर और कुछ ग्राहकों का सामान तिजोरी में रखकर घर चला गया था. सुबह आकर देखा तो तिजोरी को गैस कटर से काटकर चोरों ने पूरा जेवरात चुरा लिया.

रातू में रहा शिल्प के देवता विश्वकर्मा के पूजा की धूम

रातू। देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा पूजा संपूर्ण रातू एवं इसके आसपास के क्षेत्र में विधवा धूमधाम से संपन्न हो गया. इस अवसर पर एसएनएल बियरिंग कंपनी लिमिटेड, विद्युत सब स्टेशन, समेत प्रायः सभी छोटे बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों, गैरेजों, एवं दुकानों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई. लोगों ने अपने घरेलू लोगों ने अपने घरेलू वाहन तथा मशीनों की अपने घरों में ही विधिवत पूजा की.

चुरी पश्चिमी पंचायत लगा शिविर, 469 आवेदन मिले

डकरा। खलारी प्रखंड के चुरी पश्चिमी पंचायत के महावीर नगर में बुधवार को आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर लगाए गये.इस शिविर में पेंशन, जमीन, कृषि, प्रधानमंत्री आवास योजना, केसीसी, मनरेगा, निबंधन व जन वितरण प्रणाली, वोटर कार्ड, मईया योजना,सहित अन्य स्टाल लगाये गये. इस मौके पर जेई रविरंजन कुमार, असित कुमार, कांग्रेस नेत्री इंदिरा देवी, मुखिया शांति देवी, पंसस कुंजीता देवी आदि शामिल थे.

सोन के टीले पर फंसे 20 लोगों का रेस्क्यू

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद के देवरी कला गांव में आई बाढ़ से प्रभावित 20 लोगों को सोन नदी के टीले से सुरक्षित निकाल लिया गया. जिला प्रशासन के निर्देशानुसार, हुसैनाबाद अंचल अधिकारी पंकज कुमार और देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार की देखरेख में रेस्क्यू अभियान चलाया गया. पुलिस बल के साथ देवरी ओपी के एएसआई अखिलेश यादव ने डीजल मोटर चालित नाव की सहायता से सभी फंसे हुए लोगों को सुरक्षित वापस लाया.

एसपी के आदेश पर एसडीपीओ ने की कार्रवाई, कोयले में डस्ट मिलाने के मामले में बारियातू थाने में एफआईआर

पुलिस व खनन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में एक गिरफ्तार

शुभम संदेश इंपेक्ट

सीसीएल की मगध परियोजना द्वारा संचालित बालूमाथ एवं फूलबसिया रेलवे साइडिंग में डस्ट मिलावट कर करोड़ों रूपये की हो रही हेराफेरी की खबर शुभम संदेश में प्रकाशित होने के बाद मंगलवार को पुलिस एवं खनन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है. कार्रवाई में साइडिंग में डस्ट मिलाकार रखे कोयले, पेलोडर व एक पेलोडर चालक को गिरफ्तार किया है. बालूमाथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आशुतोष कुमार सत्यम ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली सूचना कि सीसीएल द्वारा संचालित फुलबसिया रेलवे साइडिंग में अवैध रूप से कोयला के साथ कोल ऐश को मिलाकर रेल वैगन में लोडकर कोयला का परिवहन किया जा रहा है. प्राप्त सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक लातेहार के निर्देशानुसार बालूमाथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आशुतोष कुमार सत्यम के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया. इसमें बारियातु थाना प्रभारी राजा दिलावर, खनन निरीक्षक लातेहार पद्मलोचन ओहदार, प्रभारी अंचल निरीक्षक बारियातु अनिल होरो एवं बारियातु थाना के सशस्त्र बल शामिल किए गए. उक्त छापामारी दल के द्वारा छापामारी के क्रम में पाया गया कि बारियातु थाना क्षेत्र के सीसीएल के मगध संघमित्रा क्षेत्र के फूलबसिया साइडिंग में पेलोडर (जेएच 099एए- 5956) के द्वारा रेलवे वैगन में जले हुए कोयले के साथ कोयले के राख को मिलाकर लोडिंग का कार्य किया जा रहा था. वाहन चालक छापामारी दल को देखकर वाहन के साथ भागने का प्रयास किया. लेकिन सशस्त्र बल की सहायता से वाहन एवं चालक दोनों को पकड़ लिया गया. वाहन में लगभग 120 टन कोल ऐश मिला कोयला व पेलोडर को जब्त किया गया. खान निरीक्षक पद्मलोचन ओहदार के आवेदन के आधार पर फुलबसिया साइडिंग के कोल लोडिंग कांट्रेक्टर, ट्रांसपोर्टर, सीसीएल मगध के संलिप्त पदाधिकारियों, पेलोडर के मालिक एवं चालक शंकर कुमार भुईंया एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया गया है.

पेलोडर व डस्ट मिक्स कोयला जब्त

पुलिस ने मौके से जब्त किया पे-लोडर.

पांच लाख रुपये का इनामी उग्रवादी पुलिस के हत्थे चढ़ा

- जेजेएमपी का सब जोनल कमांडर है शिवराज सिंह

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने पांच लाख रुपये के इनामी सब जोनल कमांडर शिवराज सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. लातेहार एडीपीओ अरविंद कुमार ने बुधवार को बताया कि लातेहार के भैंसमारा निवासी शिवराज सिंह कई जघन्य कांडों में वांछित था. इस बीच 17 सितंबर को एसपी को सूचना मिली कि वह दुबियाही के ग्राउंड में फुटबॉल का मैच देख रहा है.

लातेहार एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने गुप्त तरीके से रेकी कर छापेमारी की और शिवराज सिंह को गिरफ्तार कर लिया. तलाशी में उसके पास से दो मोबाइल बरामद किया गया. उन्होंने बताया कि शिवराज सिंह जेजेएमपी नक्सली संगठन का प्रमुख सदस्य रहा है. उसके द्वारा लातेहार जिला के लातेहार, हेरहंज, छिपादोहर और गारू थाना में नक्सली कांड और हत्या जैसे जघन्य अपराधों के कुल 13 कांड दर्ज है. पूर्व में वह दो बार जेल जा चुका है. वह लातेहार जिला के संवेदक और कंपनी से लेवी मांगता था और शूटिंग में माहिर है. वह कई वर्षों से फरार चल रहा था.

पेड़ गिरने से दब कर दो सगे भाइयों की मौत : लोहरदगा जोबांग थाना क्षेत्र के सीरम पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सेम्भूवा गांव निवासी दो सगे भाइयों की पेड़ के गिरने से नीचे दब कर मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, कृष्णा तुरी के पुत्र सुधीर तुरी (21) एवं पुत्र राहुल तुरी (22) चंदवा से आ रहे थे. इस क्रम में चंदवा थाना क्षेत्र के भुसाड़ के पास सूखे हुए सिसम का पेड़ का हिस्सा टूट कर दोनों भाइयों पर गिर गया. इस घटना में राहुल तुरी का मौके पर ही मौत हो गई. वहीं सुधीर तुरी को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा ले जाया गया, जहां से उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया.

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते लातेहार एडीपीओ अरविंद कुमार.

सिंगरा में दो लोगों को गोली मारी,रिम्स रेफर

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा स्थित दरहा बाबा के पास बुधवार की देर शाम अज्ञात अपराधियों ने जमकर तांडव मचाया. जानकारी के मुताबिक, बाइक पर सवार अपराधियों ने सड़क पर सरेशाम दो लोगों पर गोलीबारी कर दी. घायलों की पहचान चैनपुर पथरा निवासी मंटू चौरसिया और उदित प्रसाद के रूप में हुई है. इधर, घटना की सूचना पर सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया. चिकित्सक ने दोनों को रांची के रिम्स रेफर कर दिया.

रामगढ़ में एटीएम काट 23.50 लाख उड़ा ले गये नकाबपोश चोर

संवाददाता। रामगढ़

जिले में नकाबपोश चोरों ने एक बार फिर एसबीआई बैंक को अपना निशाना बनाया है. कुजू ओपी क्षेत्र के तोपा चौक पर एसबीआई के एटीएम को काटकर 23.50 लाख रुपये की चोरी कर ली. इस वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. वारदात मंगलवार सुबह तीन बजे की है. घटना की सूचना पर जब डीएसपी हेडक्वार्टर चंदन वत्स और अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे, तो चोरों की हाथ की सफाई देख कर दंग रह गए. जानकारी के मुताबिक, मंगलवार तड़के तीन नकाबपोश चोर बंद एटीएम के शटर को गैस कटर से काट कर अंदर घुसे. इसके बाद गैस कटर से ही एटीएम मशीन को काटा और उसमें रखे लाखों रुपये निकाल कर फरार हो गए. चोरों ने मात्र 15 मिनट में न सिर्फ एटीएम मशीन को काट डाला. पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में तो कैद हो गई है, लेकिन चोरों की पहचान नहीं हो सकी है.

कुजू के तोपा चौक पर काटा गया एटीएम.

- मंगलवार तड़के तीन नकाबपोश अपराधियों ने वारदात को दिया अंजाम
- मात्र 15 मिनट में एटीएम को काटा, पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद

बता दें कि तोपा चौक पर गुलाम मुस्तफा के आवास पर एसबीआई का एटीएम लगा हुआ है. सीएमएस इंफो सिस्टम कंपनी द्वारा इस एटीएम मशीन का संचालन किया जा रहा था.

ग्रामीणों ने बिजली कार्यालय ईरबा का घेराव किया, हंगामा

कांके। मेसरा बिजली विभाग की लचर व्यवस्था और निरंतर हो रही बिजली कटौती के विरोध में मंगलवार को भाजपा नेता कमलेश राम के नेतृत्व में स्थानीय जनता ने बिजली कार्यालय ईरबा का घेराव किया और तालाबंदी की. कमलेश राम ने कहा कि विभाग की अनदेखी के चलते क्षेत्र की जनता पिछले कई महीनों से परेशान है. बिजली की अनियमित आपूर्ति और बार-बार की कटौती ने लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है. जब इस समस्या के समाधान के लिए विभाग के उच्चाधिकारियों को कई बार सूचना दी गई तो भी कोई असर नहीं पड़ा. इसीलिए जनता की मांगों को लेकर आज कार्यालय पर तालाबंदी करनी पड़ी. सहायक अभियंता द्वारा जनता की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन देने के बाद घेराव कार्यक्रम समाप्त किया गया. मौके पर शिवलाल महतो, राजा महतो, सनो भारती, कृष्णा करमाली, नीरज मुंडा, सुंदर नायक, प्रभात महतो, रामलाल महतो व अन्य उपस्थित थे.

इटकी में इंद जतारा का हुआ आयोजन

इटकी। सरना समिति कुंदी के तत्वावधान में मंगलवार को इंद जतरा का आयोजन किया गया. कुंदी स्थित दाल टांड़ में आयोजित इंद जतरा में सैकड़ो आदिवासी महिला पुरुष पारंपरिक वेश भूषा में मांदर की थाप पर जमकर नृत्य गान किया. जतरा में बेस्ट पोशाक, बेस्ट नृत्य, बेस्ट संगीत और बेस्ट वाद्ययंत्र वाले को जतरा संचालन समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया. जतरा में लगे चाट, फुचका, मिठाई, आइस क्रीम, खिलौने सहित अन्य दुकानों पर लोगों ने जम कर खरीदारी की. मौके पर डब्बू केरकेट्टा, चामू उरांव, अजय मिंज, रतनू तिग्गा, अमित तिग्गा, एतवा केरकेट्टा, जतरु कच्छप, सुका खलखो, प्रदीप उरांव, सूर्यकांत कच्छप, मंगल केरकेट्टा, सुनील उरांव और गंदरु सहित अन्य मौजूद थे.

ट्रेलर के टक्कर से बाइक सवार की मौत

तमाड़। ईचागढ़ थाना क्षेत्र के नागासेरेंग के पास ट्रेलर की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई और दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक प्रधान मुंडा जोना लोग बाड़ेडीह कुचाई थाना क्षेत्र का निवासी था. वहीं एक घायल शंकर मुंडा टाटी बेड़ा और दूसरा लीपा मुंडा आराहांगा का निवासी है.

रातू होचर में करम इंद जतरा महोत्सव में उमड़ी लोगों की भीड़

संवाददाता। रातू

आदर्श सरना समिति के तत्वावधान में मंगलवार को ग्राम होचर में ऐतिहासिक करम इंद जतरा महोत्सव का आयोजन किया गया.महोत्सव में विभिन्न गांवों से 187 खोड़हा टीमों ने भाग लिया. जिनको अतिथियों के द्वारा पारितोषिक और सरना झंडा देकर सम्मानित किया गया.महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि सरना रत्न वीरेंद्र भगत के पिता विश्वंभर भगत तथा विशिष्ट अतिथि आजसू के हटिया विधानसभा प्रभारी भारत कांशी, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश एवं झारखंड आंदोलनकारी डा, देवशरण भगत महावीर विश्वकर्मा उपस्थित हुए. सुरेंद्र लिंडा,नीरज मुंडा, रंथु उरांव, राजेश लिंडा,रांची जिला के सभी जिला परिषद सदस्यों के साथ-साथ रातू प्रखंड प्रमुख ओरमांझी प्रखंड प्रमुख, कांके प्रखंड प्रमुख एवं विभिन्न पंचायतों के मुखिया ,पंचायत समिति एवं वार्ड सदस्य उपस्थित हुए. महोत्सव को संबोधित करते हुए निर्मला भगत ने कहा कि आदिवासी समाज को कुरीतियों से दूर रहकर आपस में एकजुट रहने की जरूरत है. समाज को नशा मुक्त करना और बच्चों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था कैसे दिया जाए इस पर चिंतन की आवश्यकता है.

मुरी जंक्शन में मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

एक इंजन पलटा और एक हुई बेपटरी, घंटों यातायात रही बाधित

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

मुरी जंक्शन से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे दक्षिणी छोर लगाम गांव के पास मंगलवार के दिन 58 डिब्बे की मालगाड़ी लोहरदगा से बॉक्साइट लोड कर मुरी स्थित हिंडालको आई थी. इसी क्रम में वजन घर के समीप मालगाड़ी मूवमेंट के क्रम में रेलवे पटरी के अंतिम छोर (डेड इण्ड) में जा घुसा . जिसके कारण मौके पर ही एक इंजन जमीन पर पलट गया और दूसरा इंजन बेपटरी डीरेल हो गया. खबर मिलते ही रेलवे के अधिकारी एवं मुरी पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा घटना का जायजा लिया. सूत्रों के अनुसार मालगाड़ी की मूवमेंट कर रहे शंटर और ऑपरेटिंग विभाग के दो पॉइंट्समैन जो इंजन में मौजूद थे बाल बाल बच गए. किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.

घटना के बाद इंजन में मौजूद तीनों रेल कर्मियों का रेलवे अस्पताल में ब्लड सैंपल लिया गया और जांच हेतु लैब भेज दिया गया. घटना को लेकर अधिकारियों ने बताया की इसमें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है हालांकि घटना कैसे घाटी इसकी विभागीय जांच चल रही है.

आस्था ग्रामीण अंचलों में हुई शिल्प के देवता विश्वकर्मा की धूमधाम से पूजा

भक्तों ने देव शिल्पी विश्वकर्मा से की मंगल की कामना

संवाददाता। सोनाहातु/राहे

प्रखंड क्षेत्र में देव शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा का पूजा उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया. क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा की गयी. लोग काफी उत्साहित हो पूजनोत्सव में शामिल हुए. लोहे के कारोबार करने वाले व्यापारियों सहित सभी प्रकार के वाहन मालिकों, गैरेजो में पूजा किया गया. सोनाहातू शिवा वोल्डिंग वर्क्स में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-पाठ और संध्या आरती की गयी थी. बारेंदा में गणेश तिवारी और गोड़ेंया में मुकेश वेल्डिंग ने पूजा अर्चना किया. पूजा अर्चना के बाद प्रसाद एवं खान पान की भी व्यवस्था भी आयोजक द्वारा कराया गया था.

सोनाहातू में स्थापित प्रतिमा.

राहे में कई स्थानों पर हुई पूजा

राहे। प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ विश्वकर्मा पूजा मंगलवार को मनाया गया. वाहन चालकों, लोहे के व्यवसायियों, गैरेज मालिको के पूजन किया गया. राहे शिव मंदिर परिसर, गोमदा चौक आदि स्थानों में भव्य प्रतिमा और पंडाल बनाया गया था. पंडाल में स्थापित विश्वकर्मा के प्रतिमा स्थल पर पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ आदि करा कर पूजन को संपन्न कराए.

डकरा में धूमधाम से हुई विश्वकर्मा पूजा

डकरा। शिल्प के भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना मंगलवार को धूमधाम से की गई. सीसीएल के वर्कशॉप के अलावा कई जगह विश्वकर्मा भगवान की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है. पूजा स्थलों के आसपास विद्युत की आकर्षक सजावट की गई है. सीसीएल की डकरा, केडीएच, पुरनाडीह, रोहिणी और चूरी परियोजनाओं के वर्कशॉप और बिजली सब स्टेशनों में पंडाल बनाकर विश्वकर्मा भगवान की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई है.

पर्यटक स्थल रानीचुंआ में लगा है गंदगी का अंबार

बुंडू के प्रसिद्ध रानीचुंआ में लगा गंदगी का ढेर.

संवाददाता। बुंडू

बुंडू का प्रसिद्ध और पर्यटक स्थलों में शुमार रांनीचुआ में गंदगी का ढ़ेर लगा है. इसकी लगातार सफाई नहीं होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है. ऐसे तो बुंडू में दशमफॉल, सुर्य मंदिर, राधारानी मंदिर, 100 एकड़ में फैला बुंडू का बड़ा तालाब,रानीचुंआ इत्यादि कई दर्शनीय स्थल हैं. उनमें से एक रानीचुंआ है. रांनीचुआ अपने प्राकृतिक सौंदर्य और गर्म कुंड के लिए जाना जाता है. बुंडू के किसी भी लोगों के परिवार में कोई मेहमान आता है तो वह रानीचुंआ देखने जरूर जाता है. लेकिन वहां जाने के बाद मेहमान अपना नाक मुंह सिकोड़ कर वहां से वापस लौटता है.

न्यूज अपडेट

बुंडू के कई गांवों में फैल रहा है डायरिया

बुंडू। जागरूकता के अभाव में बुंडू के कई गांवों में अब धीरे धीरे डायरिया फैल रहा है. पहले बारेडीह, फिर बड़कोलमा और अब बुंडू के दलकीडीह, सुमानडीह गांव का टोला डाटमदा गांव में डायरिया ने दस्तक दिया. बुधवार को बुंडू के सुमानडीह गांव के टोला डाटमदा से पुष्पा देवी उम्र 35 वर्ष पतिसुरेश महतो और दलकीडीह गांव के मीना देवी उम्र 20 वर्ष पति सुरेस लोहरा को गांव में उल्टी और पैखाना होने के बाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती किया गया.जहां उसका इलाज चल रहा है. वही शाहीद महतो,शहीद महतो को गंभीर अवस्था में बुंडू अनुमंडलीय अस्पताल से रिम्स रांची रेफर कर दिया गया. डायरिया की जागरूकता के बारे डॉक्टर अनुभव जैन ने बताया कि बरसात में यहां वहां का गंदा पानी पीने से ग्रामीणों को डायरिया होता है.

आदिवासी समाज के संगठनों ने बुंडू में की बैठक

बुंडू। झारखंड मुंडा समाज सह आदिवासी समाज के संगठनों की बैठक बालाजी पैलेस बुंडू में हुई. बैठक की अध्यक्षता पूर्व शिक्षकअघणु सिंह मुंडा ने किया. बैठक में विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुनील चन्द्र सोरेन शामिल हुए. अधिवक्ता द्वारा सीएस खतियान, आरएस खतियान, पेशा कानून, ग्राम सभा सीएनटी एक्ट के बारे में विस्तार से बताया गया. मौके पर ग्राम प्रधान गंगाधर सिंह मुंडा, शिवलोचन सिंह मुंडा, दसनाथ सिंह मुंडा, अनिल सिंह मुंडा, गुरवा सिंह मुंडा, धनंजय सिंह मुंडा, हरी सिंह मुंडा, गिरीश सिंह मुंडा, प्रदीप सिंह मुंडा, कृष्ण सिंह मुंडा, कोलेश्चर सिंह मुंडा, राजेन मुंडा, कालोशशि सिंह मुंडा, बिशनाथ सिंह मुंडा, भीमा सिंह मुंडा, राजकिशोर सिंह मुंडा, सोमा मुंडा, मधुसूदन सिंह मुंडा, राजेंद्र सिंह मुंडा, समाज के अगुवा एवं बुद्धिजीवीयों के साथ साथ करीब 1500 से अधिक की संख्या में उपस्थित हुए.

वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत

नामकुम। सपही नदी पुल के पास अज्ञात वाहन की चपेट मेंआने से एक महिला की मौत हो गई.मृतका 45 वर्षीय प्रमिला देवी वार्ड 47 जोरार बस्ती की निवासी थी. मंगलवार सुबह प्रमिला अपने पति के साथ गाय, बकरी चराने मिलिट्री डेयरी फॉर्म के पास गई थी. लौटने के क्रम में राम प्रसाद गोप वहीं रुक गया और प्रमिला घर आ रही थी रास्ते मेंअज्ञात वाहन की चपेट में आ गई. स्थानीय लोगों की मदद से उसे ईएसआई अस्पताल नामकुम ले जाया गया, जहां से डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल रांची भेज दिया. वहीं सदर अस्पताल से रिम्स ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया.

भाजपा इटकी मंडल ने पीएम का जन्मदिन मनाया

इटकी। भाजपा इटकी मंडल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिन मनाया. मौके पर पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री का जन्म दिन उत्सव के रूप में मना रहा है. हम सभी उनके दीर्घायु की कामना करते हैं. प्रधानमंत्री के जन्म दिन पर पूर्व विधायक ने इटकी व पलमा में दर्जनों महिलाओं के बीच साड़ी और बच्चों के बीच टॉफी का वितरण किया. कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राजेश्वर महतो, भोगन सोरेन, कृष्णा तिवारी, महेंद्र उरांव, संतोष कच्छप, राजीव कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे.

जनप्रतिनिधियों ने राजेश कुजूर को किया सम्मानित

नामकुम। झारखंड पुलिस मेंस एसोसीएसन जैप-6 शाखा के अध्यक्ष दुसरी बार चुने जाने के खुशी में टाटीसिलवे क्षेत्र के समाजसेवी व जनप्रतिनिधियों ने चतरा पंचायत निवासी राजेश कुजूर को गुलाल लगाकर , माला पहनाकर व सॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया . बधाई देने वालों में अनगड़ा प्रखंड उप प्रमुख जयपाल हजाम टाटी पूर्वी मुखिया कृष्णा पहान चतरा ग्राम प्रधान क्रिस्टो कुजूर सनिल जॉय राहुल उराँव रमेश मुंडा अमर महतो प्रकाश अनिल संदीप समेत दर्जनों लोग शामिल हैं .

पुलिस ने मारपीट के आरोपी को भेजा गया जेल

रातू। आटा चक्की से धान की बोरी उठाकर ले जाने को लेकर हुए आपसी विवाद में मिल मालिक कुंवर महतो और उसके परिजनों पर हुए हमले के एक आरोपी राजेंद्र उरांव का मंगलवार की रात्रि में मौत हो गयी. पुलिस ने बुधवार को वादी सीता देवी के पति सूरज महतो और ससुर कुंवर महतो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. मामले को लेकर रातू थाने में 16 सितंबर को तीन महिला समेत छह लोगों पर कांड संख्या 307/24 दर्ज करायी गयी थी. घटना की शाम हमले की पीड़िता सीता ने चंदर उरांव, अनिल उरांव, राजू उरांव, विनय उरांव, विकास उरांव समेत दो अन्य पर तलवार, फरसा, डंडा और चापर से हमला कर उसके पति सुरज, देवर निरंजन, सास रंभा देवी और ससुर कुंवर को जख्मी कर दिये जाने के मामले में घटना के दिन ही कांड संख्या 300/24 दर्ज करायी थी.

राजकीय मध्य विद्यालय जोन्हा में लगा आरओ

अनगड़ा। फॉरेस्ट ऑफिसर्स एसोसिएशन के माध्यम से बुधवार को अनगड़ा प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय जोन्हा में अध्ययनरत बच्चे बच्चियों के शुद्ध पेय जल के लिए आरओ का वितरण किया गया. बच्चों के खेल को बढ़ावा देने के लिए फुटबाल जर्सी जूता बोली बॉल नेट कैरम बोर्ड बैड मिंटन सहित कई खेल सामग्री का वितरण किया गया. विदित हो कि एसोसिएशन के सदस्य प्रत्येक सप्ताह सामूहिक रूप से बैठ कर राशि जमा करते हैं और ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी बहुल गांवों के विद्यालयों में इस तरह के कल्याणकारी चीजों का वितरण करते हैं.

केंद्रीय राज्यमंत्री से की जर्जर सड़क निर्माण की मांग

नामकुम। बुधवार को खिजरी गांव के युवा दस्ता की टीम ने रांची के सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से मुलाकात की. युवा दस्ता खिजरी के युवाओं ने सांसद के नाम दिए आवेदन में छह बिंदु मांग पत्र सौंपा .जिसमें खिजरी ब्लॉक से अखाड़ा होते हुए कोचा टोली तक सड़क निर्माण,खिजरी देवी मंडप से सतीश कुमार के घर तक,खिजरी पाहन टोली सामुदायिक भवन से सरना स्थल होते संजय कुजूर के घर तक,खिजरी पाहन टोली में मदड़ी कच्छप के घर से उरांव कॉलोनी कृष्णा तिर्की के घर तक, खिजरी जतरा मैदान में धुमकुड़िया भवन व स्टेज शेड का निर्माण,सदाबहार चौक दुर्गा मंदिर से बरगांवा जेएससीसी फुटबॉल मैदान तक सड़क निर्माण की बात कही .

होटल में पुलिस की छापेमारी, दो लड़कियों कराया मुक्त

रांची: चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित पटेल चौक के पास से एक होटल में पुलिस ने छापामारी की. इस दौरान पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो लड़कियों को पुलिस ने मुक्त कराया है. वहीं होटल संचालक को गिरफ्तार किया गया है.वरीय पुलिस अधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि मानव तस्करी के लिए चुटिया इलाके की दो लड़कियों को होटल में रखा रखा गया है. कहीं बाहर ले जाने की तैयारी ही रही है। सूचना प्राप्त होते ही वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश पर सिटी डीएसपी केवी रमन और चुटिया थानेदार लक्ष्मीकान्त ने दलबल के साथ मंगलवार की दोपहर में छापेमारी की.जहां से एक नाबालिग सहित दो लड़कियों को बरामद किया है.

चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) का सम्मान समारोह, बोले श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता

झारखंड की बेहतर शिक्षा में निजी विद्यालयों का रोल अहम

संवाददाता। रांची

प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की ओर से बुधवार को 12वें शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन एसडीसी सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद की अध्यक्षता में किया गया. श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने उद्घाटन किया. वहीं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया. कार्यक्रम में झारखंड के 24 जिलों के करीब 50 से ज्यादा स्कूलों के 890 शिक्षकों को शिक्षा और समाज में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया. मौके पर श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि निजी विद्यालयों के उत्कृष्ट कार्य भुलाये नहीं जा सकते. उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों की जो समस्याएं हैं, उन्हें दूर किया जायेगा. उन्होंने कहा कि आज जो झारखंड की शिक्षा बेहतर है उसमें निजी विद्यालयों का भी रोल अहम है.

पासवा के शिक्षक सम्मान समारोह में श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता एवं पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैय्यद शमायल अहमद.

खास बातें

- झारखंड प्रदेश के 890 शिक्षक किये गये सम्मानित
- समारोह में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद ने बिहार/झारखंड के नीजि विद्यालयों का एक मजबूत संगठन बनाया है, जो सराहनीय है और इनके माध्यम से विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है जो और भी सराहनीय है. राष्ट्रीय अध्यक्ष, सैयद शमायल अहमद ने मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग किया कि पिछली सरकार ने जो नीजि स्कूलों को जमीन की बाध्यता लगाई है उसे खत्म किया जाए. नीजि स्कूलों को अगर जमीन की बाध्यता खत्म न गई तो शिक्षा जगत में गिरावट आ जायेगी. विशिष्ट अतिथि राजेश सिन्हा सन्नी ने संस्था के कार्य को सराहा. पासवा के राज्य महासचिव मसूद कच्छी ने भी अपने विचार रखा. मौके पर निशा भगत उपाध्यक्ष पासवा, मुमताज आलम, वर्किंग अध्यक्ष मास्टर उस्मान, तौफीक हुसैन, बीएनपी बरनवाल,प्रदीप कुमार, गौतम, ग्यासुद्दीन, हुसैन अंसारी, साबिर हुसैन आदि शामिल थे.

शहर के पूजा पंडाल

संग्राम क्लब के पूजा पंडाल में दिखेगी गमछे की कारीगरी

संवाददाता। रांची

संग्राम क्लब दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल में गमछे की कारीगरी दिखेगी. यहां बांस आदि से काल्पनिक मंदिर के रूप में पंडाल का ढांचा खड़ा किया जा चुका है. गमछे से सजावट की तैयारी चल रही है. पश्चिम बंगाल के राजू पाल अपने 25 सहयोगियों के साथ इसमें लगे हैं. बंगाल के शिल्पकार बेनू पाल भी सहयोगियों के साथ अलग अंदाज में मां की प्रतिमा गढ़ रहे हैं. एकचाला प्रतिमा की तर्ज पर मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा गढ़ी जा चुकी है. रंग-रोगन का काम चल रहा है. समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता और कार्यकारी अध्यक्ष नीरज वर्मा ने बताया कि पंडाल निर्माण में लगभग 50 थान से ज्यादा गमछी लगने की संभावना है. अजय ने बताया कि समिति 1969 से पूजा का लगातार आयोजन करती आ रही है. हर बाद कुछ अलग करने का प्रयास किया जाता रहा है. इस बार भी कुछ हट कर प्रयोग करने की तैयारी है. उन्होंने बताया कि पूजा स्थल के आस-पास दूर तक आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी. रंग-बिरंगी लाइटों से की गयी सजावट की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी. चाक-चौबंद व्यवस्था को लेकर समिति के पदाधिकारी और सदस्य मौके पर मुस्तैद रहेंगे. पूजा पंडाल के पीछे दर्शनार्थियों के खाने-पीने के लिए कई स्टाल लगाए जाएंगे. नीरज ने बताया कि इस बार पूजा का बजट दस लाख रुपया निर्धारित किया गया है. महासप्तमी को पंडाल का पट आम भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे.

गठित समिति में हैं शामिल : दिलीप चौधरी, डॉ अशोक लाल, इंद्र गुप्ता, पारस गुप्ता, उपेंद्र सिंह, प्रणय कुमार, डॉ राजेश गुप्ता, सुनील जायसवाल, गौतम तिवारी, आनंद चौधरी, लक्ष्मी केडिया, रंजन डिक्रूज, पूर्व पार्षद आशा देवी, प्रवीण कुमार, संयोजक संतोष गुप्ता, सह संयोजक अभिषेक राज संटी, अध्यक्ष अजय गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नीरज वर्मा,उपाध्यक्ष सुदीप नारायण गुप्ता, दीपू वर्मा, सुजीत शाही, गौरव सिंह छोटू, अविनाश वर्मा, सौरव गुप्ता,सचिव संजय गुप्ता,कोषाध्यक्ष अरुण वर्मा, सह कोषाध्यक्ष रविशंकर गुप्ता, विजय गुप्ता, सह सचिव सोनू कुमार, सौरव गुप्ता सोनू, प्रिंकेश शुब्बा, अमित कुमार बबलू,प्रचार मंत्री समीर वर्मा, शुभम रजक, अमित वर्मा, रितिक वर्मा, अमन वर्मा, सह प्रचार मंत्री सन्नी वर्मा, निखिल वर्मा, राहुल वर्मा, पूजा प्रभारी पंकज वर्मा, लक्ष्मण वर्मा, विजय सिंह, सपन डोगरा, सहित 21 कार्यकारिणी सदस्य का मनोनयन किया गया है, जिनमें राजेश वर्मा, गोपाल रजक, सुमन गुप्ता, पूरण वर्मा, अजय वर्मा, धीरज रजक, शेखर वर्मा, सूरज चौधरी, कमल रजक, दीपक गुप्ता, मंटू कुमार गुप्त, पंकज रजक, रवि रजक, राहुल गुप्ता, छोटू वर्मा, शंभू वर्मा, प्रमोद वर्मा, अमन कुमार, सुनील रजक, अनिल रजक शामिल हैं.

चुनाव में परेश गट्टानी और शैलेंद्र सुमन की टीम आमने-सामने

चैंबर के प्रत्याशियों ने किया जनसंपर्क, मांगा समर्थन

संवाददाता। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2024-25 के कार्यकारिणी समिति/क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन पूरे हो गये हैं. कुल 46 लोगों ने नामांकन किया है. इनमें 38 नामांकन कार्यकारिणी समिति के 8 क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के हैं. चैंबर आफ कामर्स के चुनाव में परेश गट्टानी और शैलेंद्र कुमार सुमन की टीम चुनावी मैदान में आमने सामने है. मालूम हो चैंबर का चुनाव 22 सितंबर को है. चुनाव के बाद ही यह तय होगा की जीत का सेहरा किसके सर सजेगा. परेश गट्टानी की टीम, शैलेंद्र कुमार सुमन की टीम तथा निर्दलीय प्रत्याशी अमित अग्रवाल ने बुधवार को अपने समर्थकों के साथ जन संपर्क अभियान चलाया. उन सभी सदस्यों ने सोशल मीडिया, टेलीफोनिक और डोरटूडोर कैंपेन चला कर लोगों से संपर्क कर मतदान की अपील की. उल्लेखनीय है कि टीम सदस्य मतदाताओं से मिल कर मतदान की अपील कर रहे हैं. मतदाताओं को मतदान का अधिकार और 1-1 मतदान के महत्व की जानकारी दे रहे हैं.

परेश गटानी टीम ने पदयात्रा कर की मतदान की अपील : चैंबर चुनाव में टीम परेश गट्टानी के प्रत्याशियों ने बुधवार को पंडरा बाजार में पदयात्रा कर, व्यापारियों से अपनी

टीम के सदस्यों के पक्ष में वोट की अपील की. पंडरा बाजार के व्यापारियों ने चैंबर की वर्तमान टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए, आभार जताया और आगामी चुनाव में अपना वोट टीम के प्रत्याशियों के पक्ष में देने के लिए आश्वस्त किया. चैंबर के महासचिव एवं वर्तमान अध्यक्षीय उम्मीदवार परेश गट्टानी ने पंडरा बाजार के साथ ही राज्य की सभी कृषि मंडियों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का कार्य कराने का भरोसा दिलाते हुए यह भी आश्वस्त किया कि प्रदेश में किसी भी स्थिति में मंडी शुल्क जैसे व्यावहारिक व्यवस्था लागू नहीं होने दी जायेगी. पदयात्रा में रांची चैंबर के अध्यक्ष संजय माहुरी,आलू प्याज थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष मदन कुमार सचिव रोहित कुमार,राम इकबाल और परेश गट्टानी के अलावा, आदित्य मल्होत्रा, अमित शर्मा, अनिल अग्रवाल, डॉ अभिषेक रामाधीन, ज्योति कुमारी, मुकेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, नवजोत अलग, प्रवीण लोहिया, राहुल सबू,राम बांगड़, रोहित अग्रवाल, रोहित पोद्दार, साहित्य पवन, शैलेश अग्रवाल, संजय अखौरी, सुनील केडिया, सुनील सरावगी, विकास विजयवर्गीय, विमल फोगला शामिल थे.

निर्दलीय प्रत्याशी अमित जनसंपर्क कर मांग रहें समर्थन : झारखंड चैंबर के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य के लिए अमित अग्रवाल पहली बार खड़े हैं. चुनाव 22 सितंबर को होना है, इस चुनाव को लेकर अमित अग्रवाल जन संपर्क अभियान चलाकर लोगों से समर्थन मांग रहे हैं. उन्होंने अपर बाजार, कपड़ा व्यवसाइयों, प्लाईवुड व्यवसाइयों आदि से अपने दोस्तों के साथ मुलाकात की. वहीं, अमित अग्रवाल सोशल मीडिया, टेलिफोनिक और डोर-टू-डोर कैंपेन चला कर चैंबर के सदस्यों से संपर्क साध कर अपनी बातों को रख रहे हैं. वे पिछले वर्ष चैंबर की स्टार्टअप उप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं. इनकी प्राथमिकता है कि झारखंड में एक सशक्त स्टार्टअप इकोसिस्टम का निर्माण हो एवं हजारों नए उद्यमियों को प्रोत्साहन मिले.

गोस्सनर कॉलेज में चार दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

रांची। गोस्सनर कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग और बायोइनोवेल लाइफसाइंस प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को चार दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रभारी प्रो. निशा रानी सोरेंग ने की. मुख्य वक्ता प्रो. देवाशीष साहू शामिल हुए. कहा कि कार्यशाला 18 से 22 सितंबर तक चलेगी, जिसमें एंजाइम की कैटालिटिक गतिविधियों के बारे में बताया जाएगा. इसमें औद्योगिक क्षेत्रों में भूमिका और जैविक प्रक्रिया में भागीदारी के महत्व और व्यावहारिक प्रदर्शन शामिल हैं. कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. रचना एक्का और सेतेंग हेमरोम की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

शिक्षकों के प्रति अनर्गल शब्द का प्रयोग गलत : संघ

रांची। झारखंड प्लस 2 शिक्षक संघ के अध्यक्ष योगेंद्र ठाकुर द्वारा माध्यमिक संवर्ग के शिक्षकों को निम्न वर्गीय कहने पर माध्यमिक शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त हैं. हाल ही में प्लस 2 शिक्षक संघ द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में प्राचार्य पद के सृजन के लिए सचिव, स्कूली शिक्षा को ज्ञापन दिया गया था, जिसमें उन्होंने माध्यमिक शिक्षकों के लिए अपमान जनक शब्द का प्रयोग किया था. झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष यशवंत विजय ने कहा कि उनके द्वारा लगातार माध्यमिक शिक्षकों के प्रति दुर्भावना से ग्रसित होकर इस तरह के अनर्गल शब्द का प्रयोग किया जाता है तो पूरे राज्य स्तर पर इसके लिए प्रतिकार किया जाएगा. राज्य गठन के बाद सिर्फ एक बार 2009 में कुछ पदों पर प्रधानाध्यापक की सीधी नियुक्ति हुई है, जबकि आज तक प्रोन्नति से इन विद्यालयों में कभी भी प्रधानाध्यापक की बहाली नहीं हुई है और आज ऐसी स्थिति हैं कि करीब 2500 से अधिक उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सृजित प्रधानाध्यापक के पदों पर सिर्फ 20 ही कार्यरत हैं और वह भी कुछ महीनों में सेवानिवृत्त हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि अविलंब इन विद्यालयों में पहले से सृजित प्रधानाध्यापक पद पर सीधी भर्ती और प्रोन्नति से भरने का कार्य किया जाए.

पूर्णमासी पर श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में हुआ तिरुमंजन महाभिषेक

संवाददाता। रांची

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में भादो पूर्णिमा व्रत के अवसर पर तिरुमंजन महाभिषेक हुआ. पूजा अनुष्ठान के बाद सताइस दीपों से युक्त नक्षत्र आरती के साथ ही कुंभ और कर्पूर से महाआरती की गयी. इससे पूर्व विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक विधि से पूजा अर्चना की गयी तथा सूजी हलवा, आलू और कद्दू का तरुवा, फल एवं मेवे का बालभोग अर्पित किया. साथ ही पुष्पों का शृंगार वेदों, उपनिषदों और देशिक स्तोत्रों से स्तवन किया गया. ऐसी मान्यता है कि जिस प्रकार मास की पूर्ति होने पर पूर्णमासी तिथि होती है. वैसे ही भगवान श्रीमन्नारायण की पूजा, अर्चना, आराधना आदि सेवा कर लेने से सभी व्रतों की पूर्ति हो जाती है. बुधवार को हुए इस महाभिषेक कार्यक्रम में यजमान रमेश धरनीधरका पत्नी शशि धरनीधरका रांची निवासी हुए. अर्चक के रूप में सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने विधिवत सारे अनुष्ठान को संपन्न कराया. इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने उपस्थिति दर्ज कराई और परमात्मा श्रियः पति श्रीपद्मावती वल्लभ भगवान श्रीनिवास की पूजा-अर्चना करके मनोरथों की पूर्ति के लिए मंगल प्रार्थना की.

शिक्षकों ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

चार सूत्री मांग को लेकर झारखंड कम्प्यूटर शिक्षक वेलफेयर एसोशिएशन के तत्वाधान में सैकड़ों आईसीटी (इंम्फोरमेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) के शिक्षकों ने बुधवार को राजभवन से लेकर कचहरी रोड तक अर्धनग्न होकर प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया. सभी शिक्षकों के हाथों मे तख्तियां थीं, जिनमें शिक्षकों को नजरंदाज करना बंद करो, हेमंत सोरेन हाय हाय लिखा हुआ था.

आईसीटी के अध्यक्ष अजय दॉ ने कहा कि झारखंड शिक्षा परिषद से इस योजना का टेंडर निकाला था, जो समग्र शिक्षा अभियान झारखंड के तहत आईसीटी परियोजना चल रही है. लेकिन इस योजना को चार निजी एजेंसियां चला रही हैं. इसमें एक्स्ट्रा मार्क एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, स्कूल नेट प्रालि, टीसीआई एल प्रालि और एडिक्स सोल्युशन प्रालि शामिल है. ये सभी एजेसियां राज्य के सरकारी स्कूलो में लगभग चार हजार शिक्षकों को पढ़ाने के लिए रखा है. ये सभी शिक्षक क्लास छह से लेकर बारहवीं तक के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर का बेशिक कोर्स को पढ़ाते हैं. इन्हीं शिक्षकों से राज्य के सरकारी स्कूल के शिक्षकों का काम होता है. इसमें मैट्रिक, इंटर परीक्षा का रजिस्ट्रेशन, स्कूल का पूरी जानकारी केंद्र सरकार को भेजने का काम करते हैं. इसके बावजूद आठ हजार मासिक वेतन पर सभी शिक्षकों को रखा गया है. ये सभी शिक्षक 2017 से राज्य के सरकारी स्कूल में कार्यरत है. धरने में शामिल रविंद्र सोनार ने कहा कि 22 अगस्त से राजभवन के सामने अपनी मांग को लेकर अनिश्चितकालीन प्रदर्शन कर रहे थे. लेकिन इन दिनों में सरकार का कोई पदाधिकारी नहीं पहुंचा. मजबूर होकर नंगधड़ंग प्रदर्शन करना पड़ा. चारों एंजेसियां मनमर्जी काम कर रही है.

राजभवन के समक्ष प्रदर्शन करते आइसीटी के आंदोलनकारी शिक्षक.

ये मांगें हैं

- न्यूनतम मजदूरी दी जाए.
- आईटीसी शिक्षकों का समायोजन किया जाए.
- सेवा विस्तार किया जाए.
- महंगाई भत्ता दिया जाए.
- महिलाओं को मातृत्व अवकाश दिया जाए.

झारखंड की सभी जनजातियां हिंदू हैं : पहलवान सिंह मुंडा

संवाददाता। रांची

महाराजा मदरा मुंडा सेवा संस्थान न्याय ट्रस्ट के अध्यक्ष बीना मुंडा की अगुआई में पाहनों की टीम बुधवार को देवड़ी मंदिर पहुंची, जहां पाहनों ने देवड़ी मंदिर में पूजा पाठ किया. झारखंड खुशहाल बना रहे, इसकी कामना की गई.इस अवसर पर उन्होंने देवड़ी मंदिर के पुजारी सुखराम पाहन से मिलकर बकरे की बलि प्रथा को बचाने का संकल्प लिया. देवड़ी मंदिर के आसपास के जनजातीय समुदायों से भेंट भी की. देवड़ी मंदिर को लेकर हो रहे विवाद के संबंध में लोगों से बातचीत की. इस अवसर पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पहलवान सिंह मुंडा ने कहा कि विश्व में 705 जनजातियां पाई जाती हैं . उनमें से 32 जनजातीय समुदाय के लोग झारखंड में रहते हैं .ये सभी हिंदू जनजाति में आते हैं. उन्होंने कहा कि हिंदू दो प्रकार के होते हैं. एक जनजातीय हिंदू और दूसरा सामान्य हिंदू. हिंदू जनजातियों की रूढ़ि प्रथा ही कानून है और सामान्य हिंदू के लिए अलग से कानून बना हुआ है. जनजाति हिंदू का धर्म रूढ़िप्रथा ही है. इसे कानून का रूप दे दिया गया है, जैसे सीएनटी एक्ट, एसपीटी एक्ट, पेसा कानून 1996, पांचवी अनुसूची.. ये सभी कानून कस्टमरी लॉ के अंतर्गत आते हैं. भारतीय संविधान में अनुच्छेद 13,17, 25, 244, 340, 341 है. ये सभी अनुच्छेद संविधान में अंकित हैं. जो जनजातीय हिंदू समाज का सुरक्षा कवच है, लेकिन कुछ संगठन इसे मिटाने और धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं.

मौके पर प्रदीप पाहन,, महेश्वर पाहन, पूर्व सेवा निर्मित उप विकास आयुक्त संग्राम बेसरा,, पहलवान मुंडा, रवि मुंडा, ललित मुंडा, झालो मुंडा, अमन मुंडा, प्रवीण पाहन, पूनम पहान, सीमा पहान, बीना कुमारी पहान, राजेंद्र पहान समेत अन्य शामिल थे.

मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य के खिलाफ युवा आजसू ने खोला मोर्चा

दिया धरना, कुलपति से की शिकायत

संवाददाता। रांची

युवा आजसू ने मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य के खिलाफ मोर्चा खोल लिया है. इसी क्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के समक्ष युवा आजसू के सदस्यों की ओर से बुधवार को धरना दिया गया. धरने के उपरांत रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात कर उन्हें मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य की मनमानी से अवगत कराया.

लगभग 2.5 घंटे तक धरना प्रदर्शन करने के बाद छात्र-छात्राओं ने युवा आजसू के महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया एवं प्राचार्य के छात्र-छात्राओं के प्रति उनके व्यवहार की जानकारी भी कुलपति को दी. कुलपति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य को छात्र-छात्राओं के लिए स्पेशल परीक्षा का आयोजन करवाने को लेकर एक पत्र भेजा.

मारवाड़ी कॉलेज के प्रशासनिक भवन के समक्ष धरना देते युवा आजसू के सदस्य.

छात्र -छात्राओं के हित में नहीं है कॉलेज का फैसला : अभिषेक

आजसू के रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला ने कहा कि मारवाड़ी महाविद्यालय के छात्र छात्राओं का बिना सेमेस्टर एक के बैकलॉग का रिजल्ट घोषित किए छात्र छात्राओं से सेमेस्टर तीन की परीक्षा लेने की तैयारी चल रही है, जो छात्र छात्राओं के हित में नहीं है . इस फैसले से मारवाड़ी महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र छात्राएं प्रभावित होंगे . प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से विशाल कुमार यादव, सुमित कुमार, विशाल कुमार गुप्ता, अनुज के अलावा दर्जनों की संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे .

जलसा हजरत कुतुबुद्दीन रिसलदार शाह बाबा का पांच दिवसीय 217 वां सालाना उर्स का आयोजन आज से

सदर के आवास से निकलेगी शाही संदल और सरकारी चादर

संवाददाता। रांची

डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसलदार शाह बाबा का पांच दिवसीय 217 वां सालाना उर्स 19 सितंबर से शुरू हो जायेगा. यह उर्स 23 सितंबर तक चलेगा. दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अय्यूब गद्दी, संयुक्त सचिव जावेद अनवर और कोषाध्यक्ष जैनुल आबेदीन, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन ने संयुक्त रूप से बताया कि उर्स की शानदार तैयारी की गई है. प्रथम दिन गुरुवार को गुसुल (फजर की नमाज के बाद) परचम कुसाई (3.30 बजे) सदर अय्यूब गद्दी के आवास से सरकारी चादर निकलेगी, जो डोरंडा क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए असर की नमाज के बाद बाबा के दर पर पुहंच कर चादर पेश की जायेगी. कव्वाल कौसर जानी व शहंशाह ब्रदर के बीच कव्वाली होगी. मजार शरीफ परिसर में इस्लामिक क्वीज, कीरत तकरीर का मुकाबला होगा. वह बुधवार को डोरंडा स्थित रिसालदार बाबा के कांफ्रेंस हॉल में पत्रकारों से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि मेले में बच्चों के लिए खिलौने, झूले हिंडोले के साथ सुनारी झूला भी लाया गया है. सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे होंगे. साथ ही प्रशासन से भी सुरक्षा की मांग की गई है. मेला परिसर में बिहार, ओडिशा, यूपी, झारखंड और कोलकाता के स्टाल भी सजेंगे, जहां खाने पीने की वस्तुओं के साथ सजावट, कपड़े, बर्तन आदि हर चीज मिलेगी.

गुरुवार को प्रशासन की टीम उर्स मेला परिसर में सुरक्षा के लिए पहुंचेगी. प्रशासन की टीम पूरे मेले परिसर का जायजा लेगी और सुरक्षा की व्यवस्था को बेहतर करेंगी, ताकि आने जाने वालों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो. पार्किंग के लिए डोरंडा ईदगाह के बाहर मैदान समेत आसपास की खाली जगहों को पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जायेगा, ताकि लोगों को गाड़ियां लगाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो.

वालंटियर सदस्य करेंगे लोगों की खिदमत : दरगाह कमेटी की ओर से जायरीनों एवं लोगों की सुविधा के लिए वालंटियर सदस्यों की टीम बनाई गई है. यह टीम मेले में आने वाले लोगों एवं जायरिनों की मदद करेंगे. दरगाह परिसर तक पहुंचाने, भीड़ की वजह से आने जाने में होने वाली परेशानी के हल के लिए वालंटियर सदस्य खिदमत का कार्य करेंगे.

पत्रकारों को उसर्स के संबंध में जानकारी देते दरगाह कमेटी के पदाधिकारी.

23 को सीएम की ओर से होगी चादरपोशी

23 सितंबर को सुबह 5 बजे कुल वा फातिहा खानी और मिलाद शरीफ होगी . दोपहर 2 बजे लंगर खानी, रात 9 बजे मुंबई के कव्वाल जुनैद सुलतानी व मुज्तबा अजीज नाजा के बीच महामुकाबला होगा . इससे पूर्व राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा के मजार पर चादरपोशी करेंगे और मंच पर कव्वाली के महामुकाबला का विधिवत उद्घाटन करेंगे . मौके पर मजार शरीफ कमेटी के अध्यक्ष अय्यूब गद्दी, सचिव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, बेलाल अहमद, संयुक्त सचिव जुल्फेकार अली भुट्टो, मो सादिक, कोषाध्यक्ष जैनुल आबेदीन (राजा),पप्पू गद्दी आदि शामिल थे .

ईद मिलादुन्नबी के जुलूस की सफलता के लिए जताया आभार

पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ आभार व्यक्त करते एदारा शरिया के सदस्य.

संवाददाता। रांची

इदारे शरिया के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी के अध्यक्ष डॉ मौलाना ताजुद्दीन रिजवी, महासचिव अकीलुर्रहमान ने लगातार हो रही बारिश के बावजूद लब पर दरूदो सलाम पढ़ते आमद ए मुस्तफा, नारे तकबीर, नारे रिसालत का नारा लगाते रांची की सड़कों पर हरा झंडा लहराते हुए अमन शांति का पैगाम देते हुए जुलूस निकाले गए. उन्होंने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस की सफलता के लिए जुलूस में शामिल सभी मस्जिदों के इमाम ओहदेदारों तंजीम, इदारों अंजुमनों खनकाओं, जिम्मेदारों सहित जुलूस के इस्तकबाल के लिए शिविर लगाने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया है.

केंद्र सरकार की चुनौतियां

एनडीए सरकार के समक्ष चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है. सरकार के सौ दिन पूरे होते ही केंद्र सरकार ने एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी दे दी है. बावजूद इसके कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब जरूरी है. जाति जनगणना, बेरोजगारी, बढ़ती आर्थिक असमानता वे चुनैतियां हैं, जिनका सामना यह सरकार कर रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों के बीच सरकार के कई फैसलों पर गठबंधन की गांठें नजर आई हैं. इसके साथ ही सहयोगी दलों के मुद्दों और भाजपा के एजेंडे का अंतरविरोध भी साफ-साफ दिखने लगा है. जाति जनगणना के सवाल को ही ले लीजिए. साफ दिख रहा है कि भाजपा के नजरिए और कुछ सहयोगी दलों के नजरिए में अंतर हैं. चंद्रबाबू नायडु की पार्टी जहां जाति जनगणना के पक्ष में है, वहीं भाजपा ने इस पर मौन साध रखा है या फिर वह इस एजेंडे को देश के लिए घातक बताती है. जाति जनगणना के सवाल पर नीतीश कुमार, चिराग पासवान सहित कुछ अन्य दल समर्थन में हैं. यहां तक आरएसएस ने भी जाति जनगणना के लिए हरी झंडी दिखा दी है. सौ दिनों में केंद्र सरकार इस सवाल पर कोई भी सार्थक और निर्णायक फैसला करने में कामयाब नहीं हुई है. एक दशक की स्वच्छंद कार्यशैली के बाद अब भाजपा सहयोगी दलों पर निर्भर नजर आ रही है. कहीं न कहीं बदले हालात में पार्टी कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई. लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को बेफिक्र दिखाने की बेताब कोशिश में पार्टी ने एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे- एक राष्ट्र, एक चुनाव- के मुद्दे को प्रमुख बना दिया है. पिछले दिनों स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिए एकजुट होने की अपील की थी. उन्होंने कहा था कि देश में वर्ष पर्यंत चलने वाले चुनाव भारत की प्रगति में बाधक बन रहे हैं. कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है. अब इसे राजग का आशावाद कहें या अति आत्मविश्वास, जो उन्हें इस तथ्य को नजरअंदाज करने देता है कि कई राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराने का विरोध किया था. निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है. सर्वविदित है कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जनाधार बढ़ाने के बावजूद भाजपा देश का प्रमुख राजनीतिक दल बना हुआ है. राजनीतिक विश्लेषक राजग सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव की मुहिम के पीछे ऐसी ही सोच बताते हैं. यह संयोग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री के 74वें जन्मदिन के दिन ही एक सौ दिन पूरे किए हैं.

जाति जनगणना, बेरोजगारी, बढ़ती आर्थिक असमानता वे चुनैतियां हैं, जिनका सामना यह सरकार कर रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों के बीच सरकार के कई फैसलों पर गठबंधन की गांठें नजर आई हैं.

सुभाषित

पातितोऽपि कराघातै- रुत्पतत्येव कन्दुकः।
प्रायेण साधुवृत्तानाम- स्थायिन्यो विपत्तयः ॥

हाथ से पटकी हुई गेंद भी भूमि पर गिरने के बाद ऊपर की ओर उठती है, सज्जनों का बुरा समय अधिकतर थोड़े समय के लिए ही होता है. इसलिए यदि समय प्रतिकूल हो जाये तो धैर्य का त्याग नहीं करना चाहिए. कविवर रहीम ने भी कहा है-साईं चुप ह्वै बैठिए देखि दिनन का फेर, जब नीके दिन आइहैं बनत न लगिहैं देर.

विकेंद्रित अर्थव्यवस्था की जरूरत

स्वदेशी की संकल्पना से प्रेरित इस तकनीकी द्वारा उत्पादन के लिए न तो बड़ी पूंजी की जरूरत रहती है, न बड़ी संख्या में श्रमिकों को भाड़े पर नियोजित करने की और न ही उसे उपभोक्ता तक पहुंचाने के लिए किसी बड़ी मध्यवर्ती संस्था की. इस तकनीक की मूल प्रवृत्ति स्वामी और श्रमिक के भेद को ही समाप्त करने की ओर उन्मुख रहती है. कह सकते हैं कि स्वामी, श्रमिक और विक्रेता तीनों एक ही हो जाते हैं.

• देश-काल

नंद किशोर आचार्य

अर्थशास्त्र का सम्बन्ध जहां, एक ओर, उत्पादन की शक्तियों अर्थात् प्रौद्योगिकी से होता है, वहीं दूसरी ओर, उत्पादन के साधनों पर स्वामित्व और उत्पादन से होने वाले लाभ के वितरण से भी है. इस सम्बन्ध में कार्ल मार्क्स की यह स्थापना बहुत महत्वपूर्ण है कि उत्पादन शक्तियों के आधार पर ही उत्पादन-सम्बन्धों का निर्धारण होता है. इसका अर्थ यह है कि प्रौद्योगिकी स्वयं ही अपने स्वामित्व और उत्पादन से होने वाले लाभ के वितरण के बारे में दिशा-संकेत दे देती है. जब हम विशाल पैमाने के उत्पादन की ओर उन्मुख केन्द्रीकरण के स्वभाव वाली प्रौद्योगिकी भी स्वीकार करते हैं तो स्वाभाविक हैं स्वामित्व का स्वरूप भी केन्द्रीकृत हो जाता है-फिर चाहे उसके केन्द्रीकरण का स्वरूप निजी स्वामित्व यानी पूंजीवादी प्रकार का हो या राजकीय स्वामित्व अर्थात् समाजवादी प्रकार का.

इस केन्द्रीकृत स्वामित्व के कारण लाभ के वितरण के सवाल पर स्वामी और श्रमिक में संघर्ष बना रहता है- एक रूप में यह संघर्ष पूंजीपति के विरुद्ध होता है तो दूसरे रूप में राज्य के विरुद्ध भी हो सकता है अर्थात् पूंजी और श्रम के सम्बन्ध संघर्षपूर्ण बने रहते है. लेकिन महात्मा गांधी जिस उत्पादन तकनीकी का आग्रह करते हैं, उस में उत्पादन के साधनों पर केन्द्रीकृत स्वामित्व की सम्भावना ही नहीं रहती, जिसका अर्थ यह है कि यह तकनीकी शोषण का माध्यम बन ही नहीं सकती. स्वदेशी की संकल्पना से प्रेरित इस तकनीकी द्वारा उत्पादन के लिए न तो बड़ी पूंजी की जरूरत रहती है, न बड़ी संख्या में श्रमिकों को भाड़े पर नियोजित करने की और न ही उसे उपभोक्ता तक पहुंचाने के लिए किसी बड़ी मध्यवर्ती संस्था की. इस तकनीकी की मूल प्रवृत्ति स्वामी और श्रमिक के भेद को ही समाप्त करने की ओर उन्मुख रहती है. कह सकते हैं कि स्वामी, श्रमिक और विक्रेता तीनों एक ही हो जाते हैं.

इस प्रौद्योगिकी से प्रसूत उत्पादन-सम्बन्धों के कारण पूंजी का शोषणकारक केन्द्रीकरण सम्भव नहीं रहता और लाभ के समान वितरण अर्थात् आर्थिक समानता का आदर्श बड़ी हद तक स्वयं ही लागू हो जाता है. दरअसल ऐसी समान-व्यवस्था को वास्तविक न्यायपूर्ण व्यवस्था कहना चाहिए जिस आर्थिक प्रक्रिया में शोषण की गुंजाइश ही न रहे. महात्मा गांधी स्वदेशी पर आश्रित जिस ग्राम-केन्द्रित अर्थ-व्यवस्था की बात करते हैं, उसे वह इसी तरह के शोषण-मुक्त काम-धन्धों के आधार पर संगठित मानते हैं. उन्हीं के शब्दो में 'मेरी दृष्टि में, उस गुण का कोई मूल्य नहीं रह जाता, जो केवल व्यक्तियों तक सीमित हो या उस पर आचरण करना केवल व्यक्तियों के लिए ही सम्भव हों.' 'वैयक्तिक गुण तो केन्द्रीकृत व्यवस्था में भी कुछ लोगों में रह सकते हैं, पर अपनी सारी सदाशयता के बावजूद, वह हिंसक व्यवस्था को ही बदलने के प्रयास में शामिल नहीं होता. इसी बात को स्पष्ट करते हुए गांधीजी कहते हैः 'बड़े पैमाने की मशीनें एक आदमी के हाथ में धन का केन्द्रीकरण कर देती हैं, जो बाकी लोगों पर हुकूमत चलाता है और वे उसकी गुलामी करते हैं. हो सकता है कि वह अपने कारीगरों के लिए आदर्श परिस्थिति पैदा करने का प्रयास करे, पर तब भी शोषण तो वह करता ही है, जो हिंसा का ही एक रूप है. लेकिन, हम जानते हैं कि वर्तमान समाज की आर्थिक संरचना आधुनिक तकनीक की ओर उन्मुख है, अतः वहां श्रम और पूंजी के हिंसात्मक सम्बन्धों के सवाल का हल किस प्रकार सम्भव हो सकता है? साथ ही, स्वयं गांधीजी भी यह मानते हैं कि स्वदेशी वाली ग्रामोद्योगी आर्थिक व्यवस्था में भी उनकी सहायता करने तथा हाड़तोड़ श्रम के निराकरण के लिए कुछ भारी उद्योगों की भी आवश्यकता पड़ेगी ही, अतः उनके स्वामित्व और लाभ के समतामूलक वितरण का सवाल अहिंसा की दृष्टि से हल करने पर भी विचार जरूरी होगा. क्या गांधीजी इस बारे में कुछ सुझाते हैं?

माझा और 'ईशावास्यम् इदम् सर्वम्' की अवधारणाओं से महात्मा ती स्वामित्व के सवाल का एक ऐसा समाधान प्रस्तुत करते हैं, जो वित्त वैयक्तिक सदाशयता पर निर्भर न रहकर एक सांस्थानिक परिवर्तन बन जाता है. इसे गांधीजी ने 'न्यासिता' कहा है. बासिता एक प्रकार का 'अनासक्त स्वामित्व' है. महात्मा गांधी यह मानते हैं कि वर्तमान में आर्थिक साधनों पर स्वामित्व रखने वाले पूंजीपतियों और भूमि-मालिकों को एक न्यासी की तरह व्यवहार करना चाहिए और अपनी पूंजी को एक न्यास में परिवर्तित कर देना चाहिए. वह पूंजीपतियों का आह्वान करते हैंः 'मैं उन व्यक्तियों को, जो आज अपने आपको मालिक समझ रहे हैं, न्यासी के रूप में काम करने के लिए आमंत्रित कर रहा हूं अर्थात् यह आग्रह कर रहा हूं कि वे स्वयं को अपने अधिकार की बदौलत मालिक न समझें, बल्कि उन के अधिकार की बदौलत मालिक समझें, जिस का उन्होने शोषण किया है.' गांधीजी के इस कथन से यह भी ध्वनित हो जाता है कि न्यासिता एक प्रकार से मालिकों द्वारा शोषण से उत्पन्न पाप का प्रायश्चित भी है. इस प्रकार गांधीजी मालिकों के नैतिक बोध को जागृत करने कर प्रयास करते हैं. उनके अनुसार जैसे कोई धर्म के अनुकूल आचरण नहीं करता है, वह धर्म की नहीं, संदर्भित व्यक्ति की कमज़ोरी है, उसी प्रकार यदि धनवान लोग न्यासिता के सिद्धान्त के अनुसार काम नहीं करते हैं तो इससे सिद्धान्त की नहीं, धनवानों की दुर्बलता सिद्ध होती है.

मालिकों के हृदय-परिवर्तन के प्रयास को ही अहिंसा का एक मात्र-रूप मान लेने के कारण यह भ्रम उत्पन्न होता है कि न्यासिता का सिद्धान्त एक आदर्श कल्पना अवश्य है, पर उसे व्यावहारिक रूप नहीं दिया जा सकता, क्योंकि बहुत कम उद्योगपति ऐसे होंगे जो स्वेच्छापूर्वक इसे मानने को प्रस्तुत होंगे. लेकिन हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि, स्वयं महात्मा गांधी के अनुसार, शिक्षण या समझाना-बुझाना एकमात्र अहिंसक उपाय नहीं है. न्यासिता के सिद्धान्त को व्यावहारिक रूप देने के लिए महात्मा गांधी त्रिआयामी कार्यक्रम प्रस्तावित करते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | ओशो

समर्पण मार्ग और चेतन

यदि मैं आपको अपना धन छोड़ने को कहूं, तो आप वही धन छोड़ सकते हैं, जिसका कि आपको पता है कि आपके पास है. कैसे आप वह धन छोड़ सकते हैं, जो कि खजाने में छिपा पड़ा हैं. जिसका कि आपको कुछ पता नहीं है कि आपके पास है? इसलिए केवल चेतन मन का चेतन हिस्सा ही समर्पित किया जा सकता है, और वह चेतन मन ही बाधा है. यदि मैं आपसे कुछ कहता हूं तो आपका चेतन मन सोचने लगता है कि यह बात सही है या गलत? सच है या झूठ? और यहां तक कि यदि यह सच भी है, तो भी मन में ख्याल उठने लगेगा कि इस आदमी का इस बात के कहने से क्या मकसद है? यह मुझसे क्या चाहता है? बहुत सी वस्तुएं, बहुत से प्रश्न, बहुत सी शंकाएं पैदा होंगी और चेतन मन प्रतिरोध पैदा करता रहेगा. यदि आपको सम्मोहन के बारे में थोड़ा भी पता है तो आपको मालूम होगा और आपने अवश्य अनुभव किया होगा कि सम्मोहन में सम्मोहित व्यक्ति से जो भी कहा जाए, वह करेगा-कुछ भी, कोई बिल्कुल व्यर्थ की बात भी. क्यों? सम्मोहित अवस्था में, चेतना मन सो जाता है. केवल अचेतन मन होता है. बाधा टूट गई होती है. सम्मोहन में आपका चेतन मन सो जाता है, वह वहां होता ही नहीं. इसलिए, सम्मोहन में यदि आप पुरुष भी हैं और मैं आपसे कहता हूं-तुम स्त्री हो-तो आप एक स्त्री की तरह व्यवहार करेंगे. आप स्त्री की भांति चलने लग जाएंगे, शर्मीले हो जाएंगे. आपका चलना-फिरना ज्यादा खूबसूरत हो जाएगा. ज्यादा स्त्रियों जैसा हो जाएगा. आपकी आवाज भी बदल जाएगी. क्या हो गया है? चेतन मन जो कि शंका पैदा करता, जो कि मुझसे कहता, क्या मूर्खता की बात करते हैं, मैं पुरुष हूं, न कि स्त्री! वह सो गया है. और अचेतन मन की कोई शंका नहीं है, अचेतन बिल्कुल ही श्रद्धालु है. उसकी श्रद्धा, उसका विश्वास पूर्ण है. अचेतन में कोई तर्क भी नहीं है. वह कोईप्रतिरोध नहीं कर सकता, इसलिए जो कुछ भी कहा जाता है, उस पर विश्वास कर लिया जाता है. कोई समस्या नहीं है. इसीलिए इतना जोर दिया जाता है श्रद्धा पर. वह समर्पण के मार्ग का सूत्र है. उसका संबंध समर्पण के मार्ग से है. समर्पण के मार्ग पर जो कुछ कहा जाता है, उस पर विश्वास कर लिया जाता है. दिन है और गुरु कहता है कि रात है. तो विश्वास कर लो.

गंभीर मुद्दा है विदेश गमन की प्रतिस्पर्धा

• विमर्श

सुरेश सेठ

भारत की युवा आबादी पूरी कार्यशील आबादी का आधा हिस्सा है. 'कार्यशील' इसलिए क्योंकि देश में एक बड़ी संख्या ऐसी है जो सकल घरेलू उत्पाद में योगदान नहीं देती. देश की आधी आबादी महिलाएं हैं और आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि हम उनकी क्षमताओं का आधे से भी कम उपयोग कर रहे हैं. यदि हम इस शक्ति का प्रभावी ढंग से उपयोग करें, तो संभव है कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने में बहुत कम समय ले.35 साल तक की उम्र की आबादी देश की वह श्रेणी है जिसमें काम करने की पूरी सामर्थ्य होती है. लेकिन इस सामर्थ्य का उचित उपयोग देश में नहीं हो रहा है. ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई बेरोजगारी एक ज्ञात समस्या है. जब नौजवान खेतों में काम करते हैं, तो इससे खेतों की कुल आय में कोई वृद्धि नहीं होती. इसका मतलब यह है कि अगर ये लोग खेतों को छोड़कर किसी अन्य व्यवसाय में चले जाएं, तो कृषि के स्तर पर कोई महत्वपूर्ण गिरावट नहीं आएगी. लेकिन सवाल यह है कि वे जाएं कहां?देश में कोविड महामारी की मार से प्रभावित महानगरों की कामगार आबादी, जो गांवों में आश्रय खोजने आई थी, अब भी उसी तलाश में है. दावों के बावजूद, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में न तो लघु और कुटीर उद्योगों का विकास हुआ है और न ही फसलों के विनिर्माण की छोटी-छोटी फिनिश्ड पार्टिकल बनाने वाली फैक्ट्रियां कस्बों में स्थापित हो पाई हैं. डिजिटल भारत के युग में निवेशकों की अपेक्षाएं इतनी बदल गई हैं कि विश्वविद्यालयों से पारंपरिक शिक्षा प्राप्त करने वाले युवा खुद को बेकार महसूस करते हैं और उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा. जैसे-जैसे रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत में अपनी जड़ें जमा रही हैं, इस आबादी के लिए उचित रोजगार पाने में और भी कठिनाई होगी. अब नौजवानों का सपना विदेशी मुद्रा की चमकती धरती की ओर उड़ान भरना है. खाड़ी देशों के दीनार भी उन्हें लुभाते हैं. आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए वे इन देशों की ओर पलायन का सपना देखते हैं. इस बीच, कई एजेंसियां भारत में उभर आई हैं, जो वैध या अवैध तरीके से विदेश भेजने का दावा करती हैं.पिछले साल से, कनाडा, जो विदेशों में सबसे बड़ा आश्रय देने वाला देश माना जाता है, ने भारत से पलायन करने वाले युवाओं के लिए अपनी नीतियों में बदलाव किया है. अब कनाडा में भारत से आने वाले छात्रों के लिए वीजा की संख्या 3.6 लाख तक सीमित कर दी गई है, और उनके आव्रजन की लागत भी बढ़कर 22-23 लाख रुपये से 37 लाख रुपये तक पहुंच गई है. इसके साथ ही, डिग्री पूरी करने के बाद छात्रों को अब वहां वर्क परमिट के लिए आवेदन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है. चाहे यह सूचना पुष्ट हो या अपुष्ट, वास्तविकता यही है कि इंग्लैंड, अमेरिका, और कनाडा अभी भी भारतीय युवाओं के पलायन के लिए सबसे आकर्षक स्थल माने जाते हैं. जबकि वैध तरीके से जाने की प्रक्रिया कठिन होती जा रही है, अवैध तरीके से पलायन करने वाले 'डंकी रूट' तेजी से बढ़ रहे हैं.पिछले दिनों दावा किया गया कि दिसंबर, 2023 से अब तक 5,000 से अधिक भारतीय अवैध रूप से कनाडा की सीमा पार करके अमेरिका में प्रवेश कर चुके हैं. अमेरिका की बड़ी सीमा दो प्रमुख स्थानों पर है : एक मैक्सिको के साथ और दूसरी कनाडा के साथ. कनाडा की सीमा लगभग 9,000 किलोमीटर लंबी है, और इतनी लंबी सीमा पर आव्रजन को पूरी तरह से नियंत्रित करना मुश्किल होता है. इसके विपरीत, मैक्सिको की सीमा इसके आधे आकार की है. यही दो सीमाएं हैं जहां अवैध प्रवासन के 'डंकी रूट' प्रचलित हैं. कोशिश यही है कि वहां अवैध तरीके से काम करके धीरे-धीरे वर्कफोर्स में शामिल हो जाएं. अमेरिका में उद्यमियों को ऐसे कार्यबल को बहुत कम दाम पर काम पर रखना लाभदायक होता है, जिससे उनके लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन जाता है.शरण मांगने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है. 2022 से इंग्लैंड में शरण मांगने वालों की संख्या 136 प्रतिशत बढ़ गई है, और 2023 में 1,319 अन्य नागरिकों ने शरण मांगी, जो सभी कनाडा से ट्रांजिट कर अमेरिका पहुंचे थे. ये सभी अवैध तरीके से विदेशी जमीन पर अपने ठिकाने की तलाश में हैं.विश्व के कई देशों ने अपनी आव्रजन नीतियां सख्त कर दी हैं, लेकिन अवैध घुसपैठ का यह नया धंधा, जो विदेशी सरहदों से दूसरे देशों में जा रहा है, भारत की छवि को धूमिल करता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

डिजिटल भारत के युग में निवेशकों की अपेक्षाएं इतनी बदल गई हैं कि विश्वविद्यालयों से पारंपरिक शिक्षा प्राप्त करने वाले युवा खुद को बेकार महसूस करते हैं और उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा. जैसे-जैसे रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत में अपनी जड़ें जमा रही हैं, इस आबादी के लिए उचित रोजगार पाने में और भी कठिनाई होगी.

एफ-16 फाइटर जेट देने को अमेरिका तैयार

• सुरक्षा

राकेश चौरासिया

अमेरिका के प्रशांत एयरफोर्स बेड़े के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल डेविड ए पिफारेरिओ ने 12 सितंबर को कहा कि अमेरिका भारत को एफ-16 फाइटर जेट का लेटेस्ट वर्जन देने के लिए तैयार है. तुर्की ने रूस से एस-400 खरीदा, तो अमेरिका ने उसे एफ-35 क्लब से निकाल दिया, क्योंकि अमेरिका को तुर्की के एस-400 से एफ-16 और एफ-35 की 'ट्रेकिंग एंड एंगेजमेंट कैबेबिलिटीज' के रहस्य खुलने की 'घोषित आशंका' थी. मगर अमेरिका अब क्यों भारत पर लाड़ बरसा रहा है? भारत के पास भी तो एस-400 है. सारी दुनिया को मालूम है कि अमेरिका किसी को जरूरत पड़ने पर अपना 'बुखार' तक नहीं देता है. मगर, तेजी से बदली भू-राजनीति के कारण अमेरिका असहाय महसूस कर रहा है. अमेरिका अपनी चालाकियों के कारण खाड़ी देशों में अपनी 'विश्वसनीयता' गंवा चुका है. और अब उसने भारत के छत्ते में भी हाथ डाल दिया है. इसके बाद, प्रतिक्रियास्वरूप, वह भारत की कूटनीति और तेवरों से घबराया हुआ है.इन दिनों कुछ चीजें तेजी से घटीं. आईए, उन पर नजर डालते हैं -\चीन ने भारत के एनएसए अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच उच्च स्तरीय वार्ता के बाद पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ गलवान घाटी सहित 4 प्रमुख क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी की पुष्टि की है. एनएसए डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की. जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि ''भारत और चीन लद्दाख गतिरोध को तत्काल हल करने का प्रयास कर रहे हैं और.... दोनों राष्ट्र पूर्वी लद्दाख में सीमा क्षेत्रों से पूर्ण विघटन को साकार करने के लिए तत्परता से काम करने और प्रयासों को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं.'' दोनों ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र में स्थिरता के लिए दोनों के बीच अच्छे संबंध आवश्यक हैं.उसके बाद खबर आई कि वाशिंगटन ने इस्लामाबाद के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के आपूर्तिकर्ताओं को निशाना बनाया. अमेरिका ने इस्लामाबाद के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई पाकिस्तानी और चीनी कंपनियों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिसके बारे में अमेरिका को लगता है कि इससे क्षेत्रीय अशांति पैदा होगी.भारत अब तक रूस और अमेरिका-पश्चिम के बीच संतुलन बना रहा था. लेकिन भारत के आंतरिक मामलों में अमेरिका का लगातार और हस्तक्षेप बढ़ा.हाल ही में बांग्लादेश में आईएसआई के माध्यम से अमेरिका द्वारा तख्तापलट किया गया. भारत की दाहिनी बांह पाकिस्तान को उसके जन्म के समय से ही अमेरिका ने अपनी गिरफ्त में लिया था. अब उसने भारत की बाईं बाजू बांग्लादेश को भी मरोड़ दिया है. अमेरिका ने पश्चिमी पाकिस्तान का इस्तेमाल करके फिर से पूर्वी पाकिस्तान बनाया. यह चीन को भी पसंद नहीं आया, क्योंकि वह भी बांग्लादेश में हितधारक है.चुनावी दौर में भारत में अमेरिकी राजदूत की कुछ 'मुलाकातें' संदिग्ध नजरों से देखी गई हैं.अमेरिका की इन करतूतों को मोदी सरकार ने अच्छी तरह से नहीं लिया है. अमेरिका भी इसे जानता है. अमेरिका अब संभावित भारत, रूस और चीन के गठजोड़ के खतरे को भांप रहा है. इसलिए पहले जो बाइडेन ने 21 सितंबर को विलमिंगटन, डेलावेयर में 'क्वाड' नेताओं की मेजबानी करने की पेशकश की है.एफ-16 का ऑफर बुरा नहीं है. एफ-16 दुनिया के सबसे भरोसेमंद और बहुमुखी लड़ाकू विमानों में से एक है. इसकी रेंज, गति और हथियारों की क्षमता इसे हवाई युद्ध के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाती है. एफ-16 मेंनवीनतम तकनीक लगी होती है, जिससे यह हवाई हमलों और जमीनी लक्ष्यों को निशाना बनाने में काफी प्रभावी है. एफ-16 भारतीय वायु सेना की क्षमताओं को बढ़ा सकता है और उसे क्षेत्रीय शक्तियों के साथ कदम मिलाने में मदद कर सकता है.चीन इस समय ताईवान के साथ उलझा हुआ है. इसलिए वह भारत से बेहतर संबंधों का इच्छुक है. ताकि उसे 'दो मोर्चों' पर न उलझना पड़े. किंतु चीन पर भी इतनी आसानी से 'विश्वास' नहीं किया जा सकता है. चीन की बढ़ती शक्ति और आक्रामक रुख को देखते हुए भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोगियों की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना है, तो एफ-16 से भारतीय वायुसेना की क्षमताओं में बढ़ोतरी होगी और क्षेत्रीय संतुलन बनेगा.भारत वर्तमान में अपने पुराने लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने और नई पीढ़ी के विमानों को शामिल करने की प्रक्रिया में है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एफ-16 दुनिया के सबसे भरोसेमंद और बहुमुखी लड़ाकू विमानों में से एक है. इसकी रेंज, गति और हथियारों की क्षमता इसे हवाई युद्ध के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाती है. एफ-16 में नवीनतम तकनीक लगी होती है, जिससे यह हवाई हमलों और जमीनी लक्ष्यों को निशाना बनाने में काफी प्रभावी है.

मीडिया में अन्यत्र

हड़ताल पर ममता बनर्जी की पहल के मायने

पांच कोशिशों के बाद, 16 सितंबर को ममता सरकार आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों से बात करने में आखिरकार सफल रही. उनकी ज्यादातर मांगों के आगे झुकते हुए, जिनमें कोलकाता पुलिस आयुक्त और स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों को बदलने की मांग भी शामिल है, मुख्यमंत्री ने लोगों की जिंदगी के लिए उनसे ड्यूटी पर लौटने का निवेदन किया. बीते 9 अगस्त को अपनी एक साथी के बलात्कार और हत्या मामले में इंसाफ की मांग करते हुए, डॉक्टर काम बंद आंदोलन पर हैं, जो नागरिक समाज और अन्य जमीनी संगठनों के समर्थन से एक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है. कई 'रात दखल' मार्च और दूसरी रैलियों के अलावा, डॉक्टरों ने स्वास्थ्य भवन (स्वास्थ्य सचिवालय) का घेराव कर रखा है, और दो दिन की मूसलाधार मानसूनी बारिश के दौरान भी आंदोलन खत्म नहीं किया गया. पूरे शहर से लोग पानी, तंबुओं, फोल्डिंग चारपाइयों, बिस्तर और भोजन के साथ घेराव स्थल पर जमा हैं. हालांकि वरिष्ठ डॉक्टरों, नर्सों और परिचारकों ने सरकारी अस्पतालों की मदद के लिए अतिरिक्त समय दिया है, लेकिन दबाव दिख रहा है, और जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल खत्म करने की मांग उठ रही है. उपनगरों और जिलों से लोग कोलकाता के शीर्ष सरकारी अस्पतालों में बड़ी तादाद में पहुंचते हैं. बाह्य रोगी विभाग में आमद धीरे-धीरे बढ़ी है, लेकिन नियोजित सर्जरी अब भी लंबित हैं. 7,000 से 10,000 जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल पर होने के मद्देनजर, सरकार को यह गतिरोध पहले ही खत्म करने के लिए और बहुत कुछ करना चाहिए था.दोनों पक्षों के बीच भरोसे की भारी कमी है. और, सीबीआई के मामला अपने हाथ में लेने से पहले, बलात्कार और हत्या की जांच को शुरुआती चरण में जिस तरह संभाला गया, खासकर अस्पताल प्रशासन और सरकार द्वारा भी लीपापोती देखी गयी, उसने डॉक्टरों को और भी ज्यादा विमुख कर दिया. आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को गिरफ्तार किया जा चुका है. लेकिन सरकार अगर दूसरी मांगों को गंभीरता के साथ पूरा करना चाहती है तो उसे बहुत काम करना होगा. डॉक्टरों की निरापदता व सुरक्षा बढ़ाने और सरकारी अस्पतालों में व्याप्त "धमकी की संस्कृति" खत्म करने के लिए समय, धन और इच्छाशक्ति की जरूरत होगी.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सुर/सूर/शूर

प्रसिद्ध गायक येशुदास और हेमलता की लहराती बलखाती आवाज में यह गाना बचपन से ही सुनता आ रहा हूं-तू जो मेरे सुर में सुर मिला ले, संग गा ले तो जिंदगी हो जाये सफल. रवींद्र जैन द्वारा लिखित इस गाने को जब मैंने आज अचानक सुना तो मेरा ध्यान उस शब्द पर गया, जिसपर बहुत अधिक जोर गीतकार और गायक-गायिका ने दिया है. वह शब्द है 'सुर'. इस शब्द का प्रयोग कई फिल्मी गीतों में मिलता है, लेकिन प्रायः सबों में स्वर या आवाज के अर्थ में ही. वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार सुर शब्द का अर्थ है-स्वर, आवाज, लेकिन ध्यान देने की बात यह है कि इस अर्थ में प्रयुक्त सुर तद्भव शब्द है. तद्भव का मतलब संस्कृत के किसी मूल शब्द से निकला हुआ हिंदी शब्द. इस सुर का मूल संस्कृत शब्द स्वर है. ऊपर के गीत में एक मुहावरे का प्रयोग भी है-सुर में सुर मिलाना, जिसका मतलब होता है हां में हां मिलाना, किसी का समर्थन करना. वैसे सभी शब्दकोशों और वाक्य प्रयोगों में सुर का रूप तत्सम भी है. तब इस शब्द का अर्थ है-देवता, देवमूर्ति, सूर्य, मुनि. इस सुर शब्द के पहले अक्षर 'स' में ह्रस्व 'उ' की मात्रा न लगाकर दीर्घ 'ऊ' की मात्रा लगा दें तो इसका अर्थ बदल जाता है. तब इसका रूप हो जाता है सूर. इस शब्द का अर्थ रेख्ता शब्दकोश के अनुसार होगा-खुशी, प्रसन्नता, आनन्द, हर्ष, आक, मदार, बहुत बड़ा पंडित, आचार्य, सूर्य आदि है. इसी शब्द से बना है सूरदास, जिसका प्रयोग नेत्रहीन व्यक्ति को विशेष सम्मान देने के उद्देश्य से किया जाता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार सूरदास का अर्थ है-ब्रजभाषा के प्रसिद्ध वैष्णव कवि और महात्मा, जो दृष्टिहीन थे, नेत्रहीन व्यक्ति. इन दोनों शब्दों के पहले अक्षर की मात्रा को ध्यान में रखा जाये तो इसका सही प्रयोग संभव होगा. इनसे मिलता-जुलता शब्द है शूर. अंतर क्या है? यही कि इसका पहला अक्षर दंत्य 'स' नहीं, बल्कि तालव्य 'श' है और उसमें दीर्घ 'ऊ' कार की मात्रा लगी होती है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका अर्थ है-बहादुर, वीर, सूरमा, योद्धा, युद्ध कुशल, सूर्य.

अथ श्री मस्तं मस्तं समोसा प्रकरणम्

• तीर-तुक्का

रेणु गुप्ता

रविवार का मदमस्त छुट्टी का दिन था. मैं कहने ही वाला था 'सुनोजी कुछ गरमा गरम बना लो न' कि मेरे कहने से पहले ही मेरी बेटर हाफ़ कह उठी थी 'सुनोजी, पूरा हफ्ता होने आया, फेसबुक पर कोई फोटो नहीं डाली, मैं तो चली रसोई में, समोसे बनाने. फिर समोसों की फोटो खींच कर फेस बुक पर डालूंगी और फिर देखना. कितने सारे कमेंट्स और लाइक्स आते हैं. पड़ोस की महिला मंडली में मेरी पाक कला के झंडे गड़ जाएंगे, वह अलग. उफ़, कितना मजा आएगा, ये आइडिया मुझे पहले क्यूं नहीं आया? चलिये जी रसोई में, समोसे खाने हैं तो तनिक मेरा हाथ बंटाना होगा, हां. मैं मैदा मलती हूं, झटपट, और आलू उबालने रखती हूं. आप जरा प्याज काट कर दीजिए, ये रही प्याज, और ये रहे लहसुन, अदरक और हरी मिर्च. प्याज काटते काटते आंखों से बिन बादल बरसात शुरू हो गई थी और हम मन ही मन सोच रहे थे, इतने आंसू बहाने के बाद समोसे खाने को मिलेंगे, इससे तो नुक्कड़ के भोलू हलवाई के यहां से ही ले आते, कम से कम इस बेगार से तो बच जाते. तो देखा आपने, आज के आधुनिक युग में लाइक्स और कमेंट्स पाने के लिए घर में स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं, न कि पति कि फर्माइश पर तौबा तौबा, क्या जमाना आ गया है, अभी अगर खुदा ना खास्ता मैं कह देता 'मौसम बहुत सुहाना हो रहा है, कुछ पकौड़े शकौड़े बना लो तो फौरन ही उनका धारा प्रवाह प्रवचन शुरू हो जाता, 'पचास के पार हो गए हो, लेकिन ज़ुबान अभी भी चटखारे मारती है, तला भुना थोड़ा कम खाया करो, कोलेस्टरोल बढ़ जाता है, और दिल की सी बीमारियां लगेंगी, सो अलग.' लेकिन फेसबुक पर लाइक्स और कमेंट्स की खातिर ये बीवियां पति के स्वास्थ्य को भी बड़े मगन हो कर नजरंदाज कर देती हैं.तो जनाब एक घंटा बावर्चीखाने में खून के आंसू और पसीना बहा कर समोसों का लुत्फ़उठाने की बारी आई है. हमारा सब्र जवाब दे चुका था. हम हाथ आगे बढ़ाने ही वाले थे एक समोसा उठाने के लिए कि बीवी यूं चीख पड़ी थी जैसे सामने नोटों भरे सूटकेस उठाए साक्षात विजय माल्या दिख गया हो- अरे ये क्या गज़ब कर रहे हो, कुछ याद नहीं रखते हो, अभी कहा था न, मैंने ये समोसे फेसबुक पर कमेंट्स और लाइक्स पाने के लिए बनाए हैं, थोड़ा तो धीरज रखो.' तो जनाब एक घंटा बावर्चीखाने में खून के आंसू और पसीना बहा कर समोसों का लुत्फ़ उठाने की बारी आई है. हमारा सब्र जवाब दे चुका था. फिर डाइनिंग टेबल का टेबल क्लॉथ बदला गया था, बागीचे से फूल लाये गए थे, समोसों की ट्रे के पीछे फूलों का सुंदर गुलदस्ता सजाया गया था और फिर 'क्लिक', 'क्लिक' हर कोण से भाप उड़ाते समोसों की फ़ोटो खींची गई थी और हम ठंडे होते समोसों को देख कर लंबी सांसें भरते हुए सोच रहे थे,- हमसे अच्छी किस्मत तो ये समोसे लिखवा कर लाये हैं, बीवी कितने लाड़ चाव से उनके फ़ोटो खींच रही है.

लाइफ लाइन

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : तमन्ना भाटिया

शुगर क्रेविंग से बचने के लिए तमन्ना पीतीं हैं एप्पल साइडर विनेगर

तमन्ना भाटिया बॉलीवुड ही नहीं, साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की भी सफल अदाकारा हैं. वे अपने अभिनय के साथ-साथ अपनी फिटनेस के लिए भी पहचान रखती हैं. तमन्ना अपने वर्कआउट रूटीन के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने फिगर को मेंटेन रखने के लिए एक सख्त डाइट प्लान फॉलो करती हैं. आइए आज तमन्ना की डाइट और वर्कआउट प्लान के बारे में जानकारी हासिल करें-

सुबह उठने के बाद वह खूब सारा पानी पीती हैं लेकिन 2 से 3 घंटे के बाद वह कुछ नहीं खाती हैं. ब्रेकफास्ट में कुछ खजूर, एक गिलास डबल टोंड दूध, मुट्ठी भर मेवे और उबले अंडे लेती हैं. कभी कभी स्मूदी, इडली या डोसा भी होता है. ग्रेनोला बेरीज और बादाम मिल्क से बना हुआ स्मूदी पीना उन्हें अच्छा लगता है. लंच में घर का सादा भोजन पसंद है. आमतौर पर सब्जी, दाल, ब्राउन राइस, दही के साथ ढेर सारा सलाद होता है. कभी-कभी ग्रिल्ड चिकन या ग्रिल्ड फिश तो होती है. इवनिंग स्नैक्स में नट्स, रोस्टेड चना या मखाना होता है.

डिनर में तमन्ना काफी लाइट खाना खाती हैं. इसमें रोस्टेड चिकन, सलाद, सूप जैसी चीजें होती हैं. हर 10 दिन में उनका एक चीट डे होता है. इस दिन आमतौर पर वे पिज्जा, नूडल्स या आइसक्रीम खाना पसंद करती हैं.

तमन्ना रोजाना एक घंटे वर्कआउट करती हैं. उनके वर्कआउट सेशन में कार्डियो एक्सरसाइज, वेट ट्रेनिंग, एब क्रंच और फ्री हैंड एक्सरसाइज शामिल हैं. इसके अतिरिक्त, वह शरीर के लचीलेपन, संतुलन, ताकत बढ़ाने और सहनशक्ति में सुधार करने के लिए फंक्शनल ट्रेनिंग के भी अभ्यास के अलावा वह रोजाना कुछ मिनट पाइलेट्स भी करती हैं. इसके अलावा कुछ योगासन और मेडिटेशन भी उनके नियमित दिनचर्या में शामिल हैं.

डिनर में तमन्ना काफी लाइट खाना खाती हैं. इसमें रोस्टेड चिकन, सलाद, सूप जैसी चीजें होती हैं. हर 10 दिन में उनका एक चीट डे होता है. इस दिन आमतौर पर वे पिज्जा, नूडल्स या आइसक्रीम खाना पसंद करती हैं.

तमन्ना क्रैश डाइट से बचना पसंद करती हैं. खुद को हाइड्रेट रखने के लिए रोजाना तीन लीटर पानी के साथ-साथ नारियल पानी, छाछ, व ताजे फलों का जूस पीती हैं. वह अपनी शुगर क्रेविंग को नियंत्रित रखने और बालों को स्वस्थ बनाने के लिए सेब का सिरका पानी में मिलाकर पीती हैं.

शुगर क्रविंग से बचने के दिन में दो बार एप्पल साइडर विनेगर पानी में मिला कर पीती हैं. कभी कभी इसकी जगह डिटॉक्स वॉटर भी लेती हैं.

प्राइवेट प्रैक्टिस एक कला है. प्रत्येक प्रैक्टिशनर (डॉक्टर) को कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए. सभी डॉक्टरों से बड़ी विनम्रता के साथ अपील करना चाहता हूं व अपनी भावना और कुछ नुस्खे शेयर करना चाहता हूं. कृपया मेरी बातों को अन्यथा नहीं लेंगे.

डॉ एके श्रीवास्तव
कंसलटेंट फिजीशियन, छाती व गहन रोग विशेषज्ञ

ध्यान दीजिए डॉक्टर साहब !

मरीज की सुनिए

भले ही आप किसी मरीज को देखते या उसके बोलते ही समझ गए हों कि उसे क्या बीमारी है मग़र फिर भी आप मरीज़ की सुनिए. क्योंकि मरीज़ को यह लगता है कि डॉक्टर ने मेरी बात सुनी-समझी ही नहीं, उसे संतुष्टि नहीं मिलती. और तो और हो सकता है मरीज़ बातों ही बातों में कुछ ऐसा क्लू दे दे जो आप शायद मिस कर रहे हों.

मीठा बोलिए

मरीज़ से बात करें, उससे सहानुभूति भरी मीठी बोली बोलें. देखिए कोई व्यक्ति डॉक्टर के पास कष्ट में आता है. आपका अच्छे से बातें सुनने और बातें करने से ही मरीज़ को बहुत सुकून मिल जाता है. उसे लगता है कि उसकी आधी बीमारी तो यों ही दूर हो गई हो.

दोस्ताना व्यवहार

मरीज़ के साथ दोस्ताना व्यवहार करें. आप जितना फैमिलियर होंगे मरीज़ उतना ही सहज होगा. ऐसे में उसे आत्मविश्वास के साथ-साथ आप पर भरोसा भी होता है. हल्का मज़ाक कर सकते हैं या कुछ समसामयिक मुद्दे पर छोटी चर्चा कर सकते हैं.

हिस्ट्री लेने का प्रयास

उपयुक्त डायग्नोसिस के लिए पर्याप्त हिस्ट्री लेना अति आवश्यक है. हिस्ट्री लेने के लिए सहज माहौल आवश्यक है. हो सके तो पेशेंट की लोकल भाषा में बात करें. बिना झिझक के और बिना उकताए प्रश्न करना चाहिए. हड़बड़ में काम गड़बड़ न हो.

जेब का ख्याल

पेशेंट के पॉकेट का ख्याल रखें. यदि आप इसका ध्यान नहीं रखेंगे तो उपचार सही से पूर्ण नहीं हो पाएगा. फिजूल के टेस्ट्स लिखने से बचें. प्रयास करें कि दवाइयां सस्ती हों. पेशेंट के पॉकेट को जज करना महत्वपूर्ण है, इसके लिए आप उसके काम, बैकग्राउंड का जायज़ा बातचीत में ले सकते हैं.

पर्चे पर लिखिए

मौखिक निर्देश या करार सही नहीं होते. इसलिए हर महत्वपूर्ण बात अपने पर्चे पर लिख देना उचित है. आजकल मेडिको-लीगल केस भी बहुत कॉमन है. अपने निर्देशों को साफ साफ लिखें, यदि पेशेंट आपके निर्देश का अनुपालन नहीं कर रहा है तो वो भी लिखें. कोर्ट केवल दस्तावेज़ को मानेगा.

साफ-सुथरा और हाइजिनिक

अपने क्लिनिक में साफ सफाई का ध्यान रखें. मरीज़ हमेशा यह पसंद करते हैं कि क्लिनिक साफ सुथरा और हाइजिनिक हो. खास कर के कोरोना के बाद तो और भी. हैंड सैनिटाइज़र वगैरह का भी प्रबंध रखना चाहिए.

सुविधाजनक वेटिंग एरिया

वेटिंग एरिया में शांति व सुकून हो. आप कुछ पोस्टर्स या स्क्रीन डिस्प्ले कर सकते हैं जिसमें स्वास्थ्य संबंधी सामग्री प्रदर्शित हो. यदि सम्भव हो तो पीने का पानी तथा एक वाश-रूम की व्यवस्था अच्छी रहेगी.

आपका अटेंडर या कम्पाउण्डर भी मरीजों से अभद्र व्यवहार न करे, इसे सुनिश्चित करें. कई बार ऐसा होता है कि डॉक्टर साहब तो बड़े विनम्र होते है मग़र उनका अटेंडर तो बहुत अकड़ के बात करता है, इससे गलत प्रभाव पड़ता है.

ए, बी, सी, डी, ई का फॉर्मूला

डॉक्टर के सफल प्रैक्टिस के लिए ए, बी, सी, डी, ई का फॉर्मूला बहुत आवश्यक है.

ए-अवेलिबिलिटी : डॉक्टर को एक निश्चित समय पर एक निश्चित स्थान पर उपलब्ध रहना आवश्यक है वरना मरीज़ बहुत प्रतीक्षा नहीं करेगा उसके पास आज बहुत विकल्प हैं.

बी-बिहेवियर : मरीज़ आपका बहुत आदर करता है तथा आपसे भी अच्छे व्यवहार की अपेक्षा करता है. विनम्र रहें, आपके कुशल व सहज व्यवहार से मरीज़ बहुत प्रभावित होता है और बातें याद रखता है.

सी-काउंसलिंग : आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि पेशेंट को उसकी बीमारी के बारे में समझाएं. मरीज़ को यह जानने का हक़ भी है. यदि आप अपने पेशेंट को उचित तरीके से बीमारी के बारे में शिक्षित करेंगे तो उपचार का अनुपालन पक्का/टिकाऊ होगा.

डी-डायग्नोसिस एंड ड्रग्स : आपका डायग्नोसिस सही हो इसके लिए प्रॉपर हिस्ट्री, विस्तृत शारीरिक परीक्षण, सटीक लैब टेस्ट्स की आवश्यकता होती है. सही डायग्नोसिस होगी तो सटीक उपचार कर पाएंगे, सही ड्रग्स (दवाएं) चला पाएंगे. ड्रग्स कम से कम में अधिक से अधिक प्रभावशाली/कारगर हों. ड्रग्स कम साइड इफेक्ट्स वाले होने के साथ-साथ सस्ते भी हों.

ई-इग्ज़ामिनेशन : आजकल बहुत से चिकित्सक फिजिकल इग्ज़ामिनेशन पर बहुत ध्यान नहीं देते. पेशेंट को छूने की आदत रखिए. यदि आप विस्तृत शारीरिक परीक्षण करेंगे तो सटीक (केंद्रित) लैब टेस्ट्स या स्कैन एडवाइस कर सकेंगे. डिफरेंशियल डायग्नोसिस भी कम हो जाते हैं. यकीन मानिए आपका केयरफुल फिजिकल इग्ज़ामिनेशन गलत टेस्ट रिपोर्ट्स को पकड़ सकता है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

पाचक व बलकारक होता है कैथ या कैथा

कैथ या कैथा भी झारखंड का मुख्य औषधीय वृक्षों में से एक वृक्ष है. इसको अंग्रेजी में वुड एप्पल या एलिफेंट एप्पल कहते हैं और लैटिन में फेरोनिया एलिफेंटिनम कहते हैं. इसके कोमल पत्ते के सेवन मधुमेह रोग में भी काम में पारंपरिक चिकित्सा गण लेते थे. पका हुआ फल भारी होता है. हिचकी, वात, पित्त, तृष्णा को नाश करती है. कच्चा कैथ या कैथा का फल बेल की तरह ही अतिसार को दूर करती है. पका फल श्रमहर स्कर्बा नाशक, पाचक, बलकारक होता है. मसूड़े को ठीक करता है. इसका सत्त खैर के सत्त का प्रतिनिधित्व स्वरूप उपयोग में लेते हैं. फल के ऊपर का आवरण सफेद होते हैं. आवरण को पीस कर दांत में लेप करने का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा गण करते थे. इसके पेड़ बहुत बड़े-बड़े होते हैं. इसका उपरी आवरण तना का रंग सफेद और फटा हुआ सा होता है. पत्र छोटे-छोटे चिकनी और मेहंदी की तरह किंतु मेहंदी से थोड़ा चौड़े होते हैं. पतझड़ में इसके पत्ते सब गिर जाते हैं और पुनः बसंत ऋतु से नए कोमल पत्ते आने शुरू हो जाते हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

वर्षा ऋतु के प्रथम बारीपदा में कैथ में पुष्प आने लगते हैं, पुष्प छोटे-छोटे सफेद होते हैं. इसका फल टेनिस बॉल जैसे गोल ऊपर से सफेद रुखडा और दिसम्बर माह और जनवरी माह से पके फल प्राप्त होने लगते हैं. पके कैथ के फल में बहुत ही सुगंधित गंध प्राप्त होता है और इसका संवर्धन बीज से आसानी से हो सकता है. इसके पत्र में भी एक विशेष तरह का सुगंध पाया जाता है. इसके पुष्प, पत्र और फल तीनों का पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में उपयोग में पारंपरिक चिकित्सक लोग लेते हैं.

कैथ या कैथा के वृक्ष यदा कदा कहीं-कहीं वन प्रदेश में देखने को मिलते हैं. इसके वृक्ष वन प्रदेश से लगभग विलुप्त हो गए हैं. इसके फल की उपरी आवरण को जलाने से मच्छर जैसे हानि कीट पतंग भाग जाते हैं. वन मंत्रालय को चाहिए कि वन प्रदेश में सर्वे कर कैथ या कैथा वृक्ष का संवर्धन करें.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

पथरी है तो दवा के साथ भी रोज पीएं 3-4 लीटर पानी

गुर्दे में पथरी की मुख्य वजह कम पानी पीना है. इससे यूरिन के रास्ते कैल्शियम और फॉस्फेट आदि के कण बाहर नहीं निकल पाते हैं. मुख्य रूप से चार तरह की पथरी होती है. इनमें कैल्शियम, यूरिक एसिड, सिस्टिन और स्ट्रावाइट स्टोन. किडनी में पथरी के लक्षणों की बात करें तो पेट के निचले हिस्से में दर्द, यूरिन करते समय जलन या दर्द, यूरिन में खून आना, कमर दर्द और उल्टी जैसे मन आदि.

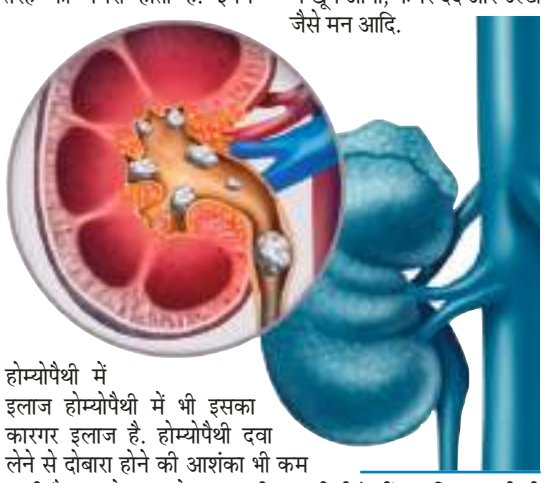

होम्योपैथी में इलाज

होम्योपैथी में भी इसका कारगर इलाज है. होम्योपैथी दवा लेने से दोबारा होने की आशंका भी कम रहती है. दवा के साथ रोज 3-4 लीटर पानी पीएं. नींबू-नारियल पानी भी लें. पालक, बैंगन, टमाटर, भिंडी आदि बीजों वाली चीजें खाने से बचें.

यूरिक एसिड कम करेंगे ये योगासन

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

यूरिक एसिड एक केमिकल होता है जो प्यूरीन के फाइनल ऑक्सीडेशन द्वारा उत्पादित होता है. यूरिक एसिड का उत्पादन होना शरीर में जरूरी होता है क्योंकि यह फूड मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी होता है. यूरिक एसिड एक एंटीऑक्सीडेंट होता है और ब्लड वेसल लाइनिंग को डैमेज होने से बचाता है. लेकिन खून में यूरिक एसिड की ज्यादा मात्रा होना भी खतरनाक हो सकता है. आइए जानते हैं इन योग आसनों के बारे में-

1. भुजंगासन (कोबरा पोज)

यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. पेट के बल लेट जाएं, हथेलियों को कंधों के नीचे रखें. धीरे-धीरे अपनी छाती और सिर को ऊपर उठाएं, कमर को जमीन पर रखें. कुछ देर इसी स्थिति में रहें और फिर धीरे-धीरे नीचे आ जाएं.

2. उष्ट्रासन (ऊंट का आसन)

यह आसन रीढ़ की हड्डी को खींचता है और थाइज और कूल्हों को मजबूत बनाता है. घुटनों के बल बैठ जाएं, पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग रखें. एड़ियों को पकड़ते हुए, धीरे-धीरे पीछे की ओर झुकें. कुछ देर इसी स्थिति में रहें और फिर धीरे-धीरे ऊपर आ जाएं.

3. ताड़ासन

यह आसन पूरे शरीर को संतुलित करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. सीधे खड़े हो जाएं, पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग रखें. हाथों को कंधों के पास रखें और आंखों को सामने बंद करें. गहरी सांस लें और कुछ देर इसी स्थिति में रहें.

4. धनुरासन

यह आसन पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. पेट के बल लेट जाएं, हाथों को सीधा ऊपर की ओर फैलाएं. घुटनों को मोड़ते हुए, पैरों को हाथों की ओर लाएं. धीरे-धीरे जांघों को ऊपर उठाएं और छाती को जमीन से हटाएं. कुछ देर इसी स्थिति में रहें और फिर धीरे-धीरे नीचे आ जाएं.

दांतों की सफाई के लिए मायने रखती हैं ये छोटी-छोटी बातें

डॉ आकांक्षा चौधरी
एमडीएस (मसूढ़ों एवं इंप्लांट सर्जरी विशेषज्ञ)

बेशक दांतों में ब्रश करने के लिए किसी कोर्स की दरकार नहीं और न बहुत समय खर्च करने की जरुरत है. प्रतिदिन महज एक से दो मिनट काफी है. लेकिन सही तरह से ब्रश करना जरूरी है ताकि दांत अच्छे से साफ हो जाएं. अगर दांत अच्छे से साफ नहीं होंगे तो कई तरह की समस्याएं खड़ी होती रहेंगी. आइए, दांतों की सफाई व देखभाल के कुछ टिप्स की करें चर्चा...

नियमित साफ करें

दिन में कम से कम दो बार, सुबह उठने पर और रात को सोने से पहले दांतों को ब्रश से साफ करना चाहिए. इसके लिए क्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का उपयोग करें.

नरम ब्रिसल्स वाले टूथब्रश

दांतों की सफाई के लिए नरम ब्रिसल्स वाले टूथब्रश का इस्तेमाल करना चाहिए. इससे दांतों व मसूड़ों को नुकसान नहीं पहुंचता है. मसूड़ों की सूजन और रक्तस्राव की आशंका कम होती है. दांतों के घिसने की प्रक्रिया कम हो जाती है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं. खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए नरम ब्रिसल्स वाले ब्रश का इस्तेमाल करना अच्छा महसूस करवाता है.

सही तकनीक अपनाएं

दांत की सफाई के लिए ब्रश करते समय गोलाकार गति में ब्रश करें और दांतों के सभी हिस्सों को अच्छे से साफ करें. इससे दांतों के बीच में गंदगी नहीं रुकेगी. ज्यादा समय तक ब्रश न करें. ज्यादा समय तक ब्रश करने से दांतों के इनेमल घिस जाते हैं.

ब्रश चयन के लिए लीजिए डेंटिस्ट की सलाह

दांतों की बनावट के अनुसार ही डॉक्टर सही ब्रश का चयन करने का परामर्श देते हैं. इसके लिए नरम यानी सॉफ्ट ब्रिसल्स, मध्यम यानी मीडियम ब्रिसल्स और कठोर यानी हार्ड ब्रिसल्स, बच्चों का ब्रश, लॉसिंग ब्रश, इंट्रा डेंटल ब्रश, ऑर्थो डेंटल ब्रश इत्यादि के इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भेदभाव खत्म : टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर अब महिलाओं को भी मिलेगा पुरुषों जितना इनाम

जय शाह के आईसीसी के चेयरमैन का पद संभालने से पहले ही बदलाव की शुरुआत

एजेंसी। नयी दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भेदभाव को खत्म करते हुए महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जितनी प्राइज मनी का एलान किया. बीसीसीआई सचिव जय शाह के आईसीसी के चेयरमैन का पद संभालने से पहले ही बदलाव की शुरुआत हुई. क्रिकेट की अंतरराष्ट्रीय संस्था आईसीसी ने ऐसी ही बड़ी घोषणा कर दी है. महिला टी20 टीम को इनाम की रकम बीते साल हुए महिला वर्ल्ड कप से दोगुनी है. इसे दोनों वर्ग के बीच समानता के तौर पर देखा जा रहा है.

तीन अक्टूबर से शुरू हो रहा है टूर्नामेंट

बता दें कि 2024 महिला टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 03 अक्टूबर से होगी, जबकि फाइनल मैच 20 अक्टूबर को खेला जाएगा. टूर्नामेंट में कुल 20 लीग मैच खेले जाएंगे. इसके अलावा दो सेमीफाइनल और फाइनल होगा. टूर्नामेंट यूएई में खेला जाएगा, जो पहले बांग्लादेश में खेला जाना था. बांग्लादेश में खराब हालात के चलते आईसीसी ने टूर्नामेंट को यूएई में शिफ्ट कर दिया था.

आईसीसी के अनुसार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम को इस बार करीब 19 करोड़ 60 लाख रुपये मिलेंगे. बीते साल साउथ अफ्रीका में खेले गए महिला टी20 विश्व कप जीतने पर करीब आठ करोड़ 37 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई थी. इस तरह से विजेताओं की इनामी राशि में 134 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. वहीं रनरअप रहने वाली टीम को 1.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 10 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे. रनरअप टीम को भी पिछली बार से 134 फीसद ज्यादा पैसा मिलेगा. इसके अलावा बाकी टीमों को मिलने वाली प्राइज मनी में इजाफा हुआ है. प्राइज मनी का एलान करते वक्त आईसीसी ने कहा, आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 पहला ऐसा आईसीसी इवेंट होगा जहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर प्राइज मनी मिलेगी, जो खेल के इतिहास में एक अहम उपलब्धि है.

महिला टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान

ढाका। बांग्लादेश ने महिला टी-20 विश्व कप 2024 के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज निगार सुल्ताना जोटी की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है. यह टूर्नामेंट 3 से 20 अक्टूबर तक यूएई में खेला जाएगा. विश्व कप के लिए बांग्लादेश की टीम में जुलाई में महिला एशिया कप के लिए उतारी गई टीम से कुछ बदलाव किए गए हैं. लेग स्पिनर फहीमा खातून और बल्लेबाज सोभना मोस्टरी की वापसी बांग्लादेश की टीम में हुई है, जबकि शीर्ष क्रम की अनकैप्ड बल्लेबाज ताज नेहर, सलामी बल्लेबाज साथी रानी और ऑलराउंडर दिशा बिस्वास को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है. बांग्लादेश की टीम में ऑलराउंडर रूमाना अहमद, बाएं हाथ की बल्लेबाज रुबिया हैदर झेलिक, ऑलराउंडर शोरीफा खातून, ओपनर इश्मा तनजीम और बाएं हाथ की स्पिनर सबिकुन नाहर जेसमीन को शामिल नहीं किया गया है. बांग्लादेश की कुछ खिलाड़ी, जिनमें निगार, फहीमा, राबेया खान, शोरना अख्तर, दिलारा अख्तर, जहांआरा आलम और मारुफा अख्तर शामिल हैं, 'ए' टीम के दौरे के तहत श्रीलंका में हैं.

बांग्लादेश टीम

निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, शोर्ना अख्तर, ऋतु मोनी, शोभना मोस्तरी, राबेया खान, सुल्ताना खातून, फाहिमा खातून, मारुफा अख्तर, जहांआरा आलम, दिलारा अख्तर, ताज नेहर, शाति रानी और दिशा बिस्वास.

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा मैच, जहां हैं कुल 9 पिच

भारत-बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट आज से

एजेंसी। चेन्नई

भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार से चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा. दोनों टीमें पिछले करीब एक हफ्ते से इस मैच की तैयारियों में जुटी हुई हैं. इस स्टेडियम में कुल 9 पिच हैं. इनमें तीन पिच मुंबई से लाई गई लाल मिट्टी से बनी हैं. भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच लाल मिट्टी की पिच पर ही खेला जाएगा. वैसे तो चेन्नई में स्पिनर्स का बोलबाला रहता है. यहां पर स्पिनर्स को काफी टर्न मिलता है. हालांकि, लाल मिट्टी की पिच तेज गेंदबाजों के लिए भी मददगार रहती है, क्योंकि नई गेंद से यहां काफी स्विंग मिलती है और साथ ही उछाल भी शानदार रहता है.

पहले दिन बारिश मैच में डाल सकती है खलल : क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए एक बुरी खबर भी है. भारत और बांग्लादेश के पहले टेस्ट का पहला दिन बारिश में भी धुल सकता है. दरअसल, एक्यूवेदर के मुताबिक, चेन्नई में पहले दिन यानी गुरुवार को 40 प्रतिशत बारिश की संभावना है. वहीं तीसरे दिन भी बारिश की उम्मीद जताई गई है.

मजबूत गेंदबाजी कॉम्बिनेशन पर नजर : पहला टेस्ट मैच लाल मिट्टी वाली पिच पर खेले जाने की संभावना है, जहां तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है. टीम इंडिया के सामने एक मजबूत गेंदबाजी कॉम्बिनेशन को प्लेइंग-11 में फिट करने की बड़ी चुनौती है. पिच को देखते हुए कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने बड़ा सवाल यह है कि आखिर वे किस संयोजन के साथ मैदान में उतरें. बैटिंग लाइनअप लगभग तय है, लेकिन गेंदबाजी पर अब भी सस्पेंस बना हुआ है. ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, यह मैच चेपॉक में लाल मिट्टी की पिच पर खेला जाएगा. इस बात की पूरी उम्मीद है कि इस पिच पर गेंदबाजों को बढ़िया उछाल मिलेगी और गेंद कीपर तक आराम से एक अच्छी ऊंचाई पर जाएगी. हालांकि, चेन्नई में तेज गर्मी के कारण स्पिनर समय बीतने के साथ-साथ अपनी भूमिका जरूर अदा करेगा. फिर भी ऐसा माना जा रहा है कि तेज गेंदबाज पूरे टेस्ट के दौरान बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं.

पहले टेस्ट में बांग्लादेश की संभावित प्लेइंग-11

शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, नजमुल हुसैन शांतो, मोमिनुल हक, शाकिब अल हसन, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, मेहंदी हसन मेराज, तैजुल इस्लाम, नाहिद राणा और हसन महमूद/तस्कीन अहमद.

पहले टेस्ट में टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग-11

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह.

यहां देख सकते हैं लाइव

अगर आपको भारत और बांग्लादेश के पहले टेस्ट का टिकट नहीं मिल पाया है तो बिल्कुल भी परेशान होने की जरूरत नहीं है. आप आसानी से टीवी या मोबाइल पर मैच का लुत्फ उठा सकते हैं. टीवी पर यह टेस्ट मैच वायाकॉम 18 नेटवर्क पर आएगा. आप इस मैच को स्पोर्टस 18 के चैनल 1 और चैनल 2 पर देख सकते हैं. साथ ही मोबाइल पर यह मैच जियो सिनेमा पर देखा जा सकता है.

फिलहाल के लिए ऐसा लग रहा है कि भारतीय टीम पांच गेंदबाजों के मजबूत बॉलिंग लाइनअप के साथ मैदान पर उतरेगी, जिसमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आर. अश्विन और रवींद्र जडेजा के शामिल होने की उम्मीद है. इसके अलावा अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, आकाश दीप और टीम के एकमात्र बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल भी टीम में हैं. एक छोटे ब्रेक के बाद एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज मैदान पर नजर आएंगे. वहीं, बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान को उसके घर में हराकर भरपूर आत्मविश्वास के साथ भारत आई है. भारत नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा. तैयारियों के नजरिये से टीम इंडिया एक स्टेबल और मजबूत टीम कॉम्बिनेशन को इस टेस्ट सीरीज के जरिए तैयार करना चाहेगी.

गौतम गंभीर- विराट कोहली ने लिया एक दूसरे का इंटरव्यू

गंभीर-कोहली ने एक-दूजे की खिंचाई के साथ-साथ तारीफ भी की

एजेंसी। नयी दिल्ली

चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाज विराट कोहली एक अलग अवतार में नजर आए. दोनों ने एक दूसरे का इंटरव्यू लिया और पुरानी पारियों की यादें ताजा की. कोहली और गंभीर, जो टीम इंडिया के लिए सभी प्रारूपों में एक साथ खेल चुके हैं जबकि आईपीएल में अलग-अलग टीमों के लिए खेलते हुए एक दूसरे से कई बार भिड़े भी हैं. जब गंभीर को टीम इंडिया का कोच बनाया गया था, तब सबके मन में इनके रिश्ते को लेकर एक डर था. हर कोई ये सोच रहा था कि आखिर ये दोनों दिग्गज क्रिकेटर एक दूसरे के साथ तालमेल कैसे बनाएंगे लेकिन इस वीडियो के सामने आने के बाद तमाम सवाल खत्म हो गए. बीसीसीआई ने एक्स पर एक इंटरव्यू का टीजर शेयर किया, जिसमें लिखा था, एक बहुत ही खास इंटरव्यू. ये जानने के लिए बने रहें कि आखिर एक दिग्गज माइंड क्रिकेट फील्ड पर कैसे काम करता है. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच खास बातचीत. दोनों भारतीय टीम में कोच और खिलाड़ी के तौर पर ड्रेसिंग रूम साझा करते हैं, तो वे अपने पुराने झगड़ों को भूल चुके हैं. एक मिनट 40 सेकंड के वीडियो क्लिप को 185,000 से ज्यादा बार देखा गया.

इंटरव्यू की शुरुआत में कोहली ने कहा कि यह हम दोनों का 'मसालेदार इंटरव्यू' है जबकि गौतम गंभीर अपनी हंसी कंट्रोल नहीं कर पाए और ठहाके लगाकर हंसने लगे. इस वीडियो में कोहली और गंभीर को वर्षों से विरोधी खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हुई झड़पों पर चर्चा करते हुए देखा जा सकता है. इसमें विराट का पूछा एक सवाल ही पूरे इंटरव्यू को रोमांचक बनाने के लिए काफी था. उन्होंने गौतम गंभीर से सीधे-सीधे ये सवाल किया कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों से लड़ाई का उन्हें फायदा और मोटिवेशन मिलता था कि नुकसान पहुंचता था? भारत के मुख्य कोच ने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहा, तुम्हारे मुझसे ज्यादा विवाद हुए हैं. मुझे लगता है कि तुम इस सवाल का जवाब मुझसे बेहतर दे सकते हो. विराट ने हंसते हुए जवाब दिया, मैं तो ये ढूंढ रहा हूं कि कोई मेरी बात से सहमत हो जाए. ये नहीं बोल रहा कि गलत है. कोई तो बोले हां, यही होता है. गंभीर ने 2014-15 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कोहली के शानदार प्रदर्शन की भी प्रशंसा की. यह संभवतः पहला ऐसा वीडियो इंटरव्यू है. जहां वे एक-दूसरे से सवाल करते हुए दिखे.

किया खुलासा : हनुमान चालीसा पढ़कर बैटिंग कर रहे थे गंभीर

इंटरव्यू के दौरान गंभीर ने एक ऐसा खुलासा किया जिसे ज्यादातर लोग नहीं जानते थे. उन्होंने बताया कि 2009 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर टेस्ट में 436 बॉल पर 137 रन की पारी के दौरान वो हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे. उनकी वजह से ऐसा शक्ति मिली और इस तरह की जुझारू पारी खेली. 2015 में जब आपने ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जमकर रन बनाए थे तो मुझे याद है आपने बताया था कि हर एक बॉल के आने से पहले ओम नमः शिवाय का जाप किया करते थे. इसकी वजह से आप एक ऐसे अलग स्थिति में पहुंच गए थे जहां सबकुछ गजब था. मैंने नेपियर की जारी जब खेली तो ऐसा ही कुछ मेरे साथ भी था. मैं जब उसके बारे में सोचता हूं तो लगता है कि क्या मैं उसी तरह से फिर ढाई दिन बल्लेबाजी कर सकता था, जवाब होगा नहीं. वो जो मैंने टेस्ट मैच के दौरान लगातार ढाई दिनों में हनुमान चालीसा सुनता था.

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच बने रिकी पोंटिंग

मोहाली। पंजाब किंग्स ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग को आईपीएल 2025 सीज़न के लिए अपनी टीम का प्रमुख कोच बनाया है. इससे पहले वह पिछले सात साल तक दिल्ली कैपिटल्स के कोच थे और दो महीने पहले ही दोनों की राहें जुदा हुई थीं. पोंटिंग ने पंजाब किंग्स के साथ एक से अधिक साल का क़रार किया है और अब वह ही अपने कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्यों का चयन करेंगे. फिलहाल पंजाब के कोचिंग स्टाफ में ट्रेवर बेलिस (मुख्य कोच), संजय बांगर (क्रिकेट सुधार प्रमुख), चार्ल लैंग्वेल्ट (तेज़ गेंदबाज़ी कोच) और सुनील जोशी (स्पिन गेंदबाजी कोच) हैं. पंजाब किंग्स 2024 में 9वें स्थान पर रहा था.

केएल राहुल : टीम इंडिया के 'क्राइसिस मैन', क्यों बन गए सॉफ्ट टारगेट?

एजेंसी। चेन्नई

टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट गुरुवार से चेन्नई में खेला जाएगा. यह मुकाबला लाल मिट्टी की पिच पर खेला जाएगा, जो तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है. हालांकि, वक्त के साथ-साथ पिच का मिजाज भी बदलेगा. पिच, प्लेइंग-11 और टीम कॉम्बिनेशन को लेकर कई बातें उठी लेकिन इस बीच केएल राहुल का जिक्र भी हुआ. सवाल यह है कि आखिर टीम इंडिया का 'क्राइसिस मैन', हर किसी का सॉफ्ट टारगेट क्यों बन गया ?

दोनों टीमों को लेकर बयानबाजी शुरू होने के पहले टीम में केएल राहुल की पोजीशन पर सवाल आखिर क्यों? इसका एक सबसे बड़ा कारण है कि लंबे समय तक खराब फॉर्म से जूझ रहे केएल राहुल को टीम ने हमेशा सपोर्ट किया और उन्हें मौके दिए. हालांकि, वो दौर अब बीत चुका है. कोच या कप्तान ने उन्हें इसलिए भी बैक किया था क्योंकि ये वो बल्लेबाज है जो हर पैमाने में खुद को फिट करने की क्षमता रखता है. ओपनिंग से लेकर नंबर-5 तक बल्लेबाजी करना, विकेटकीपिंग संभालना और कई मौकों पर कप्तानी भी करना. यह सब रोल केएल राहुल निभा चुके हैं.

'सरपंच साहब' की अगुवाई में पांचवीं बार जीती एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

अपनी शीर्ष फॉर्म में लौट रही भारतीय हॉकी टीम

एजेंसी। नयी दिल्ली

'सरपंच साहब' हरमनप्रीत की अगुवाई में भारतीय हॉकी टीम का दबदबा कायम है. बेशक टीम पेरिस में मेडल का रंग बदलने से चूक गई, लेकिन लगातार दो ओलंपिक में कांस्य जीतकर इतिहास रचा था. इस फॉर्म को कायम रखते हुए टीम ने अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पर रिकॉर्ड पांचवीं बार कब्जा जमाया है. ओलंपिक के मंच पर भारतीय हॉकी टीम की हमेशा धाक रही है. टोक्यो से पहले कहीं न कहीं टीम बड़े मंचो पर ये विरासत खो चुकी थी लेकिन एक बार फिर भारतीय हॉकी टीम का दौर लौट चुका है. हालांकि, घरेलू और एशियाई स्तर के टूर्नामेंट में भारत लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था. 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने 41 साल के सूखे को खत्म करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया था. ये जीत भारतीय हॉकी के इतिहास के लिए सबसे खास जीत थी. भारतीय टीम ने मनप्रीत सिंह की कप्तानी में ये कारनामा किया था. इसके बाद टीम ने लगातार कई इवेंट में अपना दबदबा बनाया. भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में पुरुष हॉकी में रजत पदक जीता था. पेरिस ओलंपिक में जो कमी टीम में दिखी, वो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में काफी हद तक दूर हो चुकी थी. दरअसल, टीम फील्ड गोल करने में नाकाम रही थी और ज्यादातर गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए आए. जबकि इस टूर्नामेंट में भारत ने कुल 26 गोल किए, जिसमें से 18 फील्ड और 8 पेनल्टी कॉर्नर से आए. पिछले 3-4 साल में भारतीय हॉकी टीम ने कड़ी मेहनत करते हुए विरोधी टीमों को बराबरी की टक्कर दी है. हालांकि, कई मौकों पर भाग्य का साथ टीम को नहीं मिला लेकिन कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि बीते कुछ साल जैसा प्रदर्शन टीम इंडिया का रहा है, उस देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि जल्द एक बार फिर भारतीय हॉकी टीम अपनी एक नई विजयी गाथा लिखेगी.

स्टार पावर नीरज चोपड़ा के पोस्ट पर स्टार शूटर मनु भाकर ने दी प्रतिक्रिया

विदेशों में भी है नीरज की फैन फालोइंग, वीडियो वायरल

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के भारत में प्रशंसक तो हैं ही, दुनिया भर में भी उनके काफी फैंस हैं. नीरज ने बेल्जियम के ब्रसेल्स में उन्होंने डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लिया. हालांकि, नीरज एक सेंटीमीटर के अंतर से खिताब से चूक गए, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग जरा भी कम नहीं हुई है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में दो महिला फैंस उनके साथ फोटो खिंचवाने की मांग करती नजर आईं. नीरज ने दोनों को निराश नहीं किया और एक-एक करके तस्वीर खिंचवाई. हालांकि, इसके बाद उनमें से एक फैन ने नीरज से फोन नंबर मांगा. नीरज ने विनम्रता से अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जिससे वह फैन थोड़ा निराश भी हो गई. इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है. नीरज की विनम्रता की हर कोई तारीफ कर रहा है.इससे पहले ब्रसेल्स में हुए डायमंड लीग के फाइनल में भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा दूसरे स्थान पर रहे थे. इसके बाद नीरज ने एक पोस्ट के जरिये बताया था कि उनके हाथ में फ्रैक्चर था और इसके बावजूद वह खेलने उतरे और दूसरे स्थान पर रहे. इस पोस्ट में नीरज ने यह भी बताया था कि उनका यह सीजन खत्म हुआ और अब अगले सीजन में वह मजबूती के साथ वापसी करेंगे. इस पोस्ट पर फैंस की कई प्रतिक्रियाएं आईं और सबने नीरज के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना की. इस पोस्ट पर पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वालीं शूटर मनु भाकर की प्रतिक्रिया भी आई.

पोस्ट में अपनी चोट के बारे में लिखा था

अपने पोस्ट में नीरज ने लिखा था : जैसे-जैसे 2024 का सीजन समाप्त हो रहा है, मैं उन सब चीजों को याद कर रहा हूं जो मैंने साल भर में सीखा है जिसमें सुधार, असफलताओं, मानसिकता और बहुत कुछ है. बीते सोमवार को अभ्यास के दौरान मुझे चोट लग गई और एक्स-रे से पता चला कि मेरे बाएं हाथ की चौथी मेटाकार्पल हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है. यह एक और दर्दनाक चुनौती थी, लेकिन अपनी टीम की मदद से मैं ब्रसेल्स में भाग लेने में सक्षम हो गया. यह साल की आखिरी प्रतियोगिता थी और मैं ट्रैक पर अपना सीजन समाप्त करना चाहता था, जबकि मैं अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सीजन था जिसमें मैंने बहुत कुछ सीखा. मैं अब पूरी तरह से फिट होकर वापसी के लिए और खेलने के लिए प्रतिबद्ध हूं.

वनडे फॉर्मेट में अपना 100वां मैच खेलेंगे एडम जम्पा

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की आगामी वनडे सीरीज का पहला मैच 19 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेला जाएगा. इस मुकाबले में एडम जम्पा इस फॉर्मेट में अपना 100वां मैच खेलेंगे. इस उपलब्धि को हासिल करने के करीब पहुंचने पर जम्पा ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह अपने देश के लिए वनडे में इतने मैच खेल पाएंगे. वे 100 वनडे खेलने वाले 32वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे. साथ ही शेन वॉर्न और ब्रैड हॉग के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे सिर्फ तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर बन जाएंगे. इस खास मौके पर उनकी पत्नी हेरिएट, बेटा यूजीन और माता-पिता डैरेन और एलिसन ट्रेंट ब्रिज में मौजूद रहेंगे. क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बात करते हुए जम्पा ने कहा, मैं 100 वनडे मैच खेलने पर गर्व महसूस कर रहा हूं.

काउंटी में यजुवेंद्र चहल और उनादकट ने झटके 4-4 विकेट

एजेंसी। लंदन

युजवेंद्र चहल और रॉब कियो की स्पिन जोड़ी ने काउंटी चैंपियनशिप मैच में लीसेस्टरशायर को एक कम स्कोर पर रोक दिया, जिसके चलते उनकी टीम नॉर्थंप्टनशायर एक अच्छी स्थिति में पहुंच गई है. दोनों ने मिलकर कुल सात विकेट झटके और दिन का खेल समाप्त होने तक नॉर्थंप्टनशायर पहली पारी में लीसेस्टरशायर से सिर्फ 69 रन पीछे है और सात विकेट भी शेष हैं. पहले बल्लेबाजी करते हुए लीसेस्टरशायर की पूरी टीम महज़ 203 के स्कोर पर सिमट गई जिसके जवाब में नॉर्थंप्टनशायर ने 3 विकेट खोकर 134 रन बना लिए हैं. चहल और कियो एक बार फिर अपनी टीम के लिए अहम साबित हुए. वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने भी ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ चार विकेट झटक कर अपनी टीम ससेक्स को डिविज़न टू खिताब के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. उनादकट के चार विकेटों की चलते ग्लॉस्टरशायर की टीम 109 रनों पर ढेर हो गई जबकि ससेक्स ने चार विकेट खोकर 149 रन बना लिए हैं. चहल को लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला है.

ब्रीफ खबरें

पीएम विश्वकर्मा योजना 1610 को मिली स्वीकृति

कटिहार । प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के द्वितीय चरण में कटिहार जिले में 1610 आवेदकों को जिला स्तर से स्वीकृति मिली है. यह जानकारी जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने एनआईसी सभागार में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में दी. जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाना है. उन्होंने कहा कि हमें इस योजना को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम करना होगा.

भारती एयरटेल पेमेंट लूट में एसआईटी गठित

पूर्वी चंपारण । जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित चांदमारी चौक के पास, मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश अपराधियों ने मंगलवार को देर शाम हथियार का भय दिखाकर एयरटेल पेमेंट बैंक के कर्मी रत्नाकर कुमार से 2 लाख रुपये लूट लिए. घटना तब हुई जब बैंक कर्मी देर शाम बैंक बंद करने की तैयारी कर रहे थे. अपराधियों ने लूटपाट के बाद एक राउंड फायर भी किया और मौके से फरार हो गए. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने एक विशेष एसआईटी टीम का गठन किया. एसआईटी टीम अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तेजी से काम कर रही है.

हत्या मामले में चार अभियुक्त गिरफ्तार

नवादा । मुर्गा को लेकर हुई हत्या के एक मामले में नवादा पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है. मामला जिले के नरहट थाना इलाके का है. इस मसले पर एसपी नवादा अभिनव धीमान ने पुलिस कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी. एसपी के अनुसार नरहट थाना क्षेत्र के रहमत नगर-बभनौर में एक युवक की बाइक मो. अशरफ अली के मुर्गा से सट गई थी. इसके कारण विवाद हुआ और बाइक सवार के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दिया. जख्मी युवक को इलाज के लिए पीएमसीएच ले जाया गया था. जहां उसकी मृत्यु हो गई थी.

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बयान पर भड़की कांग्रेस

प्रदर्शन करते हुए की इस्तीफे की मांग

संवाददाता । पटना

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ में पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन व पुतला दहन किया गया है. बिहार कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन और पुतला दहन किया गया. साथ ही जमकर नारेबाजी हुई. विधायक दल के नेता शकील खान ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. बिट्टू माफी मांगें.

वहीं, अखिलेश सिंह ने कहा कि रवनीत सिंह बिट्टू को पीएम मोदी मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें. बीजेपी आलाकमान के इशारे पर वह विवादित बयान दे रहे हैं. राहुल गांधी से बीजेपी मोदी डरी हुई है. बता दें कि केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है. वहीं, राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले चार बीजेपी नेताओं के खिलाफ कांग्रेस ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिन नेताओं के खिलाफ शिकायत दी गई है उनमें रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी शामिल हैं.

नदियों के जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि से कई गांवों में घुसा बाढ़ का पानी

लोकाइन व जिरायन नदी का जलस्तर बढ़ा

संवाददाता । नालंदा

नालंदा जिले में लोकाइन और जिरायन नदियों के जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि से कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है. बाढ़ के कारण लगभग 1,000 एकड़ से अधिक कृषि भूमि जलमग्न हो गई है, जिससे किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं. यह स्थिति उस समय उत्पन्न हुई जब झारखंड में भारी बारिश के बाद इन नदियों का जलस्तर बढ़ा, जिससे नालंदा के कई प्रखंडों में तबाही मच गई. नालंदा जिले के पश्चिमी हिस्से से बहने वाली लोकाइन नदी ने एकंगरसराय, हिलसा और करायपरसुराय प्रखंडों में तबाही मचाई है. नदी के उफान से दर्जनों गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है, जिसमें धुरी बीघा, सोहरापुर, जमुआरा, छियासठ बीघा, रसलपुर, दामोदरपुर, गोसाईपुर, मिर्जापुर, और अन्य गांव शामिल हैं. इन गांवों के खेतों और खलिहानों में पानी भर गया है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है.

वहीं, जिरायन नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण बिंद प्रखंड के कथराही गांव के मिल्की खंधा में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है. लगभग 720 बीघा भूमि में लगी फसल पूरी तरह जलमग्न हो चुकी है. ग्रामीणों के अनुसार, हर बार जब नदी का जलस्तर बढ़ता है, तो बांध कटाव करता हुआ खेतों में पानी घुसा देता है, जिससे फसलें पूरी तरह बर्बाद हो जाती हैं.

वैशाली में भी बाढ़ ने मचाया तांडव

वैशाली । वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड में बाढ़ ने स्थिति को काफी गंभीर बना दिया है. गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण पिछले तीन दिनों से राघोपुर जलमग्न हो चुका है. प्रखंड के रुस्तमपुर, बीरपुर, जाफराबाद, जहांगीरपुर, सरायपुर, तेरसिया, हिम्मतपुर, चक सिंगर, वीरपुर, फतेहपुर और बहरामपुर समेत कई गांवों में बाढ़ का पानी फैल चुका है. इस वजह से लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. जानकारी के मुताबिक, बाढ़ के कारण प्रखंड मुख्यालय से लगभग सभी गांवों का संपर्क सड़क मार्ग से भंग हो चुका है. रुस्तमपुर से बीरपुर जाने वाली मुख्य सड़क पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो गया है. बाढ़ के पानी के कारण कई विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र भी जलमग्न हो गए हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई और अन्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं. इधर, स्थानीय प्रशासन की ओर से पर्याप्त नाव की व्यवस्था न किए जाने के कारण लोगों को अपने दैनिक उपयोग की सामग्री और पशु चारा लाने के लिए पानी में तैरकर यात्रा करनी पड़ रही है. इससे लोगों की जान को खतरा बना हुआ है. जुड़ावनपुर थाना परिसर में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है, और पहाड़पुर से वीरपुर तक सड़क पर दो से तीन फुट पानी भर चुका है.

पूर्व मंत्री ददन पहलवान को मनी लांड्रिंग केस में अग्रिम जमानत मंजूर

पटना । पटना हाई कोर्ट ने राज्य के पूर्व मंत्री ददन पहलवान उर्फ ददन यादव को अग्रिम जमानत देते हुए बड़ी राहत दी. जस्टिस प्रभात कुमार सिंह ने याचिकाकर्ता को मनी लांड्रिंग एक्ट के मामले में सभी संबंधित पक्षों को सुनने के बाद अग्रिम जमानत दे दी. याचिकाकर्ता के विरुद्ध 14 दिसंबर, 2021 को मनी लांड्रिंग एक्ट, 2002 की धारा 45 और 44 के तहत भारत सरकार के डायरेक्टरेट ऑफ एनफोर्समेंट के असिस्टेंट डायरेक्टर द्वारा शिकायत दर्ज कराया गया था. याचिकाकर्ता के विरुद्ध 5 ऐसे आपराधिक मामलों में आरोप था, जिसके जरिये अवैध रूप से धन प्राप्त करने का आरोप था. इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता को किसी मुकदमें में दोषी करार नहीं दिया गया है. कोई साक्ष्य नहीं है कि याचिकाकर्ता ने कोई अपराध करके गलत तरीके से धन इकट्ठा किया हो. वरीय अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा ने कहा कि याचिकाकर्ता निर्दोष है.

नालंदा में डेकोरेशन संचालक की हत्या, मारकर शव को दफनाया

संवाददाता । नालंदा

विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर डेकोरेशन का सामान बुक करने के बाद उसके संचालक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. इस वारदात को बीते सोमवार की सुबह अंजाम दिया गया था. बुधवार को पुलिस ने शव को बरामद किया जिसके बाद पूरे मामला का खुलासा हुआ है. इस घटना में शामिल मुख्य आरोपित बिक्कू चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पूरा मामला नालंदा के हिलसा थाना क्षेत्र का है.मृतक की पहचान चिकसौरा थाना इलाके के दामोदपुर गांव निवासी संतोष कुमार के रूप में हुई है. बताया जाता है कि हिलसा थाना क्षेत्र के मराची गांव निवासी विक्कू चौधरी ने ही 15 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा को लेकर डेकोरेशन के लिए बुक किया था. डेकोरेशन का सामान लेकर संतोष कुमार अपने 12 साल के बेटे के साथ बिक्कू की मौसेरी सास के गांव हिलसा के इंदौत गए थे. यहीं सोमवार की सुबह पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई. इसके बाद घर में ही मिट्टी के नीचे शव को डालकर छुपा दिया गया. संतोष कुमार के बेटे को कहा गया कि उसके पिता घर चले गए हैं.

शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की : उधर जब संतोष कुमार का 12 वर्षीय पुत्र घर पहुंचा तो पता चला कि उसके पिता नहीं आए हैं तब परिजनों ने थाने में शिकायत की. संतोष की पत्नी सुजाता देवी की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की. आरोपित बिक्कू को हिरात में लेकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि संतोष कुमार ने 50 हजार रुपये लिए थे. मांगने पर वह नहीं दे रहा था.

बेतिया में बाघ के हमले में एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता । बेतिया

बेतिया में बाघ ने मंगलवार को एक व्यक्ति के ऊपर हमला कर दिया, जिसमें उस व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई है. घटना सहोदरा थाना क्षेत्र के बनबैरीया गांव के पास की है. सोमवार को बाघ के हमले में 50 वर्षीय इंद्रदेव महतो की मौत हो गई. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है. बताया जा रहा है कि इंद्रदेव महतो सुबह में अपनी बकरियों को चराने के लिए खेतों की ओर गए थे. जहां खेत में ही छुपे बाघ ने इंद्रदेव महतो पर अचानक हमला कर दिया और इनरदेव महतो झाड़ियों की तरफ ले गया, इसके बाद इनरदेव महतो का शव झाड़ियों के पीछे से मिला. वही परिजनों को इसकी जानकारी तब मिली, जब उनकी सभी बकरियां भागकर घर वापस आईं. तब उनके परिवार वालों को कुछ अनहोनी का शक हुआ और परिजन इनरदेव महतो की खोजबीन के लिए खेत में गए. तब तक इंद्रदेव महतो को बाघ ने मार दिया था. बाघ के हमले में इंद्रदेव महतो के मौत के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई.

हराही-दिग्घी तालाब में गंदा पानी बहाने पर कार्रवाई

एनजीटी ने दरभंगा जंक्शन पर लगाया 1.61 करोड़ का जुर्माना

संवाददाता । दरभंगा

बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देश पर दरभंगा जंक्शन को एक करोड़ 61 लाख 12 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया है. यह जुर्माना पिछले 1289 दिनों से दरभंगा शहर के प्रमुख हराही और दिग्घी तालाबों में गंदा पानी बहाने को लेकर लगाया गया है.

एनजीटी ने दरभंगा रेलवे को आदेश दिया है कि वह इस जुर्माने की राशि पांच दिनों के भीतर जमा करें. साथ ही, रेलवे को तालाबों में बहाए जा रहे गंदे पानी की समस्या को स्थायी रूप से रोकने के लिए वाटर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने का भी निर्देश दिया गया है. दरभंगा जिसे 'तालाबों का शहर' कहा जाता है, के बीचोबीच पांच बड़े तालाब स्थित हैं. इनमें हराही तालाब जो दरभंगा जंक्शन के सामने है, अतिक्रमण और गंदगी के कारण गंभीर स्थिति में है. हालांकि तालाबों के कायाकल्प और सौंदर्यीकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गईं, लेकिन अतिक्रमण के कारण इन पर अमल नहीं हो सका है. तालाब बचाओ अभियान के अधिवक्ता कमलेश कुमार मिश्र ने बताया कि जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि दरभंगा रेलवे तालाबों को प्रदूषित कर रहा है. राज्य प्रदूषण बोर्ड की कमेटी ने इस तथ्य की पुष्टि की और जुर्माना लगाने की सिफारिश की.

शराब बिक्री के विवाद में एक की हत्या कर दी

संवाददाता । छपरा

नगर थानाक्षेत्र के रौजा गांव के तेलपा मोहल्ले में विश्वकर्मा पूजा की रात शराब बिक्री को लेकर हुए विवाद में भजन महतो (55) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. हत्या के बाद गांव में तनाव व्याप्त हो गया है. इसे देखते हुए स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने इलाके में कैंप लगा रखा है. जानकारी के अनुसार, भजन महतो का शराब भंडारण और बिक्री को लेकर पड़ोस के एक व्यक्ति से पहले भी विवाद हो चुका था. मृतक के भाई जवाहर महतो के मुताबिक, आरोपी ने पहले भी हत्या की धमकी दी थी. विश्वकर्मा पूजा के दिन शाम को जब भजन महतो घर के पास पहुंचे, तो आरोपी ने उन पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इलाज के दौरान एक और व्यक्ति की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया.

कारोबार

गूगल को जुर्माने पर लगाई गई रोक

नयी दिल्ली । विज्ञापन से जुड़े एंट्री ट्रस्ट केस में अदालत से गूगल को बड़ी राहत मिली है. आईटी कंपनी ने बुधवार को यूरोपीय संघ की ओर से पांच साल पहले लगाए गए 1.49 बिलियन यूरो के जुर्माने के खिलाफ दाखिल केस जीत लिया है. यूरोपीय कमीशन के जनरल कोर्ट ने गूगल के मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह यूरोपीय संघ की ओर से 2019 में लगाए गए जुर्माने को खारिज कर रहा है. गूगल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि न्यायालय ने आयोग के निर्णय को पूरी तरह से रद्द कर दिया.

अनिल अंबानी की कंपनियां हुईं कर्ज मुक्त

नयी दिल्ली । अनिल अंबानी की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड दोनों ही कंपनियां रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर बुधवार के कारोबारी सत्र में रिलायंस पावर के स्टॉक में 5 फीसदी के उछाल के बाद अपर सर्किट लगा हुआ है तो रिलायंस इंफ्रा का शेयर भी 20 फीसदी की उछाल के साथ 283.73 रुपये पर जा पहुंचा है और शेयर में अपर सर्किट लग गया है. दोनों ही स्टॉक में तेजी की वजह है कि रिलायंस पावर जहां पूरी तरह डेट फ्री कंपनी बन गई है तो रिलायंस इंफ्रा ने 3831 करोड़ का कर्ज चुका दिया है.

एनपीएस वात्सल्य योजना हुई लॉन्च

नयी दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को दिल्ली में एनपीएस वात्सल्य स्कीम की शुरुआत कर दी है. वित्तमंत्री ने बजट 2024 पेश करते हुए इस स्कीम का ऐलान किया था. एनपीएस वात्सल्य को बच्चों के बड़े होने पर उनकी फाइनेंशियल सिक्योरिटी एन्श्योर करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है. इस स्कीम में माता-पिता बच्चों की ओर से निवेश कर सकते हैं. बालिग होने पर अकाउंट रेगुलर एनपीएस में बदल जाएगा. वित्त मंत्री ने स्कीम के शुभारंभ के दौरान कहा कि माता-पिता और अभिभावकों को अपने नाबालिग बच्चों के जन्मदिन और अन्य अवसरों पर एनपीएस वात्सल्य में निवेश करने पर विचार करना चाहिए.

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने जारी किया सर्कुलर

रिकॉर्ड डेट के बाद दो दिन में ही मिलेगा बोनस शेयर

एजेंसी । नयी दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एक सर्कुलर जारी करके सभी लिस्टेड कंपनियों को रिकॉर्ड डेट के बाद अधिकतम दो कारोबारी दिन में ही बोनस शेयर जारी करने का निर्देश दिया है. अभी तक की व्यवस्था में बोनस शेयर रिकॉर्ड से करीब दो हफ्ते के बाद ही जारी हो पाते हैं. सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि अगर समय सीमा का पालन नहीं किया गया तो दोषी कंपनियों को अर्थदंड (जुर्माना) का सामना करना पड़ेगा. सेबी के सर्कुलर के मुताबिक ये निर्देश 1 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा. बोनस शेयर और डिविडेंड जारी करने के लिए कंपनियां रिकॉर्ड डेट तय करती हैं. रिकॉर्ड डेट वो तारीख होती है, जिस दिन को कंपनी अपने शेयर होल्डर्स के लिए बोनस या डिविडेंड की योग्यता तय करती हैं. यानी रिकॉर्ड डेट के दिन शेयर होल्डर के पास कंपनी के शेयर उपलब्ध होने चाहिए. उस तारीख के पहले यदि शेयर होल्डर अपने शेयर बेच देता है, या उस तारीख के बाद कंपनी के शेयर की खरीदारी करता है, तो उसे बोनस या डिविडेंड के लिए पात्र नहीं माना जाता है.

टी का तात्पर्य रिकॉर्ड डेट से है : सेबी ने अपने सर्कुलर में बोनस शेयर के लिए टी 2 ट्रेडिंग डे का प्रावधान किया है. यहां टी का तात्पर्य रिकॉर्ड डेट से है. इस सर्कुलर में बोनस शेयर जारी करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया है कि अगर समय सीमा के पालन में किसी भी तरह की देरी हुई तो कंपनियों को अर्थदंड का सामना करना पड़ेगा. ये अर्थ दंड सेबी द्वारा 19 अगस्त 2019 को जारी सेबी के सर्कुलर के उसे प्रावधान के तहत लगाया जाएगा, जिसमें सेबी के इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर अर्थदंड लगाने की बात कही गई है.

स्टॉक एक्सचेंज में अप्लाई करेगी : सर्कुलर में बोनस शेयर जारी करने के लिए अपनायी जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया गया है कि बोनस जारी करने वाली कंपनी सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (एलओडीआर) रेगुलेशंस 2015 के प्रावधानों के मुताबिक इश्यू की मंजूरी के लिए स्टॉक एक्सचेंज में अप्लाई करेगी.

ये प्रक्रिया बोर्ड की बैठक में बोनस इश्यू को मंजूरी मिलने के 5 कारोबारी दिन में पूरी हो जानी चाहिए. इसके बाद बोनस इश्यू जारी करने वाली कंपनी प्रस्तावित इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट तय करके इस संबंध में स्टॉक एक्सचेंज को सूचित करेगी. इसके साथ ही रिकॉर्ड डेट के अगले कामकाजी दिन ही शेयर के अलॉटमेंट के बारे में भी जानकारी देनी होगी. बोनस जारी करने वाली कंपनी से रिकॉर्ड डेट की आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद स्टॉक एक्सचेंज रिकॉर्ड डेट और बोनस शेयरों की संख्या को लेकर नोटिफिकेशन जारी करेगा.

डिज्नी की स्टार इंडिया के दावे को चुनौती देगी जीएल

नयी दिल्ली । जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड यानी जीएल ने बुधवार को एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि वो डिज्नी के मालिकाना हक वाली स्टार इंडिया के दावे को चुनौती देगी और अपने अधिकारों को सुरक्षित करेगी. स्टार इंडिया ने जी पर 940 मिलियन डॉलर (करीब 8 हजार करोड़ रुपए) के नुकसान की भरपाई के लिए केस फाइल किया है. अब जी एंटरटेनमेंट ने स्टार इंडिया के इन दावों को आधारहीन बताया है. शेयरों की बात करें तो जी एंटरटेनमेंट के शेयर बुधवार को 1.35% की गिरावट के साथ 131.25 रुपए के भाव पर बंद हुए हैं. इंट्रा-डे में यह 131.00 रुपए के भाव तक टूट गया था. करीब दो साल पहले 26 अगस्त 2022 को स्टार और जी के बीच मेन्स और अंडर-19 (यू-19) के ग्लोबल इवेंट्स के लिए आईसीसी टीवी राइट्स के लाइसेंस को लेकर एक समझौता हुआ था. यह समझौता वर्ष 2027 तक के लिए था.

अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' किया नियुक्त

नयी दिल्ली । ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त करने का ऐलान किया है. कुमार मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी की जगह लेंगे. वे एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी जिम्मेदारियां संभालेंगे. कंपनी ने बुधवार को शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की जानकारी देते हुए कहा है कि समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त किया गया है. अमेजन ने कहा कि भारत के मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी के इस्तीफे के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है. कुमार इस बदलाव पर मनीष तिवारी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने एक आंतरिक ई-मेल में कहा कि 25 साल का अनुभव रखने वाले समीर कुमार अब कंपनी के भारत उपभोक्ता व्यवसाय की देख-रेख करेंगे, क्योंकि अमेजन इंडिया के वर्तमान 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी ने अमेजन के बाहर अवसर तलाशने का फैसला किया है. वे एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी अपनी जिम्मेदारियों को संभालेंगे.

एशिया में मिला-जुला कारोबार

यूएस फेड के फैसले के पहले सतर्क मुद्रा में ग्लोबल मार्केट

एजेंसी । नयी दिल्ली

ब्याज दर को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व का फैसला आने के पहले ग्लोबल मार्केट सतर्क मुद्रा में है. अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर कारोबार करके मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए. डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बुधवार को मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है. यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही. वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) बुधवार को ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का ऐलान करने वाला है. यूएस फेड के फैसले के पहले पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में सुस्ती का माहौल बना रहा, क्योंकि निवेशक वेट एंड वॉच की मुद्रा में कारोबार करते नजर आए. डाउ जॉन्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ. दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 5,634.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. इसी तरह नैस्डेक 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,628.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ. डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 41,619.08 अंक के स्तर पर कारोबार किया है.

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाकर शून्य कर दिया

एजेंसी । नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को घटाकर शून्य कर दिया है. इसके अलावा पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को शून्य पर बरकरार रखा है. नई दरें बुधवार से प्रभावी हो गई है.

सरकार की अधिसूचना के मुताबिक घरेल कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 1,850 रुपये प्रति टन से शून्य कर दिया गया है. इसके साथ ही पेट्रोल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को शून्य पर बरकरार रखा गया है. इससे पहले 31 अगस्त को घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन किया गया था.

उल्लेखनीय है कि दो हफ्ते में औसत तेल की कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े विंडफॉल टैक्स को अधिसूचित किया जाता है. देश में पहली बार एक जुलाई, 2022 को विंडफॉल टैक्स लगाया गया था. इसके साथ भारत उन देशों में शामिल हो गया था जो ऊर्जा कंपनियों को अप्रत्याशित रूप से होने वाले लाभ पर कर लगाते हैं.

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024

आज से नयी दिल्ली में शुरू होगा चार दिवसीय मेगा इवेंट

नयी दिल्ली । देश की राजधानी नई दिल्ली में चार दिवसीय मेगा फूड इवेंट 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' आज से शुरू होने जा रहा है. इस मेगा इवेंट का आयोजन 19 से 22 सितंबर, 2024 तक भारत मंडपम में किया जा रहा है. इस आयोजन में नीति निर्माताओं, नियामकों, वैश्विक निवेशकों, व्यवसाय नेताओं, और खाद्य कंपनियों के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे तथा भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की पहलों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालेंगे.

बाजार आईटी स्टॉक्स में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ हुआ बंद

निवेशकों को 2.71 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

- बीएसई सेंसेक्स 131 अंकों की गिरावट के साथ 82,948 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 41 अंकों की गिरावट के साथ 25,377 अंकों पर बंद हुआ है

एजेंसी । नयी दिल्ली

अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर लिए जाने वाले फैसले के चलते भारतीय शेयर बाजार उठापटक के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ है. दिन के ट्रेड के दौरान ऑलटाइम हाई छूने के बाद बाजार मुनाफावसूली के चलते नीचे गिर गया. हालांकि बैंकिंग स्टॉक्स में बुधवार के कारोबार में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है जबकि आईटी स्टॉक्स में भारी गिरावट देखने को मिली है. बुधवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 131 अंकों की गिरावट के साथ 82,948 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 41 अंकों की गिरावट के साथ 25,377 अंकों पर बंद हुआ है. बाजार में गिरावट और खासतौर से आईटी स्टॉक्स और मिड-कैप स्मॉल-कैप शेयरों में भारी गिरावट के बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 467.58 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 470.29 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. यानि बुधवार के सत्र में निवेशकों को 2.71 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. बुधवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 शेयर तेजी के साथ और 19 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 20 तेजी के साथ और 30 गिरकर बंद हुए. बीएसई में ट्रेड हुए 4070 शेयर में 1520 शेयर तेजी के साथ 2455 शेयर गिरकर बंद हुए. चढ़ने वाले स्टॉक्स में बजाज फाइनेंस 3.65 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.11 फीसदी, नेस्ले 1.61 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.55 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.54 फीसदी, एसबीआई 1.19 फीसदी, एलएंडटी 0.99 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.83 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले स्टॉक्स में टीसीएस 3.49 फीसदी, एचसीएल टेक 3.15 फीसदी, इंफोसिस 3.09 फीसदी, टेक महिंद्रा 2.79 फीसदी, सन फार्मा 1.79 फीसदी, टाटा स्टील 1.44 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.29 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. बुधवार के कारोबार में बैंकिंग स्टॉक्स, फाइनेंशियल सर्विसेज से जुड़े शेयरों में केवल तेजी रही. जबकि आईटी इंडेक्स 1325 अंक गिरकर बंद हुआ. इसके अलावा ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, रियल एस्टेट, मीडिया और हेल्थकेयर स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए.

न्यूज अपडेट

बुलडोजर पर गाइडलाइन बनाए केंद्र

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने बुलडोजर मामले को लेकर केंद्र सरकार से एक-समान गाइडलाइन बनाने की अपील की है. यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बुलडोजर विध्वंस कानून का राज का प्रतीक नहीं होने के बावजूद इसके प्रयोग की बढ़ती प्रवृति चिंतनीय है. वैसे बुलडोजर व अन्य किसी मामले में जब आम जनता उससे सहमत नहीं होती है तो फिर केंद्र को आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइन्स बनानी चाहिए,

दिल्ली में मकान गिरा, कई लोग दबे

नयी दिल्ली। दिल्ली में करोल बाग के बापा नगर इलाके में अंबेडकर गली हिल मार्केट में एक पुराना तीन मंजिला मकान गिर गया. मकान के मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है. पुलिस बल, जिला प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम राहत बचाव कार्य जुटी हैं. दिल्ली फायर विभाग की कई गाड़ियां भी मौके पर मौजूद हैं. पुलिस का कहना है कि आशंका है कि कुछ और लोग मलबे में फंसे हो सकते हैं. जानकारी के मुताबिक, बापा नगर में इमारत गिरने की यह घटना बुधवार सुबह नौ बजे की है.

गणेश विसर्जन के दौरान पत्थरबाजी

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी में गणपति विसर्जन के दौरान पत्थरबाजी की खबर है. गणपति विसर्जन के दौरान मंगलवार देर रात इलाके की हिंदुस्तानी मस्जिद के पास रखी गई भगवान गणेश की मूर्ति पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया, जिससे मूर्ति खंडित हो गई. इसके बाद लोगों ने मौके पर हंगामा शुरू कर दिया. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. सूत्रों के अनुसार, भीड़ ने एक युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया.

वायरल वीडियो पर कांग्रेसी की सफाई

नयी दिल्ली। हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है. इसी बीच फरीदाबाद एनआईटी विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें वह चुनावी जनसभा के दौरान मंच से कहते दिखे कि जिस गांव से जितने ज्यादा वोट मिलेंगे, उतनी ही ज्यादा नौकरी भी मिलेगी. हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस नेता नीरज शर्मा ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि भाजपा की आईटी सेल ने मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया.

भारत-रोमानिया स्मारक टिकट जारी

नयी दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और भारत में रोमानिया की राजदूत डेनिएला-मारियाना सेजोनोव के साथ भारत-रोमानिया स्मारक टिकट जारी किया. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्मारक टिकट जारी होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह भारत-रोमानिया के बीच दोस्ती और सहयोग के गहरे संबंधों को दर्शाता है. उन्होंने कहा कि यह दो देशों के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के जश्न का आदर्श प्रतीक है.

योगी ने अखिलेश-राहुल पर कसा तंज

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा. योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जोड़ी गुमराह करने के लिए आई है. इन्होंने किसी का हित नहीं किया, सिर्फ लूटा है. इन लोगों को जब भी जनता ने शक्ति दी है, तब इन्होंने इसका दुरुपयोग किया. योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी, भस्मासुर जैसी है. उसके अंदर औरंगजेब की आत्मा आ चुकी है. इसीलिए लूट करना उनकी नियति बन गई है.

घुसपैठियों को रोकने की कवायद शुरू

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत और म्यांमार के बीच 1,610 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा बाड़ लगाने और सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है. सरकार की ओर से यह फैसला मणिपुर में घुसपैठियों को रोकने के लिए लिया गया है. इसके अलावा मणिपुर में सीआरपीएफ की दो बटालियन को भी स्थायी तौर पर लगाया गया है, जबकि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 20 हजार जवानों की यहां तैनाती की गई है. म्यांमार के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 30 किलोमीटर तक बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है.

इजरायल एआई पर बड़ा निवेश करेगा

यरूशलम। इजरायल एआई को बढ़ावा देने के लिए 13.3 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा. इसका इस्तेमाल एआई के इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास पर किया जाएगा. इजरायल इनोवेशन अथॉरिटी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि यह धनराशि, जो राष्ट्रीय एआई कार्यक्रम का हिस्सा है, पब्लिक सेक्टर में एआई एकीकरण को बढ़ाने में निवेश किया जाएगा. सरकारी मंत्रालयों और स्थानीय अधिकारियों के सपोर्ट के लिए ज्ञान केंद्र का निर्माण किया जाएगा.

पत्रकार के साथ बदसलूकी की निंदा

वाशिंगटन। अमेरिका के डलास में ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा से सवाल पूछने पर एक पत्रकार के साथ हुई बदसलूकी के मामले में देश के प्रेस क्लब ने कड़ी आपत्ति जताई है और घटना की निंदा की है. अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब ने एक्स पर क्लब की अध्यक्ष एमिली विल्किंस का बयान जारी किया है. कहा गया है कि राहुल गांधी की अगवानी के लिए डलास के एक होटल में सैम पित्रोदा के साथ मौजूद सुरक्षाकर्मियों को किसी सवाल पर आपत्ति जताने या पत्रकार के साथ बदसलूकी करने का अधिकार नहीं था.

राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं की विवादित टिप्पणियों के खिलाफ कांग्रेस का देशभर में हल्ला बोल

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं के बयान के विरोध में राष्ट्रीय राजधानी सहित दिल्ली सहित देश भर में जोरदार प्रदर्शन किया. दिल्ली में यूथ कांग्रेस ने इस मामले में जोरदार प्रदर्शन किया, कांग्रेस कार्यकर्ता बुधवार को दिल्ली की सड़कों पर लामबंद हुए और बीजेपी नेता और मंत्री से माफी मांगने की मांग की. इस विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया. दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया. इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने बुधवार को आईएएनएस से विशेष बातचीत की. उन्होंने इस दौरान दो टूक कह दिया कि अगर राहुल गांधी को कुछ हुआ, तो इसकी जिम्मेदार कोई और नहीं, बल्कि केंद्र सरकार होगी. उन्होंने कहा कि पहले भारत सरकार के राज्य मंत्री, इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री, इसके बाद भाजपा के नेता मारवाह ने राहुल गांधी का हाल दादी जैसा करने की धमकी दे डाली, इसके बाद शिवसेना के एक एमएलए ने राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 15 लाख रुपए देने की घोषणा कर दी. भाजपा के लोग लगातार नफरत और हिंसा का माहौल पैदा करना चाहते हैं, जिसे हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं. यह खतरनाक स्थिति है. **– एजेंसी**

लेबनान : पेजर के जरिए सिलसिलेवा हमलों में 12 की मौत, 2800 से ज्यादा घायल

हिज़्बुल्लाह ने दी इज़राइल को चेतावनी-मिलेगा करारा जवाब

लगातार न्यूज नेटवर्क

लेबनान में पेजर के जरिए एक घंटे तक हुए सिलसिलेवार धमाकों से मरने वालों की संख्या 12 हो गई है. लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने फिरास अबियाद ने कहा है कि मरने वालों में एक आठ साल की बच्ची और एक 11 साल का लड़का शामिल हैं. वहीं 2800 से ज्यादा घायल अस्पतालों में भर्ती हैं. घायलों में ईरानी राजदूत मोजतबा अमानी और कई स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल है. अमानी की पत्नी नरगिस क़ादरीन ने बताया है कि उनको मामूली चोटें आई हैं और वह अस्पताल में हैं जहां पर वह पूरी तरह से ठीक हैं. हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि पेजर में यह धमाके आख़िर कैसे हुए, लेकिन हिज़्बुल्लाह ने इसके लिए इसराइल को ज़िम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे इसका करारा जवाब देंगे, जबकि इसराइल ने इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं की है. वहीं ताइवान ने कहा है कि इन पेजरों के लेबनान को निर्यात किए जाने से जुड़ा कोई भी सीधा रिकॉर्ड नहीं है. यह बयान इस कयास के बीच आया है कि जिन पेजरों में धमाका हुआ है वे ताइवानी ब्रांड के हैं. ताइवानी कंपनी गोल्ड अपोलो के फ़ाउंडर ने भी इस बात से इनकार किया है कि उनकी तरफ़ से ही धमाके वाले पेजर्स में कोई छेड़छाड़ की गई थी.

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री अबियान ने कहा कि पेजर धमाकों में मारे गए लोगों में स्वास्थकर्मी भी थे. उन्होंने कहा कि कुछ घायलों को बेहतर इलाज के लिए विदेश भेजा जाएगा. कुछ घायलों को ईरान और सीरिया भेजा गया है लेकिन 98 फ़ीसदी लोगों का इलाज देश में हो रहा है. इस बीच लेबनान के संस्कृति मंत्री मोहम्मद विसाम ने धमाकों पर कहा, "इसराइल के खिलाफ़ जीत तय है." सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा है, "इसराइल के पापों की कोई सीमा नहीं है और कल हुए हमलों ने यह साबित कर दिया है कि इसराइल मानवता का दुश्मन है." इसराइल की सेना की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं आया है.

इसराइल ने तय समय से पहले ही किए धमाके : रिपोर्ट

रॉयटर्स से लेबनानी सहित कुछ अन्य सूत्रों ने यह दावा किया है कि इसराइल ने ही उनको डिलिवर किए गए पेजर्स में विस्फोटक फ़िट किए थे. वहीं अमेरिकी और इसराइली सूत्रों ने एक्सियोस और अल-मॉनिटर जैसे समाचार संस्थानों से कहा है कि पहले ये धमाके हिज़्बुल्लाह को ख़त्म करने के लिए अभियान के शुरुआती चरण के रूप में होने थे. लेकिन हाल के दिनों में इसराइल को ये चिंता सताने लगी थी कि हिज़्बुल्लाह को उसकी योजना की भनक लग गई है. इसलिए ये पेजर धमाके पहले ही कर दिए गए. एक अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस से कहा, "ये करो या मरो जैसी स्थिति हो गई थी" सूत्रों का दावा है कि इसराइली ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद ने महीने भर पहले निर्यात किए गए हज़ारों पेजर मशीनों में विस्फोटक लगाए थे.

राजधानी बेरूत सहित कई जगहों पर धमाके

पेजर के जरिए धमाके लेबनान की राजधानी बेरूत सहित कई और जगहों पर भी हुए. हिज़्बुल्लाह का कहना है कि ये पेजर उनके ही थे और उनके आठ लड़ाके मारे गए हैं. हिज़्बुल्लाह ने इन धमाकों के लिए इसराइल को ज़िम्मेदार ठहराया है और इसे एक आपराधिक घटना कहा है. हिज़्बुल्लाह ने यह भी कहा है कि वे इसका जवाब देंगे. वहीं इसराइली सेना ने उनके किसी भी दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है.

क्या है पेजर स्ट्राइक

लेबनान में मंगलवार को सैकड़ों पेजरों में एक के बाद एक ब्लास्ट से दुनिया हैरान है. हर कोई जानना चाहता है कि पेजर क्या है और अचानक यह इतना खतरनाक कैसे हो गया. दरअसल, पेजर एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है, जिसका पहली बार इस्तेमाल 1950 में न्यूयॉर्क में किया था. उस दौरान इसकी रेंज काफी कम थी, मगर बाद में इसे बढ़ा दिया गया, लेकिन, 90 का दशक आते ही ये ट्रेंड में आया और इसके इस्तेमाल में इजाफा हुआ. उस दौर में पेजर हर किसी के पास नहीं होता था, इसका अधिकतर इस्तेमाल बिजनेसमैन, डॉक्टर या कोई बड़ा शख्स ही करता था. मोबाइल का दौर आया तो दुनिया के अधिकतर देशों में पेजर का उपयोग होना कम हो गया. हालांकि, पिछले कुछ समय में लेबनान में पेजर को लेकर खासा रुचि बढ़ी और हिजबुल्लाह ने संचार के लिए अपने अधिकतर सदस्यों को पेजर दिए, ताकि कम्युनिकेशन आसानी से किया जा सके. लेबनान में सैकड़ों पेजरों में हुए ब्लास्ट के पीछे इजरायल और उसकी खुफिया एजेंसी "मोसाद" का हाथ होने का दावा किया गया है. जिस समय सैकड़ों पेजरों में ब्लास्ट हुए, उस दौरान ये लोगों की जेब में रखा था. ब्लास्ट के वक्त कोई सब्जी खरीद रहा था तो कोई बाहर टहलने के लिए निकला था.

केजरीवाल सरकारी घर और अन्य सुविधाओं को छोड़ देंगे

- भाजपा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के इस फैसले को बताया ड्रामा

एजेंसी। नयी दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और नेता संजय सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है कि अरविंद केजरीवाल खुद को मिलने वाली सारी सरकारी सुविधाओं को छोड़ देंगे. भाजपा ने इसे ड्रामा करार दिया है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय सिंह ने कहा, "एक मुख्यमंत्री को कई सारी सरकारी सुविधाएं दी जाती हैं. वे सभी अरविंद केजरीवाल को भी मिली थीं. लेकिन जब उन्होंने इस्तीफ़ा दिया उसी वक्त यह फ़ैसला भी कर लिया कि वे सभी सुविधाओं को छोड़ देंगे." संजय सिंह ने यह भी बताया कि अरविंद

केजरीवाल एक हफ़्ते के भीतर सीएम आवास को खाली कर देंगे.

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद ने आशंका जताई, "इस फ़ैसले से उनकी सुरक्षा को लेकर भी सवाल पैदा हो गए हैं. उनपर कई बार हमले हुए हैं, कई बार बीजेपी ने उन पर हमला करवाया है. अभी तय नहीं है कि वह कहां रहेंगे लेकिन वह आम लोगों के बीच में रहेंगे." बीजेपी पर आरोप लगाते हुए संजय सिंह ने कहा कि देश के पीएम खुलेआम कहते हैं कि मुफ़्त की सुविधाएं मिलनी बंद होनी चाहिए.

अमित शाह ने अग्निपथ योजना को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर राजनीति करने का आरोप लगाया. अमित शाह ने कहा कि हरियाणा के अग्निवीरों के लिए नौकरी सुनिश्चित करना भाजपा की जिम्मेदारी है. हरियाणा के भिवानी जिले के लोहारू में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस पर फर्जी नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया. अमित शाह ने कहा, "राहुल गांधी ने दावा किया कि अग्निवीर सैनिकों के पास न तो काम होगा और न ही पेंशन, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि अग्निपथ योजना के तहत सैनिकों को पुलिस सेवाओं में 20 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है. अगर कोई अग्निवीर वापस लौटता है तो वह बिना नौकरी के नहीं रहेगा.'

बिट्टू के फिर बिगड़े बोले कहा-खालिस्तानी पन्नू के साथ खड़ी है कांग्रेस

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिए विवादित बयान के विरोध में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा देशभर में किए गए विरोध-प्रदर्शन के बीच केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का एक और विवादित बयान सामने आया है. उन्होंने इस बार कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी सवाल उठाए हैं. बिट्टू ने कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी का सिखों को लेकर दिए बयान का समर्थन किया, लेकिन, इतने दिन बीत जाने के बाद भी कांग्रेस के किसी भी नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पन्नू के बयान का खंडन नहीं किया. इससे साफ है कि कांग्रेस अध्यक्ष पन्नू के बयान का समर्थन कर रहे हैं.

अच्छे मानसून से दालों की बुआई का क्षेत्रफल करीब आठ प्रतिशत तक बढ़ा

- तिलहन की बुआई का क्षेत्रफल 190.37 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 193.32 लाख हेक्टेयर

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूरे देश में सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश के कारण दालों की बुआई का क्षेत्रफल करीब 8 प्रतिशत बढ़कर 127.77 लाख हेक्टेयर (17 सितंबर तक) हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 118.43 लाख हेक्टेयर था. केंद्र सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई.

जानकारी के मुताबिक, इस साल 2 सितंबर तक खरीफ की फसलों की बुआई 1,096 लाख हेक्टेयर में हुई है. पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 1,087.33 लाख हेक्टेयर था. इस साल धान की बुआई 410 लाख हेक्टेयर में हुई है, यह आंकड़ा पिछले साल समान अवधि में 393.57 लाख हेक्टेयर था. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, मोटे अनाज की बुआई 189.67 लाख हेक्टेयर में हुई है. पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 183.11 लाख हेक्टेयर था. इस साल तिलहन की बुआई का क्षेत्रफल 190.37 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 193.32 लाख हेक्टेयर हो गया है. वहीं, गन्ने की बुआई 57.68 लाख हेक्टेयर में हुई है, पिछले साल समान अवधि में गन्ने की बुआई 57.11 लाख हेक्टेयर में हुई थी. 2024 में अब तक अच्छे मानसून के कारण धान की बुआई पिछले पांच वर्ष के औसत को पार कर गई है. बुआई का क्षेत्रफल बढ़ने की वजह देश में अच्छे मानसून का होना है, जिसके कारण देश के असिंचित इलाकों में बुआई क्षेत्रफल बढ़ा है.

मारे गये 34,344 फिलिस्तीनियों की पहचान जारी

- गाजा पर इजरायली सेना के हमलों अब तक मरने वालों में 169 छोटे बच्चे भी शामिल

एजेंसी। रामल्लाह

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इजराइली हमलों में मारे गए 34,344 फिलिस्तीनियों की पहचान जारी की है. मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने नाम, आयु, लिंग और पहचान संख्या की एक सूची प्रकाशित की है, जिसमें अब तक युद्ध में मारे गए 80 प्रतिशत से अधिक फिलिस्तीनियों के नाम शामिल हैं. सूची में शामिल नामों के अलावा इजरायल के साथ संघर्ष में मारे गये शेष 7,613 लोगों को मिलाकर मृतकों

की संख्या अब 41 हजार से अधिक हो गई है. उनके शव अस्पतालों और मुर्दाघरों में रखे गए हैं, लेकिन अब तक पहचान नहीं हुई है. पहचाने गए लोगों में 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास हमलों के बाद पैदा हुए 169 बच्चे भी शामिल हैं. उसी हमले के बाद इजरायल की जवाबी कार्रवाई शुरू हुई जिसे अब लगभग एक साल हो गये हैं. साथ ही 1922 में पैदा एक व्यक्ति भी इस संघर्ष में मारा गया जिसने एक सदी से अधिक के अपने जीवन में कई युद्ध देखे थे.

गाजा के अधिकारियों द्वारा जारी दस्तावेज 649 पन्नों का है. मृतकों की सूची मुख्यतः उम्र के हिसाब से दी गई है. गाजा की आबादी युवा है. सूची में फिलिस्तीनी मरने वाले बच्चों के नामों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है. साल 2009 और 2021 के बीच कई संघर्षों के बाद, संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ताओं ने मृतकों की अपनी सूची तैयार की और पाया कि वे गाजा द्वारा दी गई सूचियों से काफी मिलते-जुलते हैं. इजरायल के साथ मौजूदा संघर्ष के दौरान फिलिस्तीनी अधिकारी नियमित रूप से पुष्टि किए गए मृतकों की सूची अपडेट करते रहे हैं. हालांकि वे आम नागरिकों और लड़ाकों की संख्या अलग-अलग जारी नहीं करते हैं. जिन 34,344 मृतकों की सूची दी गई है, उनमें 11,355 बच्चे 60 साल या उससे अधिक आयु के 2,955 लोग और 6,297 महिलाएं शामिल हैं.

दौरा अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- वो अगले हफ़्ते भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात करेंगे

ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ़ की लेकिन भारत पर साधा निशाना

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वो अगले हफ़्ते भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात करेंगे. 17 सितंबर को मिशिगन के फ्लिंट में एक टाउनहॉल के दौरान रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवार ट्रंप ने कहा, 'अगले हफ़्ते मोदी अमेरिका आ रहे हैं और उनसे मुलाक़ात होगी. वह शानदार व्यक्ति हैं.' ट्रंप से भारत के साथ मुक्त व्यापार और अमेरिका में नौकरियों को सुरक्षित करने के बारे में सवाल पूछा गया था. हालांकि ट्रंप के इलेक्शन कैंपेन ने पीएम मोदी से मुलाक़ात की कोई

जानकारी नहीं दी है. मोदी इसी हफ़्ते के अंत में अमेरिका जा रहे हैं.

मोदी की तारीफ़ पर भारत पर निशाना : राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल के आख़िर में क्वॉड देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है. क्वॉड गुट में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान हैं. जो बाइडन अपने कार्यकाल का आख़िरी क्वॉड समिट डेलावेयर के विल्मिंगटन में करने जा रहे हैं. 23 सितंबर को पीएम मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में समिट ऑफ द फ्यूचर को भी संबोधित करेंगे. टाउन हॉल में ट्रंप ने अपने समर्थकों से कहा, 'मोदी शानदार व्यक्ति हैं. कई नेता शानदार हैं. ये बिल्कुल भी पिछड़े हुए नहीं हैं. ये अपने-अपने गेम में टॉप पर हैं और हमारे ख़िलाफ़ अपनी नीतियों का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन इंडिया बहुत मुश्किल है. ब्राज़ील भी बहुत मुश्किल है. मैं आप सभी से यह बात कह सकता हूं.'डोनाल्ड ट्रंप ने भले पीएम मोदी की तारीफ़ की है लेकिन भारत की नीतियों की आलोचना भी की है. ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका से आयात होने वाले वस्तुओं पर भारी टैक्स लगाता है और ख़ुद अमेरिका निर्यात करता है तो कोई टैक्स नहीं चाहता है. इसी मामले में ट्रंप ने भारत को नीतियों का दुरुपयोग करने वाला देश कहा है.

भारत पर डोनाल्ड ट्रंप के दो रुख़

ट्रंप भारत को लेकर पहले भी बोलते रहे हैं. कभी वो पीएम मोदी की तारीफ़ करते हैं तो कभी वो भारत की आलोचना करते हैं. कुछ वक़्त पहले जब ट्रंप पर हमला हुआ था, तब पीएम मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी थी. इससे पहले 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान न्यू जर्सी में एक प्रचार रैली में ट्रंप ने कहा था, 'मैं हिंदू का बहुत बड़ा फ़ैन हूं और भारत का भी बहुत-बहुत बड़ा फ़ैन हूं.' अमेरिकी न्यूज़ चैनल सीएनएन से ट्रंप ने कहा था, 'भारत बहुत अच्छा कर रहा है लेकिन कोई इस बारे में बात नहीं करता.' अगस्त 2019 में फ्रांस में ट्रंप और पीएम मोदी की मुलाक़ात हुई थी. इस दौरान मीडिया के सामने पीएम मोदी ने हिन्दी में कहा था, 'मुझे लगता है कि हम दोनों को बात करने दीजिए और जब ज़रूरत पड़ेगी तो आप लोग तक जानकारी पहुंचाएंगे.'

म्यांमार: बाढ़ के कारण 200 से ज्यादा की मौत, 5 लाख प्रभावित

एजेंसी। यांगून

म्यांमार में 'यागी' तूफ़ान की वजह से आई बाढ़ में जनजीवन बुरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है. देश की सैन्य सरकार का कहना है कि इस बाढ़ में 200 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई है. वहीं अब भी 80 से ज़्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं. 'यागी' इस साल एशिया से टकराने वाला सबसे शक्तिशाली तूफ़ान भी है. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सितंबर की शुरुआत में वियतनाम, लाओस, थाईलैंड और म्यांमार में तूफ़ान की वजह से 500 से भी ज़्यादा मौतें हुई हैं.

म्यांमार में यागी की वजह से बाढ़ और भूस्खलन जैसी स्थितियां पैदा हो

गई हैं. कई सारे गांव डूब गए हैं. साथ ही म्यांमार में कई एकड़ में लगाई गई फ़सलें भी बर्बाद हो गई हैं.

संयुक्त राष्ट्र ने भी चेताया है कि यहां पर पांच लाख से भी ज़्यादा लोगों के लिए तत्काल खाने, पीने के पानी, आवास और कपड़ों का इंतज़ाम किए जाने की ज़रूरत है. संयुक्त राष्ट्र संघ ने कहा है कि 'यागी' तूफ़ान ने राजधानी नेपिडॉओ समेत म्यांमार के नौ और राज्यों में तबाही मचाई है. म्यांमार साल 2021 से ही गृह युद्ध का सामना भी कर रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)